सुविचार
जिंदगी में सबसे ज्यादा खुश वही रहता है, जो कम साधनों में भी खुश रहता है।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

'चंद्रमुखी 2' के ट्रेलर में कंगना खूबसूरत...

Ranchi ● Tuesday, 05 September 2023 ● Year : 01 ● Issue : 230 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	65,628.14
निफ्टी	:	19,528.80

SARAFA

सोना	:	5,665
चांदी	:	80.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

झारखंड के प्रथम डीजीपी शिवाजी महान कैरे का निधन

RANCHI : झारखंड के प्रथम डीजीपी शिवाजी महान कैरे का सोमवार को निधन हो गया। उनके निधन पर झारखंड पुलिस मुख्यालय में सोमवार को शोक सभा की गयी। डीजीपी अजय कुमार सिंह सहित सभी वरिष्ठ पुलिस पदाधिकारियों-कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अलग राज्य बनने के बाद झारखंड के पहले डीजीपी शिवाजी महान कैरे बने थे। करीब एक महीने के बाद ही यानी 14 दिसंबर 2000 को टीपी सिन्हा डीजीपी बनाए गए थे, जो 31 जनवरी 2002 तक रहे। उनकी सेवानिवृत्ति के बाद शिवाजी महान कैरे दोबारा डीजीपी बने थे।

मणिपुर सीएम ने एडिटर्स गिल्ड के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

IMPHAL : मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार 4 सितंबर को एडिटर्स गिल्ड के मेंबर्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। गिल्ड पर राज्य में हिंसा को बढ़ावा देने की कोशिश का आरोप है। इसने एक रिपोर्ट में सरकार की लीडरशिप को पक्षपाती बताया था। बीरेन सिंह ने गिल्ड के तीन सदस्यों पर केस किया है। इन तीनों के नाम सीमा गुहा, भारत भूषण और संजय कपूर हैं। इस मामले में एडिटर्स गिल्ड की तरफ से अब तक कोई रिएक्शन नहीं आया है। सीएम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- मैं एडिटर्स गिल्ड के मेंबर्स को वॉर्निंग देता हूं। अगर आपको सच जानना है तो घटना वाली जगह पर जाएं। सच्चाई को जानिए। सभी समुदाय के लोगों से मिलिए, फिर जो जानकारी मिले उसे पब्लिश करें। चुनिंदा लोगों से ही मिलकर कोई नतीजा देना गलत है।

सात सितंबर को प्रत्येक जिले में भारत जोड़ो यात्रा आयोजित करेगी कांग्रेस

NEW DELHI : कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सात सितंबर को देश के प्रत्येक जिले में भारत जोड़ो यात्रा का आयोजन किया जाएगा। वेणुगोपाल ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि भारत जोड़ो यात्रा की सात सितंबर को पहली वर्षगांठ है। इस अवसर कांग्रेस देश के हर जिले में शाम 5-6 बजे भारत जोड़ो यात्रा आयोजित करेगी। वेणुगोपाल ने कहा कि इस आयोजन में कांग्रेस के नेता, कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) से जुड़े लोग, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता, प्रभारी, पूर्व सांसदों, पूर्व विधायकों और अन्य वरिष्ठ लोगों के नेतृत्व में पदयात्रा होगी।

कम हुई बुआई, किसानों की करेंगे मदद : सीएम

खेतों तक पाइप लाइन से जल्द पहुंचाया जाएगा पानी

PHOTON NEWS GODDA : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज प्रदेश के किसान सीमित संसाधन में मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने देखा कि निम्न बारिश की वजह से बुआई कम हुई है, इसे ध्यान में रखकर सरकार की जो भूमिका होगी, हम उसे किसान हित में जरूर निभाएंगे। आने वाले दिनों में सरकार जल्द ही पाइप लाइन के जरिये किसान के खेतों तक पानी उपलब्ध करायेगी। सरकार प्रयासरत है कि किस प्रकार गंगा नदी का पानी खेतों तक पहुंचे। इस निमित्त राज्य सरकार नई तकनीक के माध्यम से रास्ता निकलने का काम करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कानून बनाया है कि राज्य में जो भी उद्योग लगेंगे, उसमें राज्य के 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोजगार सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री सोमवार को गोड्डा के सुन्दरपहाड़ी में विभिन्न योजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास तथा

गोड्डा में कार्यक्रम को संबोधित करते सीएम हेमंत सोरेन।

नियुक्ति पत्र एवं परिसंपत्ति वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार लगातार विकास कार्य कर रही है। "सरकार आपके द्वार" कार्यक्रम के माध्यम से सरकारी पदाधिकारी कैम्प लगाकर आमजनों की समस्याओं को सुन रहे हैं। आज राज्य के बुजुर्ग, विधवा, दिव्यांग पेंशन से अछूता नहीं हैं। फ्री कोचिंग के माध्यम से राज्य के बच्चे कोचिंग का लाभ उठा रहे हैं। राज्य के सभी वर्ग के बच्चों को समान शिक्षा मिले, इसपर भी सरकार प्रयासरत है। उत्कृष्ट विद्यालय के माध्यम से बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हासिल कर रहे हैं। आज आदिवासी, दलित, पिछड़ा वर्ग के बच्चे विदेश में पढ़ाई कर रहा है। यही नहीं विदेश में पढ़ाई के साथ-साथ वहां नौकरी भी कर रहा है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 15947.12 लाख रुपये की लागत वाली 114 योजनाओं की गोड्डा जिले को सौगात दी। इसमें 1499.15 लाख रुपये की 37 योजनाओं का उद्घाटन और 14447.97 लाख रुपये की 77 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

हर तबके के लिए चल रही कई योजनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आपकी सरकार है। आपके मान-सम्मान की रक्षा के साथ आपको अपना हक और अधिकार मिले, इसके लिए सरकार पूरी तरह संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूनिवर्सल पेंशन स्कीम, बिरसा हरित ग्राम योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, फूलो-झानो आशीर्वाद योजना, कृषि ऋण माफी योजना, नीलाम्बर-पीताम्बर जल समृद्धि योजना जैसी कई योजनाएं सरकार चला रही है। इन योजनाओं से आप जुड़े और फायदा उठाएं।

पेज 02 में पढ़े:-
- **हम बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेज रहे, उठा रहे खर्च : CM**

राष्ट्रपति ने महात्मा गांधी की 12 फीट ऊंची प्रतिमा का किया अनावरण

NEW DELHI : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को यहां गांधी दर्शन में महात्मा गांधी की 12 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया और 'गांधी वाटिका' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि महात्मा गांधी पूरे विश्व समुदाय के लिए एक वरदान हैं। उनके आदर्शों और मूल्यों ने पूरी दुनिया को एक नई दिशा दी है। उन्होंने उस समय अहिंसा का मार्ग दिखाया, जब विश्व युद्धों के दौर में दुनिया कई तरह की नफरत और कलह से पीड़ित थी। उन्होंने कहा कि गांधी के सत्य और अहिंसा के प्रयोग ने उन्हें एक महान इंसान का दर्जा दिया। उन्होंने बताया कि गांधी की प्रतिमाएं कई देशों में स्थापित हैं और दुनिया भर के लोग उनके आदर्शों में विश्वास करते हैं। उन्होंने नेल्सन मंडेला, मार्टिन लूथर किंग जूनियर और बराक ओबामा का उदाहरण देते हुए कहा कि कई महान नेताओं ने गांधीजी द्वारा दिखाए गए सत्य और अहिंसा के मार्ग को विश्व कल्याण का मार्ग माना। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके बताये रास्ते पर चलकर विश्व शांति का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

डुमरी में आज मतदान सुरक्षा के कड़े इंतजाम

373 केंद्रो पर पड़ेंगे वोट, मतगणना 8 को

PHOTON NEWS DUMRI : डुमरी विधानसभा उपचुनाव मंगलवार को होने वाला है। सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो जाएगा और शाम पांच बजे तक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। सोमवार को डुमरी एसडीएम कार्यालय से विधानसभा क्षेत्र के 373 मतदान केंद्रों के लिए 1640 मतदान कर्मियों को भेजा गया। डुमरी में मतगणना आठ सितंबर को होगी। जिला प्रशासन के अधिकारी मतदान के भयमुक्त और निष्पक्ष होने का दावा कर रहे हैं। डुमरी उपचुनाव को लेकर एसडीएम सह निवार्ची पदाधिकारी शहजाद अनवर ने बताया कि चुनाव को लेकर सारी तैयारी पूरा हो चुकी है। मतदान कर्मियों को उनके मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया जा चुका है। चुनाव को भयमुक्त बनाने के लिए बीते तीन दिनों से एसपी के नेतृत्व में पूरे डुमरी विधानसभा क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया गया है। मंगलवार को होने वाली वोटिंग के लिए पूरा जिला प्रशासन मुस्तैद है। सभी 373 मतदान केंद्रों पर अर्धसैनिक बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके साथ जिला पुलिस बल के जवानों की भी बूथों पर तैनाती की गई है।

उपचुनाव से एक दिन पहले 1.70 लाख रुपये जब्त

BOKARO : डुमरी विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कुलदीप चौधरी के निर्देश पर जिले के सभी सीमावर्ती क्षेत्रों में चेकनाका लगाकर सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को भी सभी चेकनाकों पर स्टैटिक सर्विलांस टीम द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान टीम ने एक लाख 70 हजार रुपये जब्त किए। वाहन सवार व्यक्ति द्वारा पैसे से संबंधित कोई भी दस्तावेज पेश नहीं किया जा सका। इसके बाद टीम से पैसे जब्त कर लिए। आपको बता दें कि इससे पहले भी वाहन जांच के क्रम में टीम को 10 लाख रुपये कैश व 1140 लाख रुपये कैश बरामद हो चुके हैं।

कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका शख्स

साहिबगंज में बिना ENGINE के दौड़ पड़ी TRAIN, मचा हड़कंप

बड़ी मुश्किल से रोकी गई, कोई हताहात नहीं

PHOTON NEWS SAHIBGANJ: मालदा रेल मंडल अंतर्गत झारखंड के साहिबगंज जिले के बरहरवा रेलवे स्टेशन के रैक लोडिंग यार्ड में रेलवे की बड़ी लापरवाही सामने आयी है। एक बड़ी दुर्घटना होते-होते बच गयी। रविवार की शाम को बिना इंजन की मालगाड़ी ढलान की ओर लुढ़कती हुई बिना इंजन की चार डिब्बे वाली विशेष मेंटेनेंस गाड़ी से टकरा गयी और उसे धकेलते हुए बरहरवा-राजमहल रोड से गुजरी ट्रैक के पार ले आयी। गनीमत रही कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। मिली जानकारी के अनुसार दो खाली मालगाड़ी बिना इंजन के बीते 10-12 दिनों से रैक लोडिंग यार्ड में खड़ी थी। इसी ट्रैक पर हावड़ा

बरहरवा रेलवे स्टेशन में खड़ी ट्रेन ● फोटोन न्यूज

डिवीजन की एक विशेष मेंटेनेंस गाड़ी चार डिब्बे के साथ खड़ी थी। प्रत्येक दिन की तरह विशेष मेंटेनेंस गाड़ी का इंजन चारों डिब्बों को छोड़कर चली गयी थी। इसी बीच शाम को दोनों मालगाड़ी के डिब्बे अपने स्थान से लुढ़ककर पीछे पूरब की ओर सरकने लगे। ऐसा होते देख ग्रामीणों ने हो-हल्ला करना शुरू कर दिया और काफी प्रयास के बाद एक मालगाड़ी के डिब्बे को रोकने में वे लोग सफल हो गए लेकिन दूसरी मालगाड़ी का डिब्बा विशेष मेंटनेंस गाड़ी के डिब्बे से टकरा गया और करीब 200 मीटर तक पूरब की ओर धकेलते हुए बरहरवा-राजमहल रोड से गुजरे हुए ट्रैक तक ले आया।

खूंटी में PLFI उग्रवादी दयाल पूर्ति गिरफ्तार

KHUNTI : प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआइ के सक्रिय उग्रवादी और विभिन्न मामलों के वांछित दयाल पूर्ति को पुलिस ने रविवार की रात धर दबोचा। पुलिस विभाग की ओर से सोमवार को बताया गया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उग्रवादी दयाल पूर्ति जो मुरहू थाना क्षेत्र के इंदीपीड़ी जीवन टोली का रहने वाला है, अपने दस्ते के सदस्यों के साथ बिंदा साप्ताहिक हाट में व्यापारियों से लेवी की रकम वसूलने आया हुआ है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए तोरपा अंचल के पुलिस निरीक्षक दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। टीम द्वारा छापामारी के क्रम में बिंदा जंगल में सर्च अभियान के दौरान एक व्यक्ति पुलिस टीम को देखते ही भागने लगा, पर पुलिस के जवानों ने उसे खदेड़कर पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम दयाल पूर्ति उर्फ अभिमन पूर्ति पिता विजय पूर्ति इंदीपीड़ी जीवन टोली निवासी बताया। पुलिस की पूछताछ के दौरान उसने स्वीकार किया कि मारंगहादा थाना क्षेत्र के कांडे तुबिद गांव में गत 22 जुलाई को चमरा मुंडा की हत्या में वह शामिल था।

सनातन धर्म को खत्म करने की बात पर अड़े एमके स्टालिन के बेटे

जो कहा वही बात बार-बार कहूंगा : उदयनिधि

AGENCY NEW DELHI : सनातन धर्म पर अपनी टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरे उदयनिधि स्टालिन पीछे हटने के लिए तैयार नहीं हैं। सोमवार को तमिलनाडु के थूथुकुडी में बोलते हुए उदयनिधि ने कहा कि मैंने एक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म पर टिप्पणी की थी। मैं वही बात बार-बार दोहराऊंगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे ने आगे कहा कि यह केवल हिंदू धर्म के बारे में नहीं था। मैंने सभी धर्मों की बात की थी। उन्होंने कहा कि मैंने जातिवाद का विरोध किया था, बस इतनी सी बात है। गौरतलब है कि एक कार्यक्रम के दौरान उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मच्छर आदि से की थी।

इसके बाद से भाजपा उनके ऊपर हमलावर है। उदयनिधि ने आगे कहा कि मैं फिर से कह रहा हूं कि मैंने सनातन धर्म की आलोचना की थी और कहा था कि इसे खत्म कर देना चाहिए। मैं यह बात लगातार कहता हूं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बचकाना बातें कर रहे हैं और कह रहे हैं कि मैंने नरसंहार के लिए आमंत्रित किया है।

उदयनिधि का सिर कलम करने वाले को 10 करोड़ देंगे : संत

CHENNAI : तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने 2 सितंबर को सनातन धर्म को खत्म करने की बात कही थी। अयोध्या के संत परमहंस आचार्य ने सोमवार को उनके बयान पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जो उदयनिधि का सिर कलम करके लाएगा, उसे 10 करोड़ रुपए का इनाम मिलेगा। इस दौरान उन्होंने उदयनिधि के पोस्टर पर तलवार चलाई। उधर, उदयनिधि अपने बयान पर कायम हैं। उन्होंने रविवार शाम को भी सनातन धर्म को खत्म करने की बात दोहराई। उदयनिधि ने चेन्नई में पत्रकारों से बातचीत में कहा- लोगों ने इसे बेवजह नरसंहार से जोड़ा है। शनिवार को बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमिल मालवीय ने उदयनिधि के बयान को नरसंहार के लिए उकसाने वाला बताया था।

दूसरी शादी पर भी पहली पत्नी के बेटे को मिलेगा हक

दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया महत्वपूर्ण फैसला

AGENCY NEW DELHI : दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि पहली पत्नी की मौत के बाद शख्स अगर दूसरी शादी करता है तो भी उसे पहली पत्नी से हुए बच्चे से अलग नहीं किया जा सकता। यहां तक की मां-बाप आर्थिक संकट से भी जूझ रहे हों, उस स्थिति में भी बच्चे के पेरेंट्स की जगह कोई नहीं ले सकता। कोर्ट ने सोमवार को एक मामले में पिता को बेटे से मिलने की अनुमति देते हुए यह कमेंट किया। मामला साल 2010 का है, बच्चे की मां की मौत हो गई थी। महिला के परिजन ने दामाद के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया। शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया। 2 साल जेल में बिताने के बाद 2012 में कोर्ट ने उसे बरी कर दिया था। इस फैसले को ससुराल के लोगों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

अभिषेक, विनय और डीएसपी राजेंद्र से ईडी ने आठ घंटे की पूछताछ

RANCHI : शराब घोटाला मामले में अभिषेक आनंद झा, विनय सिंह और अवैध खनन मामले में डीएसपी राजेंद्र दुबे से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने सोमवार को करीब आठ घंटे तक पूछताछ की। ईडी ने बीते दिनों शराब घोटाले को लेकर विनय सिंह समेत कई अन्य व्यक्तियों के कुल 32 ठिकानों पर छापेमारी की थी। जिसके बाद से ईडी द्वारा पूछताछ का सिलसिला जारी है। दूसरी तरफ ईडी ने साहिबगंज में हुए 1000 करोड़ के अवैध खनन घोटाला मामले में डीएसपी राजेंद्र दुबे से उनकी संपत्ति के बारे में पूछताछ की। उनके और उनके रिश्तेदारों की जमीन- बैंक सहित कई तरह के कागजातों से संबंधित मामलों में भी पूछताछ की।

370 पर सुनवाई, SC ने लोन से मांगा हलफनामा

नेशनल कांफ्रेंस के नेता को भारतीय संविधान में जतानी होगी अटूट आस्था

AGENCY NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को आर्टिकल 370 पर 15वें दिन की सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने मांग की कि नेशनल कॉन्फ्रेंस मोहम्मद अकबर लोन माफी मांगें। उन्होंने 2018 में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए थे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि मोहम्मद अकबर लोन हलफनामा (एफिडेविट) दायर करें। इसमें बताएं कि उनकी

भारतीय संविधान में निष्ठा है। वही, कपिल सिब्बल ने कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से एनसी नेता मोहम्मद अकबर लोन द्वारा 2018 में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में कही गई बातों से सहमत नहीं हैं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत की बेंच इस मामले में सुनवाई कर रही है। सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पैरवी कर रहे हैं। सिब्बल ने कहा कि एक राजनीतिक प्रक्रिया का एक राजनीतिक समाधान जरूर होना चाहिए।

कश्मीरी पंडितों ने लगाई याचिका

कश्मीरी पंडितों ने 3 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें याचिकाकर्ता लोन पर सवाल उठाए गए थे। 'रूट्स इन कश्मीर' संगठन ने दावा किया कि लोन घोषित तौर पर पाकिस्तान का समर्थन करते हैं। वो विधानसभा में पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगा चुके हैं।

गोरखपुर में कल आयोजित होगा यायावरी भोजपुरी महोत्सव, भाषा प्रमियों का होगा जुटान

यायावरी शिखर सम्मान से नवाजे जाएंगे जुगानी भाई

PHOTON NEWS GORAKHPUR : भोजपुरी भाषा के सम्मान, स्वाभिमान और संरक्षण को समर्पित यायावरी भोजपुरी महोत्सव का आयोजन 6 सितम्बर को शहर के गोकुल अतिथि भवन में आयोजित होगा। इस महोत्सव में भोजपुरी बतकही, विचार, गीत संगीत और संस्कृति की मिठास घुलेगी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी मिथिलेश नारायण एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज एवं दूरदर्शन गोरखपुर के प्रभारी ब्रजेंद्र नारायण शामिल होंगे। इस दौरान भोजपुरी के गौरव और साहित्य जगत के पुरोधा डॉक्टर रविंद्र श्रीवास्तव जुगानी भाई साल 2023 के यायावरी शिखर सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। महोत्सव के आयोजन समन्वयक गौरव मणि त्रिपाठी ने बताया कि गत वर्ष की तुलना में यायावरी भोजपुरी महोत्सव का यह दूसरा अध्याय भव्य होगा। उन्होंने इस अवसर पर लोगों से बड़ी संख्या में शामिल हो भोजपुरी महोत्सव को सफल बनाने की अपील की।

प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी देते गौरव मणि त्रिपाठी व अन्य।

सात सत्रों से सजा होगा महोत्सव

यायावरी महोत्सव कुल सात सत्रों में आयोजित होगा जिसकी शुरूआत सुबह 11:30 बजे उद्घाटन सत्र के साथ होगा। दूसरा सत्र भोजपुरी कहानी में स्त्री पर केन्द्रित होगा जिसमें सरोज सिंह, सत्य व्यास और विनीता परमार भोजपुरी कहानी में स्त्री पात्रों की भूमिका पर चर्चा करेंगे। भोजपुरियत आ उद्यमिता विषय आधारित तीसरे सत्र में गिरिजांश गोपालन, संजय शेफर्ड और वलीउल्लाह शेख उद्यमिता के क्षेत्र में भोजपुरी की अहमियत पर चर्चा करेंगे। इसके बाद भोजपुरिया एलीट के माई भाषा से नेह छोह विषयक चौथे सत्र में राजेश मिश्रा, मुन्ना पांडेय व संजय मासूम एलीट क्लास के निजभाषा से प्रेम पर चर्चा करते हुए भोजपुरी के सामाजिक स्तर पर मंथन करेंगे।

रोवर के बाद लैंडर विक्रम भी अब स्लीप मोड में

BENGALURU : भारत के चंद्रयान-3 मिशन का विक्रम लैंडर स्लीप मोड में चला गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को इसकी घोषणा की है। इससे पहले रोवर प्रज्ञान शनिवार को सुप्तावस्था या निष्क्रिय अवस्था में चला गया था। इसरो ने एक्स पर लिखा कि विक्रम लैंडर भारतीय समयानुसार सुबह करीब आठ बजे सुप्तावस्था में चला गया। इसरो के मुताबिक सौर ऊर्जा खत्म हो जाने और बैटरी से भी ऊर्जा मिलना बंद हो जाने पर विक्रम, प्रज्ञान के पास ही निष्क्रिय अवस्था में चला जाएगा। उनके 22 सितंबर 2023 के आसपास सक्रिय होने की उम्मीद है। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने पहले कहा था कि चंद्र मिशन के रोवर और लैंडर चंद्रमा की रात में निष्क्रिय हो जाएंगे।

चांद की सतह पर विक्रम लैंडर की फिर सॉफ्ट लैंडिंग

AGENCY BENGALURU : चांद पर विक्रम लैंडर आज 4 सितंबर सुबह 8 बजे स्लीप मोड में चला गया। ये जानकारी इसरो ने दी है। इससे पहले पेलोड चास्टे, रंभा-एलपी और इल्सा ने नई लोकेशन पर काम किया और धरती से डेटा रिसीव किए। अब पेलोड भी स्विच ऑफ हो गए हैं। हालांकि लैंडर के रिसीवर्स काम कर रहे हैं। उम्मीद है कि विक्रम 22 सितंबर को दोबारा अपना काम शुरू कर देगा। चंद्रयान-3 मिशन के विक्रम लैंडर ने चांद की सतह पर दोबारा लैंडिंग की। इसरो ने सोमवार को बताया कि लैंडर

को 40 सेमी ऊपर उठाया गया और 30 से 40 सेमी की दूरी पर उसे सुरक्षित लैंड करा दिया। इसे हॉप एक्सपेरिमेंट यानी जंप टेस्ट कहा। इसरो ने बताया कि लैंडर को ऊपर उठाने से पहले उसका रैंप, पेलोड चास्टे और इल्सा को फोल्ड किया गया। दोबारा सफल लैंडिंग के बाद सभी उपकरणों को पहले की तरह सेट कर दिया गया।

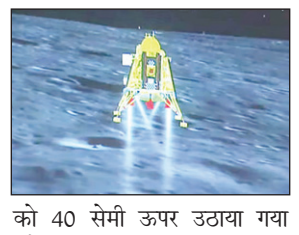

BRIEF NEWS

मंत्री ने जन सुनवाई में सुनी लोगों की समस्याएं दिये सामाधान के निर्देश

RANCHI: अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिशा-निर्देश पर सोमवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने जन सुनवाई की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों से आये लोगों की समस्याओं को सुना और अधीनस्थ पदाधिकारियों को दूरभाष के माध्यम से जन-समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिये। जन-सुनवाई कार्यक्रम में मंत्री के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर भी उपस्थित रहे। जन-सुनवाई कार्यक्रम में रांची, गढ़वा, रामगढ़, धनबाद, गुमला, लोहरदगा, बोकारो, गिरिडीह जिला के विभिन्न प्रखंडों से लोग अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। इनमें वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, राशन कार्ड, मुटेशन, बिजली, सड़क निर्माण, खरीदारी जमीन पर अवैध कब्जा जैसी समस्या शामिल थीं। मौके पर प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह प्रवक्ता राकेश सिन्हा ने बताया कि जन-सुनवाई कार्यक्रम में आये लोगों के आवेदन पर मंत्री ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अधीनस्थ विभाग के अधिकारियों को दिशा-निर्देश देने का काम किया और अविलंब समस्याओं के निष्पादन का निर्देश दिया।

कांग्रेस ने राजभवन के समक्ष धरना

RANCHI: प्रदेश कांग्रेस ने सोमवार महंगाई एवं घरेलू गैस की कीमत में मात्र 200 रुपये कम करने के खिलाफ एक दिवसीय धरना आयोजित किया। धरने का आयोजन रांची में राजभवन के समक्ष किया गया। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि सौ महीनों की लूट फिर दो सौ की छूट, लगता है भाजपा के कैलेंडर में दस सालों में एक ही बार रक्षाबंधन आता है। उन्होंने कहा कि इस पर भी भाजपा के नेता धन्यवाद का धारावाहिक चला रहे हैं। ये जनता के साथ सरासर नाइंसाफी है। उन्होंने कहा कि साढ़े नौ साल 500 रुपये का सिलेंडर 1100 में बेचा गया। आम आदमी की कमर तोड़ ली गई। जब इंडिया गठबंधन का डर सताया तो 200 रुपये की कमी कर जनता के साथ एक बार फिर साजिश रचने का काम किया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि 2013 में कांग्रेस की मनमोहन सरकार के समय राशन सामग्री और पेट्रोल-डीजल के दाम और वर्तमान केंद्र सरकार के समय आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगभग दोगुनी हो गयी हैं।

एक नेशन-एक इलेक्शन लोकतंत्र पर हमला : डॉ मनोज कुमार

RANCHI: प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के महासचिव सह प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार का एक नेशन, एक इलेक्शन लोकतंत्र और संघीय ढांचे पर हमला है। कुमार ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भाजपा आम जनता, किसान,मजदूर,नौजवान और बेरोजगारी के मुद्दे पर बात क्यों नहीं करती। समान शिक्षा की क्यों बात नहीं करती। गरीब किसान, मजदूर पैसा नहीं रहने कर कारण इलाज के अभाव में मर रहे है। भाजपा की केंद्र सरकार किसी मुद्दे पर न गंभीर है न संवेदनशील है।

देश में वन नेशन वन इलेक्शन नहीं, वन नेशन वन एजुकेशन लागू होना चाहिए : केजरीवाल

JAIPUR: आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सोमवार को जयपुर पहुंचे। टाउन हॉल कार्यक्रम में अरविंद केजरीवाल ने राजस्थान की जनता को शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, भ्रष्टाचार को मिटाना, बिजली समेत सात गारंटियां दीं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी और गहलोत सरकार पर भी निशाना साधा। अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी शासित केंद्र सरकार ह्यवन नेशन, वन इलेक्शनह्ल की बात कर रही है, जबकि आम आदमी पार्टी का कहना है कि देश में वन नेशन, वन एजुकेशन लागू होना चाहिए। इससे देश के किसानों के बच्चे भी उद्योगपतियों के बच्चों के बराबर अच्छी शिक्षा हासिल कर सकेंगे। सरकार में आते ही प्राइवेट स्कूलों की लूट को बंद करने का काम किया जाएगा।

संविधान संशोधन से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को मिलेगा उचित प्रतिनिधित्व : उपराष्ट्रपति

AGENCY JAIPUR: उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को जयपुर में महारानी महाविद्यालय की छात्राओं के साथ राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भागीदारी विषय पर संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। छात्राओं से संवाद के दौरान उपराष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं के लिए आसमान ही सीमा है, वे हर क्षेत्र में-प्रशासन, सेना, कॉरपोरेट में सफलता के नए प्रतिमान गढ़ रही हैं। उन्होंने महिलाओं को कहा कि अपने निर्णय स्वयं लें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें। पुरुषों की नकल मत कीजिए, वे आपसे श्रेष्ठ नहीं हैं, अपने आपको मौलिक रखिये। उपराष्ट्रपति ने छात्राओं को तीन मंत्र दिए- पहला, कभी टेंशन मत लीजिये, टेंशन लेने से कुछ नहीं होता। दूसरा, असफलता से कभी मत डरिये और तीसरा यह कि आपके दिमाग मे कोई अच्छा विचार आये तो उसे केवल दिमाग में मत रखे रखिये, बल्कि जमीन पर लागू करिये। उपराष्ट्रपति ने युवाओं से अति-प्रतिस्पर्धा में ना पड़ने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें अपनी रुचि के अनुसार कैरियर के चुनाव करना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अब वो दिन दूर नहीं जब संविधान में संशोधन करके संसद और विधान सभाओं में महिलाओं को उनका उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा। यदि

मंच पर आसीन उपराष्ट्रपति व अन्य।

महिलाओं को ये आरक्षण जल्दी मिल गया, तो भारत 2047 से पहले ही विश्व शक्ति बन जायेगा। महिला शिक्षा पर बल देते हुए धनखड़ ने कहा कि लड़के को पढ़ाने से एक परिवार ही तरक्की करता है, लेकिन यदि हम एक लड़की को पढ़ाते हैं तो कई परिवार शिक्षित होते हैं महिला सुरक्षा पर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में धनखड़ ने कहा कि यह केवल सरकारी तंत्र का ही काम नहीं है, बल्कि महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करने में समाज, व्यक्ति और संस्थानों को मिलकर प्रयास करने होंगे। हर सक्षम व्यक्ति यह निश्चय करे कि मैं इस विषय पर अपना योगदान करूंगा। असामाजिक तत्वों से सख्ती से निपटने पर बल देते हुए उन्होंने खुशी व्यक्त की की हम अंग्रेजों की बनायी दंड संहिता को बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरे जीवन में एक ही ताकत है - मेरी नानी, दादी, मेरी मां और मेरी धर्मपत्नी। पांच दशक के सार्वजनिक जीवन में अनेक उतार चढ़ाव आये, लेकिन ये महिलाएं मेरे पीछे चट्टान के समान अडिग खड़ी रहीं। महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में आ रहे बदलाव को रेखांकित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने राज्य सभा में चेयरमैन की जगह जेंडर न्यूट्रल शब्द चेयरपर्सन को बढ़ावा दिया है। अब **'Panel of Vice Chairmen'** की जगह **'Panel of Vice Chairperson'** शब्द का प्रयोग किया जाता है। धनखड़ ने आगे बताया कि मैंने पहली बार राज्य सभा के उपसभापति पैनल में पचास फीसदी महिलाओं की नियुक्ति की है और उनका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है। राज्य सभा में महिला सशक्तीकरण के लिए उठाये गए अन्य कदमों के विवरण देते हुए धनखड़ ने कहा कि मैं जब भी देश-विदेश की यात्रा के लिए डेलिगेशन के नामों का निर्णय करता हूं, तो उसमें महिलाओं को प्राथमिकता देता हूं ताकि जिन लोगों को अभी तक बाहर जाने का मौका नहीं मिला था, उन्हें भी अवसर मिले। उपराष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं की प्रगति में रुकावट पैदा करने के अनेक प्रयास हुए हैं, लेकिन अब समाज का दृष्टिकोण बदल रहा है। 2019 में पहली बार लोक सभा में 78 महिला सांसद निर्वाचित होकर आयी हैं। विश्व महिलाओं के योगदान के बिना प्रगति नहीं कर सकता।

हेमंत सरकार ने किया केंद्र के कोयला क्षेत्र अधिग्रहण बिल का विरोध, बताया आदिवासी-मूलवासी विरोधी

प्रस्तावित बिल के प्रावधानों में कई अनुचित बदलाव किए गए, राज्य को होगा भारी नुकसान : सीएम

PHOTON NEWS RANCHI: राज्य सरकार का मानना है कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधित कोयला क्षेत्र अधिग्रहण विधेयक (कोयला धारक क्षेत्र, अधिग्रहण और विकास संशोधन विधेयक, 2023) देश एवं राज्यहित में नहीं है। प्रस्तावित विधेयक के प्रावधानों में कई अनुचित बदलाव किए गए हैं। इन बदलावों से राज्य को भारी नुकसान झेलना पड़ेगा। यह बदलाव जनभावना के अनुरूप नहीं है। बल्कि यह विकास विरोधी बदलाव हैं, जिसका झारखंडवासियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। झारखंड के आदिवासी-मूलवासियों के हक-अधिकारों का होगा हनन होगा। हमारी सरकार राज्यवासियों और जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा से जुड़े मुद्दों को उठाती रहती है। लोगों के हक-अधिकार को संरक्षित रखना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

संशोधित विधेयक के संबंध में झारखंड सरकार ने सोमवार को राज्यहित को सर्वोपरि रखते हुए अपना पक्ष रखा है। खान एवं भूतत्व विभाग, झारखंड सरकार ने कई बिंदुओं पर विरोध जताया है, जो निम्न हैं-

- केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) संशोधन विधेयक, 2023 की मूल भावनाओं में कई अनुचित बदलाव, झारखंड प्रदेश को होगा भारी नुकसान

- झारखंड के आदिवासी-मूलवासियों के हक-अधिकारों का हनन होगा।

-राज्यवासियों और जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा से जुड़े मुद्दों को राज्य सरकार उठाती रहती है।

राज्य सरकार का मानना है कि कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा प्रस्तावित कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) संशोधन विधेयक, 2023 देश एवं राज्यहित में नही है। संशोधन विधेयक, 2023 में कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण एवं विकास) के प्रावधानों में कई अनुचित बदलाव किए गए हैं। इन बदलावों से राज्य को भारी नुकसान झेलना पड़ेगा। यह बदलाव जनभावना के अनुरूप नहीं है बल्कि यह विकास विरोधी बदलाव हैं, जिसका झारखंड वासियों पर

प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा तथा झारखण्ड के आदिवासी-मूलवासियों के हक-अधिकारों का होगा हनन होगा। हमारी सरकार राज्यवासियों और जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा से जुड़े मुद्दों को उठाती रहती है। लोगों के हक-अधिकार को संरक्षित रखना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) संशोधन विधेयक, 2023 के संबंध में झारखंड सरकार ने राज्यहित को सर्वोपरि रखते हुए अपना पक्ष रखा है। खान एवं भूतत्व विभाग, झारखंड सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) संशोधन विधेयक, 2023 के संदर्भ में कई बिंदुओं पर विरोध जताया है, जो निम्न हैं। -खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 8 तथा खनिज समनुदान नियमावली, 1960 के नियम-24 (उ) के तहत सरकारी कम्पनियों को कोयला खनिज के खनन पट्टा की अवधि निर्धारित है। केन्द्र सरकार के द्वारा खनन पट्टा की अवधि खान का सम्पूर्ण जीवन काल प्रस्तावित है, जो खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम एवं खनिज समनुदान नियमावली के विपरीत है। - खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 यथा संशोधित 2021 के 05वीं अनुसूची में सरकारी कम्पनियों को कोयला खनिज के खनन पट्टा की स्वीकृति / अवधि विस्तार के मामलों में अतिरिक्त राशि का प्रावधान किया गया है।

प्रस्तावित संशोधन में खनन पट्टा की अवधि खान का सम्पूर्ण जीवन काल होने के कारण सरकारी कम्पनियों को कोयला खनिज के खनन पट्टा की स्वीकृति / अवधि विस्तार के मामलों में राज्य सरकार को अतिरिक्त राशि की प्राप्ति नहीं हो पायेगी। -कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) अधिनियम, 1957 के प्रावधानुसार कोयला खनन एवं खनन अनुषंगिक गतिविधियों के लिए ही सरकारी कम्पनियों हेतु भू-अर्जन का प्रावधान है। अन्य आवश्यकताएँ, जैसे की स्थायी आधारभूत संरचना कार्यालय, आवासीय सुविधाओं आदि के लिए छअ अू३, 1894 के तहत भू-अर्जन का प्रावधान है। जबकि प्रस्तावित संशोधन के द्वारा मूल अधिनियम के उद्धेश्य प्रस्तावना, लक्ष्य एवं कारणों को कमजोर करते हुए सरकारी कम्पनियों हेतु अधिग्रहित भूमि को निजी संस्थाओं को अनेकों आधारभूत परियोजनाओं हेतु दिया जाना है। -भारतीय संविधान के 05वें अनुसूची के तहत आदिवासियों एवं मूलवासियों के भूमि को प्रदत्त सुरक्षा एवं अधिकार से वंचित करते हुए सरकारी कम्पनियों के लिए अधिग्रहित भूमि को निजी संस्थाओं को अनेकों आधारभूत परियोजनाओं हेतु भूमि उपलब्ध कराये जाने का प्रावधान प्रस्तावित है। -कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) अधिनियम, 1957 के तहत सरकारी कम्पनियों के लिए अधिग्रहित भूमि को निजी संस्थाओं को आधारभूत परियोजनाओं हेतु उपलब्ध कराए जाने से आदिवासियों/मूलवासियों के संवैधानिक अधिकारों पर अतिक्रमण होगा।. -मूल अधिनियम की धारा-13 एवं 17 में प्रस्तावित संशोधन से भूमि मालिकों को प्रदत्त अधिकारों का हनन होगा।

भारत की प्रौद्योगिकी शक्ति का दीदार करेंगे जी-20 देशों के मेहमान

AGENCY NEW DELHI: जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान मेहमानों को भारत की प्रौद्योगिकी शक्ति के बारे में अवगत कराया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इसके लिए प्रगति मैदान में हॉल 4 और हॉल 14 में दो अत्याधुनिक डिजिटल इंडिया एक्सपीरियंस जोन स्थापित कर रहा है। इस एक्सपो का उद्देश्य विश्व स्तरीय डिजिटल पहलों का प्रदर्शन करना है। मंत्रालय के अनुसार जीवन की सुगमता, व्यवसाय की सुगमता सहित गवर्नेंस सुगमता पर प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। इस दौरान डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) को लागू कराने में आधार, डिजीलॉकर, यूपीआई, ई-संजीवनी, दीक्षा, भाषिणी और ओएनडीसी जैसी सात प्रमुख पहलों का चयन किया गया है। प्रदर्शनी एक विशेष अनुभव प्रदान करेगी। आधार फेस ऑथेंटिकेशन सॉफ्टवेयर के लाइव प्रदर्शनों के माध्यम से उपस्थित लोगों को अनुभव प्राप्त करने और अत्याधुनिक तकनीक के साथ बातचीत करने का अवसर मिलता है, जबकि यूपीआई प्रदर्शनी आगंतुकों को दुनिया भर में यूपीआई के विभिन्न एप्लीकेशनों का पता लगाने और खोजने में सक्षम बनाएगी। इसके अतिरिक्त आगंतुक क्यूआर कोड को स्कैन करके सामान खरीद सकते हैं और मामूली भुगतान के साथ सहज लेनदेन प्रारंभ कर सकते हैं। अतिथि भारत के डिजीलॉकर की व्यावहारिक उपयोगिता के बारे में भी जान सकते हैं, जो शिक्षा, वित्त और बैंकिंग, यात्रा, परिवहन, रियल एस्टेट, कानूनी और न्यायपालिका जैसे क्षेत्रों में प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और दक्षता बढ़ाने में इसकी भूमिका को प्रदर्शित करता है। इस दौरान ई-संजीवनी का भी प्रदर्शन किया जाएगा। ई-संजीवनी प्रदर्शनी के दौरान कार्डियोलॉजी, मानसिक स्वास्थ्य, नेत्र रोग विशेषज्ञ, और सामान्य चिकित्सा से जुड़े डॉक्टर ऑनलाइन परामर्श प्रदान करने के लिए उपस्थित रहेंगे। दीक्षा प्रदर्शनी एक गहन और सहज ज्ञान युक्त अनुभव प्रदान करेगी। भाषिणी प्रदर्शनी में सभी भारतीय भाषाओं के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र की छह भाषाओं में रियल टाइम अनुवाद दिखाया जाएगा। ''जुगलबंदी'' टेलीग्राम बॉट आगंतुकों को अपनी पसंद की किसी भी भाषा में सवाल पूछने और बातचीत करने की क्षमता देगी। डिजिटल इंडिया की प्रतिष्ठित यात्रा 2014 के बाद से डिजिटल इंडिया की प्रमुख उपलब्धियों को बताएगी। आभासी वास्तविकता के माध्यम से डिजिटल स्पेस में की गई प्रगति को जीवंत करेगी। डिजिटल ट्री प्रदर्शनी में डीपीआई के मूल सिद्धांतों और डिजिटल इंडिया पहल के विकास का पता लग पाएगा।

हम बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेज रहे, उठा रहे खर्च : CM

PHOTON NEWS SAHIBGANJ : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य की जनता के साथ सरकार पूरी मजबूती के साथ खड़ी है। परिस्थितियां कैसी भी हो, हर वर्ग और हर तबके के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। सभी का उत्थान हमारा संकल्प है। मुख्यमंत्री सोमवार को साहिबगंज जिले के बरहेट प्रखंड स्थित सिमलढाब में विकास मेला सह जनता दरबार को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कई योजनाएं चला रही है। इन योजनाओं को आप तक पहुंचाने का काम हो रहा है आप भी आगे आएं और इन योजनाओं से जुड़े। जब सरकार और जनता एक साथ

युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपने के दौरान के कार्यक्रम में सीएम हेमंत व अन्य।

आगे बढ़ेगी तो राज्य भी विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर क्षेत्र में काम कर रही है। हम खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। सरकारी और निजी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार दे रहे हैं। बच्चों के पढ़ाई-लिखाई का खर्च सरकार वहन कर रही है। विदेश में उच्च शिक्षा के लिए यहां के आदिवासी दलित और अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को भेजा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष भी मानसून का अलग रुख देखना पड़ रहा है।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस कार्यकताओं ने दिया धरना

KHUNTI: अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर पार्टी के जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा की अध्यक्षता में महंगाई और केन्द्र की भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ सोमवार को खूंटी समाहरणालय के समक्ष दिया। मौके पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि गैस सिलेंडर के मूल्यों मे दो सौ रुपये की छूट लाखों करोड़ों की लूट के बाद केंद्र सरकार दे रही है। गैस सिलेंडर पर सरकार ने करोड़ों रुपये की लूट की है। उन्होंने कहा कि छूट सिर्फ चुनावी जुमला है। साढ़े चार साल तक जमकर लूटने और थोड़ी छूट देकर जनता को खुश करने का प्रयास किया जा रहा है। इसको जनता समझ गयी है और वक्त आने पर सबक भी सिखाएगी।

वन नेशन-वन इलेक्शन, संविधान संशोधन के बिना असंभव : कांग्रेस

AGENCY NEW DELHI: कांग्रेस ने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन संविधान संशोधन के बिना संभव नहीं है। मोदी सरकार लगातार संविधान को कमजोर करने की साजिश रचती चली जा रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ ही पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने भी साफ कहा है कि यह संघीय ढांचे पर आक्रमण है। कांग्रेस नेता ने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन बिना संविधान संशोधन के संभव नहीं है। इसके लिए आम सहमति की जरूरत होती। केन्द्र सरकार ने चर्चा के लिए जो समिति बनाई है उसपर इसे पास करने का दबाव है। रमेश ने कहा कि सरकार ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए अभी सिर्फ एक समिति का गठन किया है। कांग्रेस का साफ कहना है कि यह सरकार संघीय ढांचे पर बार-बार हमला कर रही है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने ह्यवन नेशन, वन इलेक्शनह्ल पर चर्चा के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। यह समिति पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित की गई है। समिति में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, गुलाम नबी आजाद, 15वें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एनके सिंह, लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप, वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और सतर्कता आयोग के पूर्व अध्यक्ष संजय कोठारी को सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। हालांकि कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने समिति में शामिल होने से इंकार कर दिया है। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कहा कि वह इस समिति का हिस्सा नहीं रहेंगे।

राजस्थान में राजनाथ सिंह ने सभा को किया संबोधित, अशोक गहलोत पर कसे तंज

हम चांद पर पहुंच गए, अब हॉलीवुड फिल्मों से भी कम बजट में सूर्य की तरफ बढ़ रहे : रक्षामंत्री

AGENCY JAIPUR: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर कई तंज कसे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत जिस गाड़ी की ड्राइविंग सीट पर बैठे हैं, उसका क्लच और एक्सीलेटर कोई और दबा रहा है। रक्षा मंत्री सोमवार को रामदेवरा में भाजपा की तीसरी परिवर्तन संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाने से पहले सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हटाने के लिए 28 दल एक साथ आए हैं। इस गठबंधन के हालात ऐसे हैं कि नाम बड़े और दर्शन छोटे। इन्हीं के गठबंधन के लोग सनातन धर्म को चोट पहुंचा रहे हैं। कांग्रेस चुप है। राहुल, प्रियंका और सोनिया गांधी इस पर क्यों कुछ नहीं बोल रहे हैं। सनातन धर्म का न कोई जन्म है, न अंत है। चंद्रयान की लॉन्चिंग और लैंडिंग तो सफलतापूर्वक हो गई, लेकिन राहुलयान की 20 साल से न

जन आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ करने से पहले सभा को संबोधित करते राजनाथ सिंह।

तो लॉन्चिंग हो पाई है न ही लैंडिंग हो पाई है। यह यात्रा जोधपुर संभाग में 20 दिन में 51 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि 56 महीने में 10 लाख मुकदमे हुए हैं। 7650 निर्दोष लोगों की हत्या राजस्थान में हुई है। राजस्थान जैसे हालात कहीं नहीं हैं। दो लाख में से 31 हजार मामले दुष्कर्म के हैं। छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म किया गया है। जोधपुर में पूरे परिवार की हत्या हुई है। उदयपुर में जो हुआ, वो भी सभी को याद है। यह यात्रा परिवर्तन का शंखनाद है। कांग्रेस और भाजपा के शासन का लोग खुद आकलन करें कि पहले क्या माहौल था और अब क्या माहौल है। रक्षा मंत्री ने कहा कि पांच परमाणु परीक्षण इसी भूमि पर हुए हैं। यह भूमि कई मायनों में गौरव बढ़ाने वाली है। 1998 में भारत ने जो छलांग परमाणु परीक्षण कर लगाई थी। उसी तरह की छलांग 23 अगस्त को चंद्रयान-3 ने चांद पर उतरकर लगाई है। भारत चांद पर तो पहुंच गया है। अब 15 लाख किलोमीटर की दूरी तय कर हम आदित्य-एल1 से सूर्य की तरफ जा रहे हैं। हॉलीवुड फिल्मों से भी कम बजट में ये काम हमारे वैज्ञानिकों ने किए हैं। 2014 में हमारी अर्थव्यवस्था 10वें स्थान पर थी। अब 9 साल बाद भारत अर्थव्यवस्था में 5वें स्थान पर आ गया है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था टॉप थ्री में होगी। जब हम लोगों की 2014 में सरकार बनी तब 18 हजार गांवों में बिजली नहीं थी। डेढ़ साल में हमारी सरकार ने बिजली पहुंचाने का काम किया है। जनधन खाते से पैसे सीधे अकाउंट में जाते हैं, जिससे भ्रष्टाचार के रास्ते बंद हो गए हैं।

राजनाथ ने जनआशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ किया, शिवराज को बताया राजनीति का धोनी

NEEMUCH: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को मध्य प्रदेश के एक दिवसीय प्रवास पर नीमच पहुंचे और यहां भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को राजनीति का धोनी बताया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राजनीति के धोनी शिवराज सिंह चौहान हैं, शुरूआत कैसी भी हों, लेकिन अच्छा फिनिश देकर वे मैदान जीतना जानते हैं। शिवराज ने लोगों की सेवा की है, इसलिए उन्हें जनता का विश्वास प्राप्त होता है। ऐसी मान्यता है कि मालवा खुशहाल होता है तो पूरा प्रदेश खुशहाल होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी समझ गए है कि अकेले भाजपा को हरा नहीं सकते इसलिए उन्होंने कई पार्टियों को मिलकर एक कुनबा बना लिया है और उसका नाम रख दिया इंडिया। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज भारत चांद पर पहुंच गया है, मंगल ग्रह की यात्रा कर रहा है, हम सूर्य के नजदीक पहुंच रहे हैं। आज सारे विश्व में इसकी सराहना हो रही है, लेकिन कांग्रेस का ह्यराहुल यानह्ल 20 सालों से आज तक लॉन्च ही नहीं हो पाया। ये लोग सनातन को समाप्त करने की बात कर रहे हैं। हमारे यहां सर्प को भी दूध पिलाकर उसके त्रिजीवी होने की कामना करते हैं। सनातन में धर्म-जाति के नाम पर कोई भेदभाव नहीं है, लेकिन कांग्रेस के एक घटक के नेता ने सनातन के खिलाफ जो टिप्पणी की है क्या कांग्रेस को ऐसे घटक से अलग नहीं हो जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि कांग्रेस हर चुनाव में गरीबी हटाओ का नारा देती रही, लेकिन गरीब गरीब रहता चला गया। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ रहा है, इसमें मध्य प्रदेश का भी बहुत बड़ा योगदान है। 2003 से पहले मध्य प्रदेश की जीडीपी 71 हजार 594 करोड़ थी, जो आज 13 लाख 82 हजार करोड़ हो गई है। देश की अर्थव्यवस्था में मध्य प्रदेश का योगदान लगभग 3 प्रतिशत था, जो आज बढ़कर 4.8 प्रतिशत हुआ है। भारत पहले दुनिया की अर्थव्यवस्था के आकार में 10 नंबर पर था, वो भारत आज 5वें स्थान पर आ गया है, मोदी जी के नेतृत्व में ये करिश्मा हुआ है।

कांग्रेस की मति मारी गई है: शिवराज

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि कांग्रेस की मति मारी गई है। उन्होंने एक संगठन बनाया है। कहीं का ईंट कहीं का रोड़ा, भानुमति ने कुनबा जोड़ा। एकत्रित हो गए मुंबई में... उनके घटक दल कह रहे हैं सनातन धर्म... मच्छर, डेंगू, मलेरिया, कोराना है। इसे खत्म कर देना चाहिए। के. वेणुगोपाल कहते हैं, अभिव्यक्ति की आजादी... ये हिंदुत्व का अपमान कर रहे हैं। हमारी संस्कृति का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में कई लोग आए मैडम सोनिया, न तो वे सनातन को खत्म कर पाए और न ही हिंदुत्व को।

HC का निर्देश, सभी CIVIL COURT में आरोपियों की पेशी दोपहर दो बजे तक कराएं

जमशेदपुर में पेशकार पर हुए जानलेवा हमले मामले में स्वतः संज्ञान पर हुई सुनवाई

SPECIAL REPORTER RANCHI : जमशेदपुर व्यवहार न्यायालय के अपर जिला व सत्र न्यायाधीश संजय कुमार उपाध्याय के न्यायालय के पेशकार राकेश कुमार पर हुए जानलेवा हमला मामले में हाईकोर्ट के स्वतः संज्ञान सहित कई जनहित याचिकाओं की सुनवाई सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट में हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश के आलोक में जमशेदपुर डीसी एवं एसएसपी वर्चुअल रूप से कोर्ट के समक्ष उपस्थित हुए। उनके द्वारा कोर्ट को बताया गया कि घायल पेशकार की स्थिति खतरे से बाहर है। वही कोर्ट ने रजिस्टार जनरल को निर्देश दिया कि राज्य के सभी सिविल कोर्ट में यह सुनिश्चित किया जाए कि गिरफ्तारी के बाद कोर्ट में आरोपियों की पेशी (प्रोडक्शन) दोपहर 2:00 बजे किया जाए। इससे पहले कोर्ट को बताया गया कि एक रिपोर्ट आई है जिसमें बताया गया है कि जमशेदपुर में आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद कोर्ट में प्रोडक्शन शाम 6:30 बजे होता है, जिससे कई असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। इस पर हाईकोर्ट ने सभी सिविल कोर्ट में आरोपियों के कोर्ट में पेश करने का समय 2:00 बजे निर्धारित करते हुए मामले की सुनवाई 11 सितंबर निर्धारित की। कोर्ट ने कहा कि सोमवार को हाईकोर्ट के दो सीनियर जज, गृह सचिव ,डीजीपी के बीच हाई लेवल रिव्यू कमेटी की बैठक होगी। इसमें राज्य के सभी कोर्ट की सुरक्षा को लेकर बातचीत होगी।मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई।

विधायक भूषण बारा के खिलाफ सिमडेगा के महिला थाना में दर्ज केस को HIGH COURT ने किया निरस्त

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने सिमडेगा विधायक भूषण बारा एवं अन्य को एक मामले में राहत प्रदान की है। कोर्ट ने सिमडेगा विधायक भूषण बारा एवं अन्य द्वारा दाखिल क्रिमिनल रिवीजन को स्वीकृत कर लिया है।हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सुभाष चांद की अदालत ने सिमडेगा महिला थाना में वर्ष 2019 में विधायक भूषण बारा एवं अन्य के खिलाफ दर्ज केस को निरस्त कर दिया। पूर्व में मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सिमडेगा की अदालत में इससे संबंधित चल रही कार्यवाही (ट्रायल) पर रोक लगाई थी। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शैलेश कुमार सिंह ने पैरवी की। दरअसल, महिला ने वर्ष 2019 में सिमडेगा महिला थाना में भूषण बारा एवं अन्य के खिलाफ कांड संख्या 19 /2019 भी दर्ज कराई थी। मामले में पहले पुलिस ने भूषण बारा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी, बाद में उस चार्जशीट को वापस लेते हुए पूरक चार्जशीट दायर करते हुए कहा था कि घटना के समय भूषण बारा वहां नहीं थे, उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 506 के तहत मामला बनता है। सिमडेगा की अदालत ने इस मामले में भूषण के डिस्चार्ज पिटिशन को खारिज कर दिया था, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। गौरतलब है कि एक महिला ने विधायक भूषण समेत 4 लोगों के खिलाफ सिमडेगा की निचली अदालत में वर्ष 2018 में कंप्लेन केस किया था। कंप्लेन केस में जिस दिन की घटना का जिक्र किया गया था , उसी घटना को लेकर फिर से महिला ने वर्ष 2019 में सिमडेगा महिला थाना में कांड संख्या 19 /2019 भी दर्ज कराई थी।

HC का आदेश- सुनवाई के संबंध में मीडिया को गैर जिम्मेदाराना बयान न दें ADVOCATE

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में फॉरेस्ट लैंड को रैयती लैंड बताकर बेचे जाने की जांच के लिए दाखिल जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई। इस दौरान हाई कोर्ट ने अधिवक्ता राजीव कुमार को निर्देश दिया है कि वे हाई कोर्ट में होने वाली सुनवाई के संबंध में मीडिया के समक्ष गैर जिम्मेदाराना बयान न दें हाई कोर्ट ने कहा है कि चाईबासा मनरेगा घोटाला से जुड़ी जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान हमने ईडी को जांच नहीं दी, फिर भी मीडिया में यह खबरें प्रकाशित हुई कि हाई कोर्ट ने ईडी को इस मामले की जांच का जिम्मा दिया है। कोर्ट ने कहा कि इसलिए अधिवक्ता इस बात का ध्यान रखें कि मीडिया के सामने लापरवाही वाला बयान नहीं देना चाहिए पिछले दिनों हाई कोर्ट में चाईबासा जिले में 28 करोड़ के मनरेगा घोटाला की जांच की मांग पर दायर याचिका पर सुनवाई हुई थी, जिसमें कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह मामले में दर्ज सभी प्राथमिकी की प्रति ईडी को दे। साथ ही कोर्ट ने ईडी को एक माह में इसकी जांच कर पूरी कार्रवाई की जानकारी देने को कहा है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी दोषी करार, एक को कोर्ट ने किया बरी

RANCHI : रांची सिविल कोर्ट ने नाबालिग युवती के साथ दुष्कर्म के आरोपी सुशांत कुमार उर्फ विपुल को दोषी करार दिया है। कोर्ट उसे 9 सितंबर को सजा सुनाएगी। वहीं अदालत ने इस केस के दूसरे अभियुक्त करण को साक्ष्य के अभाव में बरी करते हुए उसे सभी आरोपों से मुक्त कर दिया है। अपने आरोपों को साबित करने के लिए सूचक की ओर से 9 गवाहों के बयान दर्ज करवाए गए। वहीं बचाव पक्ष की ओर से 2 गवाह प्रस्तुत किए गए। दोषी करार दिए गए विपुल की ओर से अधिवक्ता बजरंग अग्रवाल ने बहस की। वहीं जिस आरोपी को अदालत ने बरी किया है, उसकी ओर से अधिवक्ता अमन कुमार राहुल ने बहस की। इस संबंध में युवती के परिजन ने लोअर बाजार थाना में 13 अगस्त 2020 को प्राथमिकी दर्ज करवाई थी, जिसकी कांड संख्या 137/2020 है।

BRIEF NEWS

झारखंड के 1500 हवलदारों को एएसआई रैंक में मिलेगी प्रोन्नति

RANCHI : 1500 हवलदारों को एएसआई रैंक में प्रोन्नति मिलेगी। इसे लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने तैयारी शुरू कर दी गई है। प्रोन्नति से पूर्व सभी 1500 हवलदारों का 12 सप्ताह का ट्रेनिंग का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर आईजी ट्रेनिंग की ओर से आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि हवलदार से एएसआई के पद पर प्रोन्नति के लिए 12 सप्ताह का ट्रेनिंग 11 सितंबर से शुरू हो रहा है। सभी जिले के एसपी,एसएसपी और इकाई प्रधान को निर्देश दिया जाता है कि हवलदारों को प्रशिक्षण संस्थान में 10 सितंबर को योगदान करना सुनिश्चित करें।

दो अपराधियों ने ग्राहक का एटीएम छीनकर 25 हजार निकाले

RANCHI : मांडर प्रखंड के बाजारटांड़ स्थित पीएनबी में पैसा निकाल रहे ग्राहक से दो अपराधी एटीएम छीनकर 25 हजार रुपये की निकासी कर ली। इसके अतिरिक्त एक दुकान से 25 हजार रुपये का इनवर्टर सेट भी खरीद लिया। घटना दो सितंबर को दिन के तीन बजे की है। इस मामले में पीड़ित तबरेज खान तरंगा गांव निवासी ने सोमवार को मांडर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बताया जाता है कि तबरेज एटीएम में कार्ड डाला था उसी समय पहले से घात लगाकर खड़े दोनों अपराधी उससे एटीएम छीनकर फरार हो गए। घटना के थोड़ी देर बाद कार्ड से अपराधियों ने पहले 10 हजार फिर 15 हजार रुपये की निकासी की। इसके बाद एक दुकान से 25 हजार रुपये का इनवर्टर सेट खरीदा। दुकान से खरीदारी की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

हादसे में घायल युवक की रिम्स में मौत

RANCHI : मांडर थाना क्षेत्र के ब्राम्बे चौक के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से रेयाजुल अंसारी (28वर्ष) की सोमवार की भोर में रिम्स में मौत हो गई। रियाजुल मुड़मा का निवासी था, वह अपने घर जाने के लिए रविवार की शाम सड़क के किनारे खड़ा था, उसी दौरान रांची की ओर से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया था। हादसे के बाद उसे रिम्स में भर्ती कराया गया था।

चान्हो में बालू लदा ट्रक जब्त

RANCHI : चान्हो प्रखंड के मदरसा चौक के पास सोमवार की सुबह पुलिस ने बालू लदा एक ट्रक जब्त किया है। थाना प्रभारी रंजय कुमार के अनुसार गश्ती के दौरान बालू लदे ट्रक को रोकने पर उसका चालक ट्रक खड़ा कर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार बालू लदे ट्रक की जब्ती से खनन विभाग को अवगत करा दिया गया है।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

पांडेय गिरोह के अपराधी को ATS ने किया गिरफ्तार, हथियार भी बरामद

CRIME REPORTER RANCHI : पांडेय गिरोह के अपराधी संजय साव को झारखंड एटीएस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार संजय साव हजारीबाग जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र के नापोखुर्द का रहने वाला है। एटीएस को सूचना मिली थी कि संजय साव चतरा जिले के धनगड्डा गांव में विक्की पासवान नाम के अपराधी के घर में छिपा हुआ है। जिसके बाद पूछताछ के लिए संजय को एटीएस की टीम द्वारा लाया गया। पूछताछ के दौरान इसकी निशानदेही पर बड़कागांव पुलिस के सहयोग से

गिरफ्तार अपराधी संजय साव।

नापोखुर्द टोला बरबनियां अवस्थित गैस प्लांट के समीप तालाब के किनारे गाड़ कर रखा पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किया है। इसके अलावा पांडेय गिरोह के कार्य के लिए प्रयोग में लाये जा रहे एक बोलेरो गाड़ी भी बरामद की गई है।

पांडेय गिरोह का है सक्रिय सदस्य

संजय साव वर्तमान में पांडेय गिरोह के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा था। गिरोह के सरगना ने काम के सिलसिले में उसे बोलेरो गाड़ी दे रखी थी। इसके बारे एटीएस और जानकारी हासिल कर रही है। संजय पूर्व में भी हत्या, रंगदारी और आर्म्स एक्ट के कई मामलों में आरोपी रह चुका है।

पिटाई से आहत होकर जहर खाने वाली छात्रा की मौत मामले में स्कूल की प्रिंसिपल और सचिव गिरफ्तार

CRIME REPORTER RANCHI : रांची पुलिस ने रातू इलाके में स्थित कृषक उच्च विद्यालय में पिटाई से आहत होकर जहर खाने वाली छात्रा की मौत मामले में पुलिस ने प्रधानाध्यापिका सीमा कुमारी और सचिव अशोक महतो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस दो अन्य आरोपी शिक्षक निरंजन महतो और शिक्षिका मलेशा स्वेता तिर्की को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है। ग्रामीण एसपी हारिस बिन जमां ने बताया कि घटना के अगले दिन से सभी आरोपियों की तलाश में पुलिस उनके घर में छापेमारी कर रही थी

गिरफ्तार आरोपियों के बारे में जानकारी देते पुलिस अधिकारी ● फोटोन न्यूज

लेकिन वह फरार मिल रहे थे। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि पकड़े गए दोनों आरोपी अपने रिश्तेदार के घर में हैं। पुलिस की टीम आरोपितों के रिश्तेदार के घर पहुंची और आरोपियों को पकड़ कर थाना ले आई। सभी आरोपियों के खिलाफ सुमन देवी ने रातू थाना में केस किया है। पुलिस का कहना है कि कई छात्र और छात्राएं 22 अगस्त को साईं मंदिर गए थे। अगले दिन स्कूल आने पर तीन छात्राओं को स्कूल परिसर में खड़ा कर आरोपी शिक्षकों ने उनके साथ मारपीट किया था। इस घटना के बाद एक छात्रा काफी परेशान हो गई और घर पहुंची तो उसने जहर खा लिया। इलाज के दौरान 28 अगस्त को छात्रा की रिम्स में मौत हो गई। छात्रा की मौत के बाद स्वजनों और ग्रामीणों ने थाना का घेराव करने के बाद सड़क जाम कर दिया था। पुलिस ने आश्वासन दिया था कि इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी होगी। इसके बाद लोग शांत हुए थे।

निर्वाचन से जुड़े कार्यों में लापरवाही बरतने वाले बीएलओ और सुपरवाइजर पर करें कार्रवाई : DC

PHOTON NEWS RANCHI : उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने वालें बीएलओ और सुपरवाइजर पर विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। साथ ही निर्वाचन कार्य में रुचि नही लेने वालें बीएलओ और सुपरवाइजर पर प्रपत्र-क गठित कर कार्रवाई की जायेगी। यह सुनिश्चित हो कि बीएलओ और सुपरवाइजर दिए गए निर्वाचन कार्य ससमय पूरा करें। उपायुक्त सोमवार को समाहरणालय भवन ब्लॉक-ए स्थित सभाकक्ष में निर्वाचन संबंधी समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। उपायुक्त ने निर्देश देते हुए कहा कि

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीसी राहुल कुमार सिन्हा ● फोटोन न्यूज

सभी संबंधित बीएलओ की ओर से घर-घर मतदाताओं का सत्यापन का कार्य 15 दिनों में पूरा करते हुए हाउस टू हाउस वेरिफिकेशन कार्य पूरा करें। उन्होंने नए मतदातों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए विशेष रूप से निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मतदान केंद्र में पांच सुविधाओं का होना अतिआवश्यक हैं। इनमें बिजली, पानी, फर्नीचर, रैंप (दिव्यांग/वरिष्ठ नागरिक के लिए) और शौचालय शामिल हैं। उपायुक्त ने सभी संबंधितअधिकारियों को सभी मतदान केंद्रों का भौतिक निरीक्षण करते हुए जर्जर मतदान केंद्रों एवं जिन पुराने मतदान केंद्रों में परिवर्तन स्थल की आवश्यकता हैं। उसकी सूची बना कर उसे दुरुस्त कराने के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देश दिया। उपायुक्त ने बूथ लेबल ऑफिसर एप को 15 दिनों में अपडेट करने के लिए सभी संबंधित अधिकारी को निर्देश दिया। साथ ही डाटा वेरिफिकेशन अपलोड करते हुए ऑनलाइन इंट्री बढ़ाने को कहा।

बुढ़मू में ट्रक ने साइकिल को मारी टक्कर, पति की मौत, पत्नी घायल

RANCHI : बुढ़मू थाना क्षेत्र के कजुआटांड़ में ईंट लदे ट्रक की टक्कर से मजदूरी करने जा रहे मजदूर की मौत हो गई और उसकी पत्नी घायल हो गई। घटना सोमवार की सुबह लगभग नौ बजे की है। मृतक देवनंदन महतो (30वर्ष) उलातू गांव का निवासी था। वह पत्नी के साथ साइकिल से दिहाड़ी मजदूरी करने जा रहा था। रास्ते में उलातू-सिरम मुख्य मार्ग पर अज्ञात ट्रक ने दंपति को अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना के बाद ग्रामीणों के सहयोग से 108 एंबुलेंस से दंपति को सीएचसी बुढ़मू लाया गया, जहां डॉक्टरों ने देवानंदन महतो को मृत घोषित कर दिया। वहीं पत्नी गीता देवी को प्राथमिक उपचार किया गया, उसे हल्की चोट लगी थी। बुढ़मू पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

पत्थर खदान से 9वीं कक्षा के छात्र का शव बरामद

CRIME REPORTER RANCHI : कांके थाना क्षेत्र के मनातू में सेंट्रल यूनिवर्सिटी के पास पत्थर खदान से आज सोमवार को एनडीआरएफ की टीम ने छात्र का शव बरामद कर लिया है। रविवार को पत्थर खदान में नहाने के दौरान मोंटफोर्ट स्कूल के नौवीं कक्षा का छात्र आकाश तिर्की उर्फ चिंटू डूब गया था। जबकि उसके दो साथी बच गये थे। ग्रामीणों ने देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, लेकिन आकाश का पता नहीं चल सका। सोमवार को एनडीआरएफ की टीम आयी और राहत-बचाव कार्य कर शव को पानी से बाहर निकाला। मूलरूप से लोहरदगा के कुडू का आकाश कांके की जयपुर पंचायत के कोंगे गांव में रहता था। उसके पिता राजकुमार तिर्की सेना में जवान हैं। जानकारी के अनुसार, आकाश अपने दो दोस्तों अर्पण मिंज और वैभव टोप्पो के साथ स्कूटी से गांधीनगर में ट्यूशन जाने की बात कह घर से निकला था। शाम पांच बजे तीनों खदान में नहाने चले गये। नहाने के क्रम में तीनों डूबने लगे। किसी तरह अर्पण और वैभव बच निक। लेकिन आकाश गहरे पानी में डूब गया। अर्पण और वैभव ने परिजनों और ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। इसके बाद परिजन और ग्रामीण पहुंचे।

आज डुमरी में होने वाले मतदान में हर काम छोड़कर वोट डालने की अपील

उपचुनाव में निडर होकर करें मतदान : के रवि कुमार

PHOTON NEWS RANCHI : डुमरी विधानसभा उपचुनाव मंगलवार को है। इसे लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने सोमवार को मतदाताओं से अपील की है कि वे निर्भीक होकर और हर काम छोड़कर मतदान करने अवश्य जाएं। उन्होंने निजी नियोक्ताओं से भी अपील करते हुए कहा है कि मतदान ही हमारे लोकतंत्र का आधार है। ऐसे में अपने शत-प्रतिशत कर्मियों को मतदान के लिए प्रेरित करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के मुताबिक गिरिडीह जिले की डुमरी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर जिला प्रशासन

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार।

अलर्ट है। जिला स्तर और राज्य स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। मंगलवार सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक वोट डाले जाएंगे। इस विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 98 हजार से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं। सभी वोटर अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के मुताबिक डुमरी में मतदान केंद्रों पर दृष्टिबाधित मतदाताओं की सुविधा के लिए ब्रेल लिपि में डमी बैलेट पेपर की विशेष व्यवस्था करवाई गई है। इसके अलावा पैर से दिव्यांग मतदाताओं के लिए पर्याप्त संख्या में व्हीलचेयर की व्यवस्था भी जिला प्रशासन ने करवाई है। सभी पोलिंग बूथों पर वेब कास्टिंग होगी। उपचुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो, इसे लेकर सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट भी सक्रिय होकर काम कर रहे हैं। संवदेनशील मतदान केंद्रों पर माइक्रो ऑब्जर्वर की प्रतिनियुक्ति कराई गई है। 80 साल से अधिक उम्र और शारीरिक रूप से निःशक्त मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र से मतदान की व्यवस्था कराई गई है।

पर्याप्त संख्या में तैनात रहेंगे सुरक्षा बल

डुमरी विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 2,98,629 है, जिसमें पुरुष मतदाता 1,54,452 एवं महिला मतदाता 1,44,174 है। डुमरी विधानसभा क्षेत्र में बोकारो जिला अंतर्गत मतदाताओं की संख्या 1,39,031 है, जिसमें पुरूष मतदाता 71,612 एवं महिला मतदाता 67,419 है। जिला प्रशासन ने शांतिपूर्ण माहौल में निर्वाचन संपन्न कराने के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की है। एसपी प्रियदर्शी आलोक ने बताया कि सीआरपीएफ, झारखंड आर्म्स पुलिस की ईको कंपनी, होमगार्ड, जिला आर्म्स पुलिस फोर्स, झारखंड जगुआर फोर्स को तैनात किया जाएगा। मतदान कर्मियों की सहूलियत के लिए जिले में कुल 21 क्लस्टर बनाया गया है, जिसमें नावाडीह प्रखंड क्षेत्र में 17 और चंद्रपुरा प्रखंड क्षेत्र में चार शामिल हैं। बोकारो जिला अंतर्गत 174 मतदान केंद्रों के लिए कुल 174 मतदान दल गठित किया गया है। इसके अतिरिक्त 10 फीसदी मतदान कर्मियों को रिजर्व रखा गया है।

राज्य के कई हिस्सों में हुई झमाझम बारिश मौसम विभाग ने जारी किया यलो अलर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो रहा है। 4 सितंबर से लेकर 7 सितंबर तक राज्य के कई स्थानों में गर्जन के साथ हल्के बारिश की संभावना जाहिर की गयी है। इसे लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार आसमान में बादल छाए रहेंगे। राजधानी रांची में भी सोमवार को दोपहर तेज बारिश हुई थी। आज भी आसमान में बादल छाए रहेंगे साथ ही हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश की भी संभावना जाहिर की गयी है। मौसम विभाग ने सुबह आठ बजे बोकारो, देवघर, धनबाद और गिरिडीह जिले के कुछ हिस्सों में एक से तीन घंटे के अंदर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना है। इसे लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। इसी तरह की संभावना हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़ और रांची जिले को भी जाहिर की गयी है। मौसम विभाग ने बदलते मौसम के इस मिजाज को देखते हुए राज्य के कई हिस्सों में येलो अलर्ट जारी किया है। लोगों से आग्रह किया है कि वह सावधान रहे और वज्रपात से बचने के लिए सुरक्षित स्थान पर रहें। पेड़ और बिजली के खंभों से दूर रहे। किसानों के लिए कहा गया है कि मौसम सामान्य होने तक खेतों में जानें से बचें। पिछले 24 घंटे में कुछ स्थानों पर मध्यम से हल्के दर्जे की बारिश दर्ज की गयी है। राज्य में मानसून की गतिविधि सामान्य हो रही है। राज्य में सबसे अधिक वर्षा 41.0 एमएम मंझारी (पश्चिमी सिंहभूम) में दर्ज की गयी है। राज्य में सबसे अधिक तापमान गोड्डा का दर्ज किया गया जहां 37.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है। सबसे कम तापमान चाईबासा का दर्ज किया गया जहां 23.2 डिग्री सेल्सियस था। झारखंड में इस बार मानसून के कमजोर होने पर खेती पर खासा असर पड़ा है। किसानों का कहना है कि बारिश कम होने की वजह से इस बार खेती बेहतर तरीके से नहीं हुई है।

BRIEF NEWS

स्वर्ण पदक के साथ कराटे चैंपियनशिप में खूंटी जिला ओवरऑल चैंपियन

KHUNTI: स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन ऑफ झारखंड के तत्वावधान में एक से तीन सितंबर तक दुमका में आयोजित झारखंड स्टेट सब जूनियर, कैडेट और जूनियर कराटे चैंपियनशिप में खूंटी जिले के कराटे खिलाड़ियों कमाल किया है। खिलाड़ियों ने अपने पुराने प्रदर्शन को दोहराते हुए एक बार फिर 29 स्वर्ण, 12 रजत और 30 कांस्य पदक सहित कुल 71 पदक जीत कर ओवर ऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। एसेसिएशन के अध्यक्ष हेजाज अशदक ने सोमवार को विज्ञप्ति जारी कर बताया कि खूंटी के प्रतिभावान खिलाड़ी निखिल सिंह, चंदन नाग तथा आर्यन प्रमाणिक ने एकल काता, एकल कुमिते तथा टीम काता प्रतिस्पर्धा के तीनों पदक अपने नाम किये, जबकि नीतेश कुमार, रोहित सिन्हा तथा जितेश मुंडा एकल काता तथा एकल कुमिते में दोहरा पदक जीतने में कामयाब रहे। अन्य स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों में सुखराम नाग, एडविन टोपनो, समीर भेंगरा, संजीव सांगा, अभिषेक सुरीन, अनंत हस्सा, स्नेहा बारला, एरिसल होरो, करण यादव, सुभाष कुमार तथा मुचिराय मुंडा, इशिता टोपनो, आदर्श वरुण तथा अनुपम टोपनो शामिल हैं। जिले के कराटे खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर खूंटी जिला स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष हेजाज असदक, महासचिव हरीश कुमार, वरीय उपाध्यक्ष अश्विनी मिश्रा, उपाध्यक्ष सचिन कुमार, शादाब खान, टीम कोच शीतल टोपनो, बालाजी होरो, प्रशिक्षक संतोष गोस्वामी, मुकेश बोदरा सहित कई खेल प्रेमियों ने बधाई दी है।

एटक से जुड़े मजदूरों ने माइंसी में उत्पादन व डिस्पैच किया ठप

DHANBAD: एटक से जुड़े मजदूरों ने 65 सूत्री मांगों को लेकर सोमवार 4 सितंबर को ब्लॉक दो क्षेत्र के ए बी ओ सी पी माइंस का उत्पादन एवं डिस्पैच ठप कर दिया। इस मौके पर नेतृत्वकर्ता एबीओसीपी एटक के शाखा सचिव मुरारी पांडेय ने कहा कि मजदूरों की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन प्रबंधन को दिया गया था। परंतु प्रबंधन अब तक क्रियान्वयन नहीं किया। इसीलिए श्रमिकों एवं संघ के प्रतिनिधियों में भारी आक्रोश है। संघ ने बाध्य होकर 4 सितंबर को एबीओसीपी माइंस का उत्पादन वडिस्पैच बाधित कर रखा है। मजदूरों के इस आंदोलन के कारण दिन 2 बजे तक ए बी ओ सी पी माइंस में उत्पादन, संप्रेशन, ट्रांसपोर्टिंग आदि तमाम कार्य ठप रहे। इसी बीच प्रबंधन के आग्रह पर परियोजना पदाधिकारी के के सिंह के साथ वार्ता हुई। प्रबंधन ने 15 दिनों का समय मांगा। इसके बाद कार्य शुरू हुआ। मौके पर एटक के तुलसी साव, अरशद हुसैन, मुरारी पांडे, भरत महतो, संतोष, विरेन्द्र बेलदार, सुरेश चौहान आदि मौजूद थे।

राजद महामंत्री तारापोदो धीवर ने की मां मनसा की पूजा-अर्चना

DHANBAD: निरसा क्षेत्र में विभिन्न जगहों पर सोमवार 4 सितंबर को मां मनसा देवी की पूजा-अर्चना धूमधाम के साथ की गई। सुबह से ही भक्त स्थानीय तालाब में स्नान करने जुटे व उपवास रख कर माता की पूजा अर्चना की। रात्रि में बलि देने की प्रथा है। गोपालगंज निवासी राजद महामंत्री सह राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ के उपाध्यक्ष तारापोदो धीवर ने भी प्रतिमा स्थापित कर मां मनसा की पूजा अर्चना की। बताया कि यह पर्व झारखंड, बिहार व बंगाल के मुख्य त्योहारों में एक है। सभी इस पर्व को बहुत ही आस्था पूर्वक मनाते हैं। मां मनसा सभी की मनोकामनाएं पूरी करे। पूजा अर्चना में तारापोदो धीवर सहित महिलाएं व ग्रामीण बच्चे भी शामिल थे।

संगठित गिरोह पर गिरेगी गाज, तीन अपराधी दूसरे जेल में होंगे शिफ्ट

अमन साहू गिरोह से ताल्लुकात रखने वाले अपराधियों को भी तड़ीपार करने की तैयारी

- आईजी कारा महानिरीक्षक को लिखा गया पत्र
- पतरातू अनुमंडल में अपराधियों के कब्जे में 150 क्वार्टर चिन्हित
- सजा दिलाने के लिए कोर्ट के साथ बनाया गया समन्वय

PHOTON NEWS RAMGARH: संगठित अपराध के खिलाफ रामगढ़ पुलिस की कार्रवाई वज्रपात की तरह गिरेगी। जिले में श्रीवास्तव गिरोह , पांडे गिरोह, अमन साहू गिरोह व अन्य गिरोह से ताल्लुकात रखने वाले अपराधियों को तड़ीपार करने की तैयारी कर ली गई है। इस अभियान की समीक्षा बैठक करते हुए सोमवार को एसपी पीयूष पांडे ने बताया कि श्रीवास्तव गिरोह के तीन अपराधियों को दूसरे जेल में शिफ्ट करने की तैयारी लगभग पूरी हो गई है। उन्होंने बताया कि भारत पांडे, छुंकू और शिव शर्मा रामगढ़ जेल में बंद है। उनके द्वारा वहां मोबाइल का इस्तेमाल किया जा रहा था। पुलिस को जैसे ही इसकी सूचना मिली, पुलिस ने जेल में छापेमारी की। हालांकि उस दौरान मोबाइल तो बरामद नहीं हुआ। लेकिन सर्विलेंस से प्राप्त हुए चार मोबाइल नंबर को तत्काल ब्लॉक कर दिया गया।

एसपी ने बताया कि इस मामले में आईजी कारा महानिरीक्षक को एक पत्र भी लिखा जा चुका है। जिसमें उन तीनों अपराधियों को रामगढ़ जेल से हटाकर दूसरे जिले के जेल में शिफ्ट करने का

एसपी पीयूष पांडे की फाइल फोटो।

आग्रह किया गया है। यह प्रक्रिया जल्द ही पूरी हो जाएगी। रामगढ़ पुलिस की इस कार्रवाई के बाद अपराधियों की कमर टूट जाएगी। रामगढ़ जेल में अक्सर मुलाकाती के नाम पर गिरोह के सदस्य भी पहुंचते हैं। दूसरे जिले के जेल में उनका यह तार आसानी से जुड़ना मुश्किल है।

एसपी पीयूष पांडे ने बताया कि संगठित अपराध को जड़ से खत्म करने के लिए अपराधियों के उन अड्डों को भी निशाना बनाया गया है, जहां वे छुप कर रहते हैं। पतरातू अनुमंडल क्षेत्र में विभिन्न कंपनियों के कई सरकारी क्वार्टर मौजूद हैं। उन क्वार्टर में अपराधी अवैध तरीके से कब्जा कर अपना अड्डा बन चुके हैं। पुलिस ने ऐसे 150 क्वार्टरों को चिन्हित कर लिया है। उन क्वार्टरों को तत्काल खड़ी करने के लिए विभिन्न कंपनियों के संपदा पदाधिकारी को पत्र भी लिखा जा चुका है। वह सारे क्वार्टर जल्द ही खाली हो जाएंगे।

एसपी ने अपराधियों को सजा दिलाने के लिए कोर्ट के साथ संपर्क स्थापित किया गया है। कई अपराधियों को सजा दिलाने के लिए पुलिस ने मॉनिटरिंग कमेटी भी बनाई है। अपराधियों के रिकार्ड्स के आधार पर सजा दिलाने का काम किया जाना है। इसमें कई अपराधी ऐसे भी हैं जिनके बेल रद्द करने के लिए पुलिस ने कोर्ट से अपील की है। एसपी ने बताया कि अपराधियों के पिछले 10 वर्षों की गतिविधियों पर भी नजर बनाई गई है। यहां कौन अपराधी जेल से बाहर है और उसकी गतिविधि क्या है ?कौन जमानत पर निकालकर अपराध की दुनिया में कदम रख चुका है, पुलिस को उसकी भी जानकारी है । संगठित अपराध को खत्म करने के लिए पुलिस ने पतरातू सीडीपीओ के नेतृत्व में एक कमेटी भी बनाई है, जो लगातार इस पर कम कर रही है।

उत्तर प्रदेश की घटना के विरोध में अधिवक्ताओं ने काली पट्टी बांधकर किया न्यायिक कार्य

काली पट्टी बांधकर विरोध जताते अधिवक्ता।

PHOTON NEWS PALAMU: उत्तर प्रदेश के वकीलों के साथ पुलिस द्वारा की गई हिंसा के खिलाफ पलामू जिले के अधिवक्ता भी बांह पर काली पट्टी बांधकर न्यायिक काम में हिस्सा लिया। विदित हो कि झारखंड स्टेट बार काउंसिल द्वारा जिला बार एसोसिएशन को यह निर्देश दिया गया था कि चार सितंबर सोमवार को अधिवक्ता बांह पर काली पट्टी बांधकर अदालती काम करेंगे। इसका पलामू जिला में भी व्यापक असर देखा गया। जिले के अधिवक्ताओं ने काली पट्टी बांह में बांधकर न्यायिक कार्य में हिस्सा लिया व चट्टानी एकता का परिचय दिया। अधिवक्ताओं ने सुरक्षा के लिए कानून बनाने और लागू करने की मांग भी की है, ताकि आने वाले दिनों में अधिवक्ताओं पर हो रहे हमले को रोका जा सके। अधिवक्ता संघ के महासचिव सुबोध कुमार सिन्हा ने कहा कि अधिवक्ताओं पर हो रहे हमले को देखते हुए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट शीघ्र लागू करने से सम्बंधित ज्ञापन केंद व राज्य सरकार को प्रेषित किया गया है। उन्होंने कहा कि जिले के अधिवक्ताओं ने स्टेट बार काउंसिल के निर्णय का शत प्रतिशत पालन कर यह साबित कर दिया है कि जिले के अधिवक्ता एक हैं।

झरिया-सिंदरी मार्ग पर पुलिया का हिस्सा ढ़हा

आवागमन में लोगों को हो रही परेशानी, प्रशासन व जनप्रतिनिधि बेफिक्र

PHOTON NEWS DHANBAD: झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग पर 4 सितंबर सोमवार को गोशाला ओपी के समीप लगभग डेढ़ महीने से जर्जर पुलिया का एक हिस्सा भारी बारिश के कारण ढह गया। अब लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में राहगीर सिनोद महतो ने शुभम संदेश से बात करते हुए कहा कि लगभग डेढ़ माह से पुलिया जर्जर अवस्था में थी। परंतु इसकी मरम्मत के लिए न तो जिला प्रसासन ने कोई कदम उठाया और न ही जनप्रतिनिधियों ने सुध ली। सोमवार 4 सितंबर को भारी बारिश के कारण पुलिया का एक

जर्जर पुलिया का ढहा हिस्सा दिखाते स्थानीय लोग।

हिस्सा ढह गया। गनीमत रही कि कोई हादसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि फिलहाल झरिया सिंदरी मुख्य मार्ग पर आवागमन खतरे से खाली नहीं है। एक स्थानीय युवक ने कहा कि सिंदरी में एसीसी और हर्ल कंपनी होने के कारण झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग पर सुबह से रात तक बड़े वाहनों का आवागमन होता रहता है। बावजूद जर्जर पुलिया की मरम्मत पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की इस लापरवाही के कारण बड़ा हादसा भी हो सकता था। बता दें कि झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग की जर्जर सड़क व पुलिया के मजबूतीकरण का काम पथ निर्माण विभाग को करना है, जिसमें पाथरडीह से सिंदरी तक 13.71 किलोमीटर सड़क भी शामिल है। विगत 24 अगस्त को झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह व सिंदरी विधायक इन्द्रजीत महतो की पत्नी तारा देवी ने शिलान्यास भी कर दिया गया है। फिलहाल मरम्मत का काम जारी है।

खूंटी में हुई जोरदार बारिश, किसानों के चेहरे खिले

PHOTON NEWS KHUNTI: पिछले आठ दस दिनों की उमस भरी गर्मी और कड़ी धूप ने जहां किसानों के चेहरे पर सिकन ला दी थी, वहीं सितंबर महीना शुरू होते ही जोरदार मानसूनी बारिश ने एक बार फिर किसानों के चेहरे पर मुस्कान ला दी है। सितंबर महीने की दो तारीख को खूंटी जिले में 20 मिलीमीटर और तीन सितंबर को 26.5 मिमी बारिश हुई। चार सितंबर को लगभग 15 मिली मीटर बारिश होने की उम्मीद कृषि मौसम वैज्ञानिकों ने जताई है। तीन दिनों की बारिश ने खेतों में सूख रहे बिचड़ों में जान ला दी है।

किसान बताते हैं कि यह बारिश धान के अलावा सब्जी, मडुआ, उड़द सहित अन्य फसलों के लिए

अमृत के समान है। आषाढ़ और दो महीने के सावन में भी भरपूर बारिश नहीं होने के कारण खेतों में बिचड़े सूख रहे थे और किसानों के चेहरे भी मुरझाने लगे थे, लेकिन पिछले तीन दिनों में हुई जोरदार बारिश से किसानों की बांछे खिल गई हैं। किसानों को उम्मीद है कि अब धान के साथ ही अन्य फसलों का उत्पादन बारिश के कारण प्रभावित नहीं होगा।

जिले में 90 फीसदी हुई बारिश

आत्मा के उप परियोजना निदेश अमरेश कुमार ने बताया कि खूंटी जिले में जून महीने में 133.67 मिली मीटर बारिश हुई, जबकि सामान्य वर्षापात 192.17 है। जुलाई महीने में जिले में 334 मिमी के विरुद्ध 109.38 मिमी बारिश दर्ज की गई है। अगस्त महीने में 342 मिलीमीटर सामान्य वर्षापात की तुलना में 309.30 मिली मीटर बारिश हुई। । आत्मा के उप परियोजना निदेशक के अनुसार खूंटी जिले में 65 हजार हेक्टेयर खेत में धान की बुआई का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि हाईब्रीड धान की रोपाई 15400 हेक्टेयर और छिंटा विधि से 29600 हेक्टेयर क्षेत्रफल में धान लगाने का लक्ष्य निर्धारित है। उप निदेश ने किसानों को सलाह दी है कि वे वैज्ञानिक तरीके से खेती करें, ताकि अधिक उपज मिल सके।

धनबाद स्टेशन के ब्रिज से छलांग लगाने वाला युवक SNMMCH से फरार

आरपीएफ-जीआरपी के पदाधिकारी व जवान कर रहे जख्मी की तलाश

PHOTON NEWS DHANBAD: धनबाद स्टेशन के ब्रिज से छलांग लगाने वाला युवक सरायढेला स्थित एसएनएमएमसीएच से फरार हो गया। सूत्रों के अनुसार आरपीएफ-जीआरपी के पदाधिकारी व जवान जख्मी युवक की तलाश कर रहे हैं। जख्मी आकाश कुमार का पता नहीं मालूम होने की वजह से रेल पुलिसकर्मियों को काफी परेशानी हो रही है। आरपीएफ पोस्ट के इंस्पेक्टर पंकज कुमार कहते हैं कि उसकी बातचीत से लग रहा था कि

छलांग लगाने के बद गिरे युवक की फाइल फोटो।

वह विक्षिप्त है। इसलिए मौका पाकर फरार हो गया। हालांकि अस्पताल में जवान की ड्यूटी नहीं होने की वजह से वह भाग निकला। सुरक्षा गार्ड व होमगार्ड जवान भी ड्यूटी में रहते हैं, लेकिन वह भी रोक नहीं सके। रेल थाना पुलिस ने युवक के छलांग लगाने का मामला भी दर्ज नहीं किया है। विदित हो कि रविवार 3 सितंबर को दिन के दो बजे धनबाद स्टेशन के ब्रिज से युवक ने छलांग लगाई थी। वह सीधे ट्रेन की छत पर गिरा और हाईटेंशन 25 हजार वोल्ट करंट की चपेट में आकर झुलस गया। उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। आरपीएफ-जीआरपी के जवानों ने उसे उतार कर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन रात में इलाज के दौरान वह भाग निकला।

अधिवक्ताओं ने काला बिल्ला लगाकर किया काम

BOKARO: बोकारो जिला अधिवक्ता संघ की ओर से 4 सितंबर को उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की गई। मौके पर अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि बीते दिनों उत्तर प्रदेश के हापुड़ में अधिवक्ताओं पर पुलिस ने बर्बरतापूर्ण लाठी चार्ज किया है। यह निंदनीय घटना है। ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जरुरी है कि सरकार तत्काल एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करे। दूसरी ओर इस घटना के विरोध में अधिवक्ताओं ने काला बिल्ला (रीबन) लगाकर न्यायिक कार्य किया।

बोकारो में 14 लाख नकदी समेत एटीएम मशीन ले उड़े चोर

BOKARO: कसमार थाना क्षेत्र के कमलापुर स्थित बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम का शटर काटकर सोमवार सुबह चोरों ने चोरी की। चोर एटीएम मशीन सहित 14 लाख रुपये लेकर फरार हो गए। बताया जाता है कि एटीएम में शनिवार को ही एजेंसी की ओर से 14 लख रुपये डाले गए थे। सुबह जब लोग पैसे निकालने मौके पर पहुंचे तो एटीएम शटर कटा हुआ था और एटीएम मशीन नहीं थी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के जरिए मामले की छानबीन में जुट गई है।

डायन हत्या मामले में पीड़ित परिवार की मदद को पहुंची झालसा

बोकारो की घटना, रांची से जांच के लिए भेजी गई टीम

PHOTON NEWS BOKARO: जिले के जरीडीह थाना क्षेत्र के बनचास टोला पोखरघुटू में डायन का आरोप लगाकर वृद्ध आदिवासी महिला फूलमनी देवी की गोतिया के लोगों ने हत्या कर दी थी। इस मामले को झालसा रांची ने स्वतः संज्ञान लिया है। इसी को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव निभा रंजना लकड़ा के निर्देश पर 4 सितंबर को पीएलवी निलु कुमारी प्रियदर्शी पीड़ित परिवार को मदद देने उनके घर पहुंची। मौके पर पीएलवी ने परिजनों से घटना के संबंध में पूछताछ की। पीएलवी परिवारिक लाभ व मृत्यु प्रमाण झ पत्र का आवेदन लेकर प्रखंड कार्यालय पहुंची और संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन सौपा। पीएलवी ने अधिकारियों से आग्रह

पीड़ित परिवार को पत्र सौंपती पीएलवी प्रतिनिधी।

किया कि पीड़ित परिवार को अनुकंपा संबंधी लाभ और वृद्धा की मौत संबंधी दस्तावेज जल्द उपलब्ध कराएं। दूसरी ओर पीएलवी ने पीड़ित परिजन किशुन किस्कु को साथ लेकर जरीडीह थाना पहुंची और घटना से संबंधित एफआईआर की कॉपी दिलाई। पीएलवी ने पीड़ित पक्ष को जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से निःशुल्क कानूनी सहायता दिलाने की बातें कही। मालूम हो कि गत दिनों डायन के आरोप में फूलमनी देवी की गोतिया के लोगों ने ईट-पत्थर से कूंच कर हत्या कर दी थी।

धनबाद शहर के कई क्षेत्रों में जलजमाव से लोग परेशान, घरों में भी घुस रहा पानी

बारिश होते ही फिर खुली नगर निगम की पोल

PHOTON NEWS DHANBAD: उमस भरी गर्मी झेल रहे धनबाद वासियों को 15 दिन बाद सोमवार को बारिश ने कुछ राहत तो दी, मगर जलजमाव से कई क्षेत्रों के लोग परेशान रहे। सड़कों से लेकर गली मोहल्लों तक जलजमाव से लोगों को परेशानी हो रही है। सरकारी कार्यालयों तक में पानी की निकासी की सुविधा नदारद है। बीएसएनएल कार्यालय के सामने नाली में कचरा भरे होने की वजह से मुख्य सड़क पर पानी का जमाव हो गया। बाबूडीह मुख्य सड़क पर कई जगह जलजमाव हो गया है तो वहीं राज कॉलोनी जिसका नामकरण धनबाद विधायक के नाम पर किया गया है, का हाल और बुरा है। पूरे रास्ते में पानी का जमाव इस कदर है कि आने जाने के लिए भीगना निश्चित है। शहर की कई कॉलोनी सूर्य विहार, चंद्र विहार, पंडित क्लिनिक रोड, भुदा रोड, ग्रेवाल कॉलोनी आदि में जलजमाव से बुरा हाल है। शहर के अगल बगल के क्षेत्र में भी यही हाल है। रानी बांध के पास एवं

धनबाद की सड़कों पर जल जमाव।

मेमको मोड़ सड़क पर ही जलजमाव से गाड़ी के पहिये डूब जा रहे हैं।

क्या हैं जलजमाव के कारण

पिछले एक दशक में धनबाद शहर की आबादी डेढ़ गुना बढ़ गई। आवासों की संख्या में भी 20-30 प्रतिशत का इजाफा हुआ, लेकिन शहर का ड्रेनेज सिस्टम जस-का तस है। नतीजतन हर साल बरसात में शहर के कई मुहल्ले डूबने लगते हैं। शहर में बढ़ती हुई आबादी, बेतरतीब ढंग से बन रहे अपार्टमेंट और मॉल ने धनबाद को भी पटना जैसे जलभराव की समस्या की ओर धकेल दिया। इस समस्या का समाधान नहीं खोजा गया। बारिश शुरू होते ही लोगों की परेशानी शुरू हो जाती है। कई मुहल्लों में जलजमाव के कारण घर के कमरे तक में पानी घुस जाता है।

निगम करता है हर माह लाखों खर्च

नगर निगम हर माह केवल नालियों की सफाई पर 22 लाख रुपये खर्च करता है, जिसमें सफाई कर्मियों का वेतन, डीजल, ट्रैक्टर और जेसीबी का मेंटनेंस भी शामिल है।

जल्द ही समस्या खत्म हो जाएगी : नगर आयुक्त

नगर आयुक्त सत्येंद्र कुमार ने कहा कि शहर में जलभराव की मुख्य वजह नालियों का अतिक्रमण है। निगम इस पर काम कर रहा है। सीवरेज-ड्रेनेज की योजना को अमली जामा पहनाया जा चुका है। इस कार्य के लिए झारखंड केबिनेट की पिछली बैठक में 854 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल गई गई है। टेंडर भी हो चुका है। आगामी 10 तारीख को टेंडर खुलने की तिथि तय है। इसके बाद काम शुरू हो जाएगा। आने वाले दिनों में जलजमाव की समस्या खत्म हो जाएगी।

मिशन इंद्रधनुष का दूसरा चरण 11 से 16 सितंबर तक

GIRIDIH: स्वास्थ्य विभाग के मिशन इंद्रधनुष 5 l0 के दूसरे चरण को लेकर गावां सीएचसी में 4 सितंबर सोमवार को समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए बीपीएम प्रमोद बर्णवाल ने बीटीटी, एएनएम व सहिया को जानकारी अभियान के बारे में जानकारी दी। कहा कि मिशन इंद्र धनुष का दूसरा चरण 11 से 16 सितंबर तक चलेगा। इस दौरान छूटे हुए बच्चों को आरआई टीके लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इंद्रधनुष का प्रत्येक चरण में 6 कार्य दिवसों होंगे। बैठक में बीटीटी राजदा खातून, उषा देवी, रेणु कुमारी, अभिलाषा कुमारी, किरण देवी, सम्मी कुमारी समेत कई सहिया व एएनएम उपस्थित थीं।

सदर अस्पताल के चिकित्सक निजी नर्सिंग होम में कर रहे ऑपरेशन, डीसी ने दिए जांच के आदेश

PHOTON NEWS RAMGARH: सदर अस्पताल में प्रतिस्थापित डॉक्टर राहुल बरेलिया के खिलाफ अपने निजी अस्पताल में सेवाएं देने का मामला सामने आया है। ऑथोर्पेडिक सर्जन डॉक्टर राहुल बरेलिया के खिलाफ डीसी चंदन कुमार ने जांच बैठा दी है। डीसी ने सिविल सर्जन को एक पत्र भी सोमवार को लिखा है जिसमें उन्होंने कहा है कि तत्काल डॉक्टर राहुल बरेली को नोटिस जारी किया जाए। डीसी ने बताया कि उन्हें यह सूचना दी गई है कि सदर अस्पताल में पदस्थापना के बाद डॉक्टर बरेलिया ने एक भी सर्जरी नहीं की, जबकि इस समय का उपयोग उन्होंने अपने निजी अस्पताल बरेलिया नर्सिंग होम को चमकाने में दिया है। पिछले 1 वर्षों के दौरान उन्होंने लगभग 188 ऑपरेशन अपने निजी नर्सिंग होम में किए हैं। डीसी चंदन कुमार ने बताया कि डॉक्टर राहुल बरेलिया की नियुक्ति आथोर्पेडिक विशेषज्ञ के रूप में की गई थी। वे सदर अस्पताल में सर्जरी ना करके अपने निजी अस्पताल बरेलिया नर्सिंग होम में ही सर्जरी करते हैं। आयुष्मान भारत आरोग्य योजना अन्तर्गत उपलब्ध आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि डॉ बरेलिया ने

अपने निजी अस्पताल में सितंबर 2022 से मई 2023 तक की अवधि में कुल 188 सर्जरी की हैं, जबकि इसी अंतराल में सदर अस्पताल में इनके द्वारा एक भी सर्जरी नहीं की गई है। ऐसे में संबंधित चिकित्सक से कारण प्राप्त करते हुए प्रतिवेदित करें कि डीएमएफटी मद के अन्तर्गत इस पद को चालू रखने की क्या कोई आवश्यकता बची है?

बरेलिया नर्सिंग होम की होगी पूरी जांच

डीसी ने सिविल सर्जन डॉ महालक्ष्मी प्रसाद को यह आदेश जारी किया है कि क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के अंतर्गत बरेलिया नर्सिंग होम की पूरी जांच हो। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि बरेलिया नर्सिंग होम में आयुष्मान भारत आरोग्य योजना अन्तर्गत सर्जरी के लिए लाभ प्राप्त यह 188 मरीज क्या सदर अस्पताल में चिकित्सा प्राप्त करने आये थे। डीसी के आदेश के बाद सिविल सर्जन इस बात का भी जांच करेंगी।

BRIEF NEWS

सूर्य मंदिर समिति ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर परिसर के पवित्र छठ घाट तालाब में स्विमिंग पूल और आध्यात्मिक स्थल शंख मैदान में बास्केट बॉल, वॉलीबॉल एवं कबड्डी कोर्ट निर्माण कार्य के विरोध में सूर्य मंदिर समिति ने सोमवार को उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। इस दौरान साकची स्थित नेताजी सुभाष मैदान (आम बागान) से रैली निकाली गई। रैली में धर्मरक्षक युवा एवं हजारों की संख्या में महिलाएं और साधु-संत शामिल हुए। इस दौरान मंदिर समिति के संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह, अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के संग तमाम पदाधिकारी, सदस्यगण एवं सनातन प्रेमियों ने नेताजी सुभाष मैदान से उपायुक्त कार्यालय तक पैदल मार्च कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नाम जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर सूर्य मंदिर समिति के संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह ने कहा कि विधायक सरयू राय अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। विधायक बनने के 4 साल बाद वे कौन सा कार्य किए हैं उसे जनता को बताएं। एक विधायक के रूप में उनकी कार्यशैली और रुचि विकास कार्यों को लेकर कभी नहीं दिखती है। मंदिर परिसर में विकास योजनाओं के नाम पर बने-बनाये स्थान को बिगाड़ना उनका प्रमुख उद्देश्य है।

ठेला संचालक से चाकू का भय दिखाकर 16 हजार रुपये की लूट

JAMSHEDPUR : साकची थाना अंतर्गत एमजीएम अस्पताल के पास नाश्ता करने के बाद दो युवकों ने नाश्ते का पैसा नहीं दिया। महिला दुकानदार द्वारा पैसे मांगने पर मारपीट करते हुए चाकू का भय दिखाकर 16 हजार रुपये लूट लिए। नाश्ते का ठेला लगाने वाली विभा कुमारी ने बताया कि वह डिमना बस्ती में रहती है और एमजीएम अस्पताल के बाहर नाश्ते का ठेला लगाती है। सोमवार शाम दो युवक आए और नाश्ता किया। नाश्ते का पैसा मांगने पर दोनों बहस करने लगे। इतने में ही पास ही जूस बेचने वाला उसका भाई आ गया। युवकों ने उसके साथ मारपीट की और चाकू का भय दिखाते हुए उसके पास से 16 हजार रुपये लूट लिए और फरार हो गए। पुलिस को इसकी सूचना दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

टाटा स्टील के 23445 कर्मचारियों को कुल 314.70 करोड़ रुपए का मिलेगा बोनस

अधिकतम 4,61,019 व न्यूनतम 42,561 रुपए का होगा भुगतान, 11 सितंबर को खाते में आ जाएगी राशि

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : टाटा स्टील में सोमवार को इस साल शहर का पहला बोनस समझौता हुआ। कर्मचारियों को इस साल अधिकतम 4,61,019 रुपए तथा न्यूनतम 42,561 रुपए बोनस मिलेगा। वहीं कर्मचारियों को औसत 1,59,738 रुपए बोनस मिलेगा। बोनस मद में प्रबंधन की ओर से इस बार कुल 314.70 करोड़ रुपए दिए गए हैं, जो 23445 कर्मचारियों के बैंक खाता में 11 सितंबर को आ जाएगा। बोनस की कुल राशि में से जमशेदपुर व ट्यूब डिवीजन के 11672 कर्मचारियों के बीच 186.51 करोड़ रुपए मिलेगा।

टाटा स्टील प्रबंधन व टाटा वर्कर्स यूनियन के बीच बोनस वार्ता पहले से तय फामूर्ला के तहत शुरू हुई। फामूर्ला के अनुसार कर्मचारियों को इस साल 298.82 करोड़ रुपए ही मिल रहा था, जो प्रतिशत के हिसाब से 18.98 प्रतिशत हो रहा था। जबकि पिछले साल कर्मचारियों को 20 प्रतिशत बोनस के साथ 20 हजार रुपए गुडविल एलाउंस भी मिला था। इससे कर्मचारियों की अपेक्षा इस बार भी अधिक थी। कर्मचारी पिछले साल की ट्वेंटी- ट्वेंटी (20 प्रतिशत बोनस के साथ 20 हजार गुडविल एमाउंट) की तरह इस साल भी कंपनी के मुनाफा पिछले साल के मुकाबले आधा होने पर कम से कम एक टवेंटी की मांग कर रहे थे। कर्मचारियों की भावना व अगले 5-6 महीने में होने वाले यूनियन चुनाव के मद्देनजर यूनियन नेताओं पर 20 प्रतिशत कराने का दबाव था। तय फामूर्ला व मांग में करीब 15.88 करोड़ रुपए का गैप था। इस गैप को पाटने के लिए टाटा वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष संजीव चौधरी टुन्नू ने अपने महामंत्री सतीश कुमार सिंह और डिप्टी प्रेसिडेंट शैलेश सिंह के साथ एक राउंड की बैठक वीपी स्तर से किया, फिर टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन के पास गए। यूनियन अध्यक्ष ने एमडी से आग्रह किया कि कर्मचारियों ने जीतोड़ मेहनत की है। इसी का परिणाम है कि कर्मचारियों की उत्पादकता (प्रोडक्टिविटी) रिकार्ड स्तर 619 एमटी पर पहुंची है। कर्मचारियों की इस मेहनत का सम्मान होना चाहिए और गैप को समाप्त कर पिछले साल की तरह कम से कम एक ट्वेंटी किया जाए।

अध्यक्ष के इस आग्रह को एमडी मान लिए और तय फामूर्ला के बाद 15.88 करोड़ रुपए अतिरिक्त देने को तैयार हो गए। एमडी से मंजूरी मिलने के साथ ही इस साल भी कर्मचारियों को 20 प्रतिशत बोनस मिलने का रास्ता साफ हो गया। समझौते के बाद यह जानकारी टाटा वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष संजीव कुमार चौधरी उर्फ टुन्नू, महामंत्री सतीश सिंह, डिप्टी प्रेसिडेंट शैलेश सिंह, उपाध्यक्ष शहनवाज आलम, सहायक सचिव नीतेश राज ने पत्रकारों को दी। मौके पर यूनियन के सभी 11 पदाधिकारी मौजूद थे।

मालूम हो कि बोनस फीसदी के आधार पर नहीं होता है, लेकिन एकमुश्त राशि से मिलने वाली राशि का आकलन कर इसको फीसदी में निकाला जाता है। समझौते के अनुसार इस बार कर्मचारियों को औसत बोनस 1,59,738 रुपए मिलेगा, जबकि अधिकतम बोनस (स्टील वेज) ओल्ड सीरीज के कर्मचारी को 4,61,019 रुपए मिलेगा। वहीं, एनएस ग्रेड के कर्मचारियों का अधिकतम बोनस 1,21,718 रुपए मिलेगा जबकि न्यूनतम बोनस 42,561 रुपए मिलेगा। सेफ्टी मानक पर मिलने वाला 25 करोड़ रुपए, इस बार भी कर्मचारियों को नहीं मिला है। क्योंकि पिछले वित्त वर्ष के दौरान कंपनी में कई दुर्घटनाएं हुई थी।

इस फामूर्ला के आधार पर मिला है बोनस

नेट प्रोफिट (सारी देनदारी के बाद)-10654.38 करोड़ रुपए, 1.5 प्रतिशत के अनुसार 159.82 करोड़ रुपए, प्रोफिटेबिलिटी 13.95 टन सेलेबल स्टील का 7638 रुपए प्रति टन के हिसाब से 49.0 करोड़ रुपए, प्रोडक्टिविटी - 619 टन प्रति साल प्रति कर्मचारी - 90.0 करोड़ रुपए, सेफ्टी - 0.57 एलटीआइएफआर - 00, कुल राशि - 298.82 करोड़ रुपए, अतिरिक्त राशि प्रबंधन ने दिया - 15.88 करोड़ रुपए, कुल राशि - 314.70 करोड़ रुपए।

अगले साल भी होगी इसी फामूर्ला के तहत बोनस समझौता

टाटा वर्कर्स यूनियन के पूर्व अध्यक्ष और उनकी टीम के थिंक टैंक सह यूनियन के उपाध्यक्ष शहनवाज आलम ने वर्ष 2018 में बोनस के लिए फामूर्ला बनवाया था। उस समय फामूर्ला को लेकर विपक्षी खेमा ने आलोचना भी किया था। लेकिन उसी फामूर्ला की देन है कि कंपनी का शुद्ध लाभ पिछले साल के मुकाबले आधा होने पर भी कर्मचारियों को 20 प्रतिशत बोनस राशि मिली है। यूनियन अध्यक्ष संजीव कुमार चौधरी ने भी बोनस समझौता के बाद संवाददाताओं से बातचीत में इस बात का जिक्र किया। यह बोनस फामूर्ला वर्ष 2024 तक प्रभावी रहेगा। फामूर्ला के अनुसार शुद्ध लाभ का 1.5 प्रतिशत, प्रोफिटेबिलिटी पर प्रोफिट प्रति टन सेलेबल स्टील, प्रोडक्टिविटी प्रति टन क्रूड स्टील का एक व्यक्ति प्रति वर्ष उत्पादन करना और सेफ्टी यानी एलटीआइआर के आधार पर कुल बोनस राशि की गणना होगी।

बोनस समझौते की कॉपी के साथ प्रबंधन व यूनियन के लोग। ● फोटोन न्यूज

यह है इस साल व पिछले साल का बोनस समझौता

वित्तीय वर्ष	2021-2022	2022-2023
कुल कर्मचारी की संख्या	12213	11676
कुल बोनसेबल राशि	1587.55 रु.	1573.51 रु.
कुल बोनस की राशि	317.51 करोड़ रु.	314.70 करोड़ रु.
कुल बोनस की राशि जमशेदपुर	188.64 करोड़ रु.	86.51 करोड़ रु.
औसतन बोनस की राशि	1,54,457 रु.	1,59,738 रु.
अधिकतम राशि पुराना ग्रेड	4,58,411 रु.	4,61,019 रु.
अधिकतम एनएस ग्रेड	1,16,527 रु.	1,21,718 रु.
न्यूनतम बोनस एनएस ग्रेड	41,448 रुपए	42,561 रु.

टाटा वर्कर यूनियन के पदाधिकारियों को बोनस के रूप में मिलेगी यह राशि

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील में हुए बोनस समझौता का लाभ टाटा वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारियों को भी मिलेगा। समझौते के अनुसार इस साल यूनियन के कोषाध्यक्ष हरिशंकर सिंह को सबसे अधिक 3,38,555 रुपए तथा उपाध्यक्ष संजीव तिवारी को सबसे कम 98684 रुपए बोनस के रुप में मिलेगा। दूसरे नंबर पर उपाध्यक्ष शत्रुघन कुमार राय हैं जिन्हें 3,22,855 रुपए मिलेगा। तीसरे नंबर पर उपाध्यक्ष शहनवाज आलम हैं जिन्हें 3,09,488 लाख रुपए मिलेगा। चौथे नंबर पर डिप्टी प्रेसिडेंट शैलेश कुमार सिंह हैं जिन्हें 2,98,203 रुपए मिलेगा। पांचवें नंबर पर अध्यक्ष संजीव कुमार चौधरी उर्फ टुन्नू हैं जिन्हें 2,94,370 रुपए मिलेगा। छठे नंबर पर सहायक सचिव सरोज कुमार सिंह हैं जिन्हें 2,88,879 लाख रुपए मिलेगा। सातवें नंबर पर महामंत्री सतीश कुमार सिंह हैं जिन्हें 2,83,228 लाख रुपए मिलेगा। आठवें नंबर पर सहायक सचिव नितेश राज हैं 2,58,405 लाख रुपए मिलेगा। यह यूनियन अधिकारियों की कुल बोनस राशि है जिसपर आयकर नियमानुसार टैक्स की कटौती होगी।

यह है यूनियन पदाधिकारियों की बोनस राशि

1. हरिशंकर सिंह - 3,38,555 रुपये
2. शत्रुघन कुमार राय - 3,22,855 रुपये
3. शहनवाज आलम - 3,09,488 रुपये
4. शैलेश कुमार सिंह - 2,98,203 रुपये
5. संजीव कु. चौधरी - 2,94,370 रुपये
6. सरोज कुमार सिंह - 2,88,879 रुपये
7. सतीश कुमार सिंह - 2,83,228 रुपये
8. नितेश राज - 2,58,405 रुपये
9. अजय कु. चौधरी - 2,45,629 रुपये
10. संजय कुमार सिंह - 2,31,532 रुपये
11. संजीव तिवारी - 98,684 रुपये

नोट- यह राशि लाख में है।

DSE से मिले शिक्षक संघ के नेता बोले पहले शिक्षकों को ग्रेड SEVEN में दिया जाए प्रमोशन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ, पूर्वी सिंहभूम का एक प्रतिनिधि मंडल जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में शिक्षक समस्याओं के निराकरण हेतु जिला शिक्षा अधीक्षक, पूर्वी सिंहभूम से मिला। इस दौरान शिक्षकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराते हुए उसके समाधान की मांग की। संघ की ओर से कहा गया कि ग्रेड 3, 4 एवं 7 में भूत लक्षी तिथि से वैचारिक प्रोन्नति प्रदान करते हुए आर्थिक लाभ दिया जाय। जबकि ग्रेड 7 पद पर पहले प्रोन्नति दी जाए उसके बाद ग्रेड 4 पद पर प्रोन्नति दी जाए ताकि ग्रेड 4 पद पर अधिक से अधिक शिक्षकों की प्रोन्नति हो सके। संघ ने कहा कि जिले में 195 हेडमास्टर के पद हैं और सभी रिक्त है। इसे भरने के लिए ग्रेड 7 में शिक्षकों की प्रोन्नति जरूरी है। प्रतिनिधिमंडल में संगठन सचिव अरुण कुमार, कृष्ण चंद्र दास ,राजेंद्र कर्ण , रमाकांत शुक्ला, राजेश मिश्रा, सुजीत कुमार, पीतम सोरेन, किशोर महंती, बलराम प्रसाद एवंअरविंद राय आदि शिक्षक प्रतिनिधि शामिल थे।

17 शिक्षकों के वेतन पर रोक लगाना गलतः संघ

निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी जमशेदपुर 1 द्वारा माह अगस्त 23 का सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय में कार्यरत 17 सरकारी शिक्षकों का ई विद्या वाहिनी में बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज न करने कारण वेतन भुगतान नहीं किया गया है जबकि कार्यरत शिक्षकों के विद्यालयों में बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने हेतु विभाग द्वारा डिवाइस आज तक उपलब्ध नहीं कराया गया और ना ही उपरोक्त विद्यालयों को विकास मद की राशि दी जा रही है अतः बेवजह शिक्षकों का वेतन भुगतान न करना कदापि उचित नहीं है यह परंपरा अत्यंत दुखद व सामाजिक न्याय के विरुद्ध है। ऐसे शिक्षकों का वेतन भुगतान जल्द किया जाए।

संघ ने इन मांगों को भी रखाः

1. शिक्षकों को प्रोन्नति देने के उपरांत ही सर प्लस शिक्षकों का स्थानांतरण किया जाना श्रेयस्कर होगा।
2. विभाग द्वारा जारी सरप्लस शिक्षकों की पूरी सूची को संशोधित किया जाए।
3. राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों में वाणिज्य स्नातक योग्यता धारी शिक्षकों की प्रोन्नति सामाजिक विज्ञान की कोटि पर की जाए। तत्पश्चात अहर्ता रखने वाले शिक्षकों को भूतलक्षी प्रभाव से प्रोन्नत किया जाए।

केंद्र की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरोध में सोमवार को साकची स्थित आम बागान मैदान में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा के समक्ष जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के नेतृत्व में धरना दिया गया। इसके बाद उपायुक्त को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा एलपीजी गैस के 31.37 करोड़ उपभोक्ता के 8,33,640.76 (आठ लाख तैतीस हजार छः सौ चालीस करोड़) रुपए को छला गया है। उपभोक्ताओं को मोदी सरकार वापस करे तथा पेट्रोल डीजल एवं खाद्य पदार्थ के मूल्य अविलंब कम करें। विगत 9 वर्षों से ईंधन में टैक्स लगा कर 30 लाख करोड़ रुपए से अधिक की मुनाफाखोरी की गई है। सरकार ने पेट्रोल पर सात वर्षों में एक्साइज ड्यूटी 258% तक बढ़ा दिया और डीजल में 820% तक बढ़ाया है। मोदीजी की सरकार महंगाई रोकने में नाकाम हो गई है। देश भर में महंगाई के कारण अव्यवस्था फैल गई है।

पुलिस ने अवैध महुआ शराब भट्ठी को किया ध्वस्त

JAMSHEDPUR : चाकुलिया थाना की पुलिस ने थाना प्रभारी वरुण कुमार यादव के नेतृत्व में सोमवार की शाम अवैध महुआ शराब निर्माण और बिक्री के खिलाफ छापामारी अभियान चलाया। इस दौरान जोरडीहा के पास जंगल झाड़ियों के बीच संचालित अवैध शराब की दो भट्ठियों को पुलिस ने तोड़ दिया। अवैध शराब के निर्माण के लिए दो झोपड़ियां बनाई गई थीं। पुलिस ने वहां से बरामद भारी मात्रा में जावा महुआ को नष्ट कर दिया। पुलिस को देखकर संचालक फरार हो गए। पुलिस के इस अभियान से शराब माफियाओं में हड़कंप मचा है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और संचालकों का पता लगाने में जुटी है। इस अभियान में एएसआई पीतांबर मंडल और पुलिस के जवान शामिल थे।

इंटर के सत्र 2023-25 के परिचय कार्यक्रम का आयोजन

देश की जिम्मेदारी युवाओं के कंधे परः प्राचार्य

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर को आपरेटिव कालेज के बहुउदेशीय भवन में इंटर वर्ष 2023- 2025 सत्र के परिचय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घघाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डा अमर सिंह के द्वारा द्धीप प्रज्जवलित करके किया गया। इस अवसर पर उनके साथ द्धीप प्रज्जवलन करने में आइक्यूएससी कोर्डिनेटर डा नीता सिन्हा,सीनेट सदस्य ब्रजेश कुमार, इंटर इंचार्ज डा भूषण कुमार सिंह,निर्वतमान बर्सर डा एस एन ठाकुर मुख्य रूप से उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्राचार्य डा अमर सिंह ने कहा कि युवाओं कंधों पर देश की जिम्मेदारी है। ईमानदारी पूर्वक अध्यन करके अपने महाविद्यालय का नाम रौशन करे एवं अपने जीवन में उंची उचाई को प्राप्त करे। महाविद्यालय में बच्चों की बेहतर शिक्षा को लेकर संस्थान के द्वारा बेहतर शिक्षक एवं शिक्षिका कार्यरत है। उनके मार्गदर्शन में बेहतर तरीके से शिक्षा को ग्रहण करना होगा।इसके साथ ही उनको एक भव्य पुस्तकालय भी प्रदान किया गया है। जो कि उनके बेहतर शिक्षा ग्रहण करने में सहयोग करेंगे। कार्यक्रम के अवसर पर स्वागत भाषण डा भूषण कुमार सिंह ने दिया एवं धन्यवाद ज्ञापन इशरत रसूल ने किया।मंच का संचालन शिक्षक राजीव दूबे ने किया। इस अवसर पर शिक्षक गणेश चंद्र महतो, जितेंद्र महतो, अनामिका सिंह, राजीव दुबे, प्रहलाद सिंह, पूजा सिंह, डॉली सिंह, मतसरा बानों, मोहम्मद हनीफ, अरूण कुमार महतो, मितू आहूजा, बिहारी झा,डी आर सोरेन, किशन लाल यादव, आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित प्राचार्य व अन्य। ● फोटोन न्यूज

बिष्टुपुर सत्यनारायण मारवाड़ी मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा का दूसरा दिन

भगवान उसी के हृदय में वास करते हैं जिसका मन गंगा की तरह साफ हो : हिमांशु महाराज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर सत्यनारायण मारवाड़ी मंदिर में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन सोमवार को पूज्य स्वामी हिमांशु महाराज ने व्यासपीठ से परीक्षित जन्म और कपिल अवतार की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि कभी भी किसी महात्मा का अपमान नहीं करना चाहिए। यदि हम अगर किसी संत का अपमान करते है तो भागवत प्राप्ति में बाधा डालती हैं। भागवत के जो मुख्य श्रोता है राजा परीक्षित, उनको श्राप के कारण श्री सुखदेवजी ने सात दिन की भागवत कथा श्रवण करायी। जिसमें उनका उत्थान हो गया।

उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने पांचवा अवतार कपिल मुनि के रूप में लिया। भगवान उसी हृदय में वास करते हैं, जिसका मन गंगा की तरह साफ हो। मनुष्य जीवन का महत्व समझते हुए भगवान की भक्ति में अधिक से अधिक समय देना चाहिए।

कथा व्यास हिमांशु जी ने शिव-पार्वती विवाह की महिमा का गुणगान करते हुए बताया कि श्वसुर दक्ष प्रजापति और दामाद भगवान शंकर में बेर के कारण सती जो कि भगवान ईश्वर की पत्नी थी ने अपने देह को यह सोचकर त्याग दिया कि भगवान शंकर का अपमान हुआ हैं। वही सती अगले जन्म में पार्वती बनी। इस कारण शिव और पार्वती का विवाह होता है। शिव और पार्वती का स्वरूप श्रद्धा और विश्वास माना जाता है। भगवान श्रद्धा और विश्वास से ही मिलते हैं। इस कथा से समाज को यह शिक्षा मिलती है कि जहां अपमान हो वहां कदापि नहीं जाना चाहिए।

दूसरे दिन यजमान के रूप में शिवकुमार रमेश आगीवाल, अमित, अरूण कुमार बांकरेवाल, रतनलाल बांकरेवाल, अनील सुनील गर्ग मौजूद थे। साथ ही ओमप्रकाश नागेलिया, विश्वनाथ नरेड़ी, जमशेदपुर लुबरीकेन्ट एवं गणपतलाल चौथमल की तरफ से प्रसाद का आयोजन किया गया था। तीसरे दिन मंगलवार को कथावाचक द्धारा ध्रुव चरित्र और नरसिंह अवतार की कथा का रसपान कराया जायेगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से संतोष संघी, कुंजबिहारी नागेलिया, सुरेश कुमार अगीवाल, श्याम सुंदर नागेलिया, अशोक नरेड़ी, ओमप्रकाश रिंगसिया, महावीर मोदी, समेत काफी संख्या में भक्तगण देर शाम तक शामिल थे।

हिमांशु महाराज।

वर्कर्स कॉलेज में 'नैक ए रिवाइज्ड एक्रीडिटेशन फ्रेमवर्क' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

बेहतर NAAC GRADING के लिए करना होगा सातों CRITERIA को FULFIL : डॉ पीके पाणि

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : वर्कर्स कॉलेज में 'नैक ए रिवाइज्ड एक्रीडिटेशन फ्रेमवर्क' विषय पर आईक्यूएसी द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के रिसोर्स पर्सन कोल्हान विश्वविद्यालय के पूर्व वित्त अधिकारी, वरिष्ठ शिक्षक डॉ. प्रभात कुमार पाणी थे। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से नैक की ग्रेडिंग तथा ग्रेडिंग की पद्धति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नैक के सेवन क्राइटेरिया के अनुभागों की जानकारी देते हुए उनके वेटेज और उसके अनुसार दिए जाने वाले अंकों के बारे में बताया।

कार्यशाला में बोलते डॉ पी के पाणी। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने बताया कि सेवन क्राइटेरिया के अंतर्गत टीचिंग लर्निंग एंड इवेल्यूएशन, कैरीकुलम एस्पेक्ट, टीचिंग लर्निंग एंड इवेल्यूएशन, रिसर्च इनोवेशन एंड एक्सटेंशन, इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड लर्निंग रिसोर्सेज, स्टूडेंट्स सपोर्ट एंड प्रोग्रेशन तथा इंस्टीट्यूशन वैल्यू एंड बेस्ट प्रैक्टिसआते हैं। इन सभी के अंतर्गत बत्तीस की-इंडिकेटर है जिन्हे 96 मैट्रिक्स में बांटा गया है। 96 मैट्रिक्स दो प्रकार के है क्वांटिटेटिव और क्वालिटेटिव। इन सभी के अलग अलग हिस्सों पर अलग अलग वेटेज निश्चित हैं और उन वेटेज पर अंक प्रदान किए जाते हैं। इन्हीं अंकों के आधार पर नैक द्वारा किसी महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय को ग्रेड प्रदान किया जाता है।

इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सत्यप्रिय महालिक ने कहा कि महाविद्यालय अभी नैक के तीसरे चक्र में प्रवेश कर चुका है ऐसे में इस कार्यशाला की उपयोगिता बढ़ गई है। इस कार्यशाला से प्राप्त जानकारी से नैक की तैयारियों को गति मिलेगी और नैक द्वारा अच्छे ग्रेड प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। कार्यशाला का संचालन आईक्यूएसी की कॉर्डिनेटर प्रो कुमारी प्रियंका ने किया, तथा धन्यवाद ज्ञापन नैक प्रिपरेटरी समिति के कॉर्डिनेटर डॉ अनिल चंद्र पाठक ने दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षाकेत्तर कर्मी उपस्थित थे।

एक्सएलआरआई ने केस एंड सिमुलेशन प्रतियोगिता 2023 में जीता यूएस अवार्ड

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : एक्सएलआरआई को 17 वीं ई-पीएआरसीसी टीचिंग केस और सिमुलेशन प्रतियोगिता में यूएस अवार्ड से नवाजा गया है। इस प्रतियोगिता का आयोजन अमेरिका के सिरैक्यूज यूनिवर्सिटी के मैक्सवेल स्कूल ऑफ सिटीजनशिप एंड पब्लिक अफेयर्स द्वारा आयोजित किया गया था। एक्सएलआरआइ के केस रिसर्च एंड सिमुलेशन डिपार्टमेंट सेंटर (एक्सएल-सीआरएसडीसी) द्वारा टीचिंग केस स्टडी जीईडब्ल्यूईएलः जाम्बिया में लड़कियों और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए स्थायी समाधान शीर्षक पर प्रोफेसर त्रिलोचन त्रिपाठी और बेनुधर साहू द्वारा तैयार रिसर्च को प्रथम स्थान हासिल हुआ। एक्सएलआरआइ की ओर से प्रोफेसर त्रिलोचन त्रिपाठी और बेनुधर साहू द्वारा अंतरराष्ट्रीय विकास में संघर्ष और सहयोग मामले में तैयार किये गये रिसर्च को लेकर यह सम्मान किया गया है। इस मामले में औपचारिक, सर्वसम्मति-उन्मुख, विचार-विमर्श वाली सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रियाओं की गणना की गई, जिन्हें जाम्बिया की महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए डिजाइन की गयी (जीईडब्ल्यूईएल) परियोजना में लागू किया गया था। प्रोफेसर त्रिलोचन त्रिपाठी और बेनुधर साहू द्वारा जाम्बिया में लड़कियों और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सतत समाधान शीर्षक वाले केस स्टडी एवं रिसर्च रिपोर्ट लिखा गया। इस अवसर पर एक्सएलआरआई के प्रोफेसर त्रिलोचन त्रिपाठी ने कहा कि इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को जीतने से हमें सहयोग की अवधारणा पर और अधिक मामले लिखने के लिए प्रेरणा मिलती है। जिसने समकालीन दुनिया में प्रासंगिकता हासिल कर ली है।

जीवन जीने का सलीका सिखाते हैं शिक्षक

विश्वभर में लगभग सभी महापुरुषों ने शिक्षकों को राष्ट्र निमार्ता की संज्ञा दी है। गुरु रूपी इन्हीं शिक्षकों को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह एकमात्र ऐसा दिन है, जब छात्र अपने शिक्षकों अर्थात गुरुओं को उपहार देते हैं। पहले जहां गुरुकुल परंपरा हुआ करती थी और उस समय जीवन की व्यावहारिक शिक्षा इन्हीं गुरुकुल में गुरु दिया करते थे, आज नए जमाने में गुरुओं का वही अहम कार्य शिक्षक पूरा कर रहे हैं, जो छात्रों के सच्चे मार्गदर्शक बनकर उन्हें स्कूल से लेकर कॉलेज तक वह शिक्षा देते हैं, जो उन्हें जीवन में बुलंदियों तक पहुंचाने में सहायक बनती है। आज भले ही शिक्षा प्राप्त करने या ज्ञानोपार्जन के लिए अनेक तकनीकी साधन सुलभ हैं किन्तु एक अच्छे शिक्षक की कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। जिस प्रकार एक अच्छा शिल्पकार किसी भी पत्थर को तराशकर उसे खूबसूरत रूप दे सकता है और एक कुम्हार गीली मिट्टी को सही आकार प्रदान कर सही आकार के खूबसूरत बर्तन बनाता है, समाज में वही भूमिका एक शिक्षक अदा करता है, इसीलिए शिक्षक को समाज के असली शिल्पकार का भी दर्जा दिया जाता है। इतिहास ऐसे शिक्षकों के उदाहरणों से भरा पड़ा है, जिन्होंने अपनी शिक्षा से अनेक लोगों के जीवन की दिशा ही बदल दी। भारत के प्रथम उप राष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर भारत में प्रतिवर्ष 5 सितंबर को शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से शिक्षक दिवस मनाया जाता है। 13 मई 1962 को राधाकृष्णन देश के राष्ट्रपति बने और उसी वर्ष उनके कुछ छात्र उनका जन्मदिन मनाने के उद्देश्य से उनके पास गए तो उन्होंने उन छात्रों को परामर्श दिया कि उनके जन्मदिन को अध्यापन के प्रति उनके समर्पण के लिए शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए और इस प्रकार 5 सितंबर 1962 से ही देश में यह दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। 5 सितंबर 1888 को एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में जन्मे डॉ. राधाकृष्णन ने अपने जीवनकाल के 40 वर्ष एक आदर्श शिक्षक के रूप में समर्पित कर दिए। मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज से शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने मैसूर यूनिवर्सिटी, कलकत्ता यूनिवर्सिटी तथा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में अध्यापन किया और लंदन में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में भी दर्शन शास्त्र पढ़ाया। 1931 में किंग जॉर्ज पंचम ने उन्हें नाइटहुड की उपाधि प्रदान की किन्तु उन्होंने देश की आजादी के बाद अपने नाम के साथ ह्यसरह्ल लगाना बंद कर दिया। राधाकृष्णन 1947 से 1949 तक संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य रहे और 1954 में उन्हें ह्यभारत रत्नह्ल से सम्मानित किया गया। 1962 में ब्रिटिश अकादमी का सदस्य बनने पर उन्हें गोल्डन स्पर, इंग्लैंड के ऑर्डर ऑफ मैरिट तथा 1975 में मरणोपरांत अमेरिकी सरकार द्वारा टेम्पलटन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. राधाकृष्णन एक महान दार्शनिक और आदर्श शिक्षक होने के साथ-साथ राजनीति में भी प्रवीण थे। दर्शन शास्त्र जैसे गंभीर विषय को भी डॉ. राधाकृष्णन अपनी अद्भुत शैली से बेहद सरल और रोचक बना देते थे। जिस विषय का वे अध्यापन करते थे, पहले स्वयं उसका गहन अध्ययन करते थे। डॉ. राधाकृष्णन अपने व्याख्यानों के साथ-साथ विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से छात्रों को उच्च नैतिक मूल्यों को अपने आचरण में समाहित करने के लिए प्रेरित कर उनका बेहतर मार्गदर्शन भी करते थे। उनका कहना था कि हमें अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए क्योंकि शिक्षक के बिना इस दुनिया में हम सभी अधूरे हैं। शिक्षक ही हैं, जो देश के भविष्य के वास्तविक आकृतिकार हैं और हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। राधाकृष्णन का कहना था कि हमें मानवता को उन नैतिक जड़ों तक वापस ले जाना चाहिए, जहां से अनुशासन और स्वतंत्रता दोनों का उद्गम हो। उनका कथन स्पष्ट था कि जब तक शिक्षक शिक्षा के प्रति समर्पित और प्रतिबद्ध नहीं होगा और शिक्षा को एक मिशन के रूप में नहीं अपनाएगा, तब तक अच्छी और उद्देश्यपूर्ण शिक्षा की कल्पना नहीं की जा सकती। आज हम हर बच्चे को महंगी उत्कृष्ट आधुनिक शिक्षा के जरिये टॉपर बनाकर बड़ा डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनाने का सपना संजोये रहते हैं और भूलते जा रहे हैं कि उसे जीवन की बुलंदियों पर पहुंचाने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनाना भी बेहद जरूरी है और इसके लिए हर बच्चे को नैतिक, भौतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक शिक्षा दिए जाने की भी आवश्यकता है ताकि बच्चे अपने विवेक से बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लेने और समाज को सही दिशा देने में सक्षम बनें। डॉ. राधाकृष्णन का मानना था कि यदि सही तरीके से शिक्षा प्रदान की जाए तो समाज की अनेक बुराइयों का समूल नाश किया जा सकता है। एक सभ्य, सुसंस्कारित, सुंदर एवं शांतिपूर्ण समाज के निर्माण के लिए शिक्षक दिवस के अवसर पर डॉ. राधाकृष्णन के आदर्शों, उनकी शिक्षाओं तथा जीवन मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है।

शिक्षण-संस्कृति का संवर्धन आवश्यक

ANALYSIS

गिरीश्वर मिश्र

एक अध्यापक को समाज ने अधिकार दिया है कि वह अपने छात्र के जीवन में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हस्तक्षेप करे, विद्यार्थियों को भविष्य के सपने दिखाए और उनमें निहित क्षमता को समृद्ध कर उन सपनों को साकार करने के लिए तैयार करे । ऐसा करते हुए मूल्यों और मनोवृत्तियों को भी गढ़ता है। वशिष्ठ, बुद्ध, चाणक्य, टैगोर, रामकृष्ण परमहंस, विवेकानंद, राधाकृष्णन आदि के स्मरण से मन में गुरु की आदर्श और तेजस्वी छवि बनती है। शिक्षा के परिसर में अध्यापक के व्यवहार के जो नैतिक और आचारगत परिणाम होते हैं वे समाज की नैतिक परिपक्वता और विवेक को निश्चित करते हैं । इसीलिए अध्यापक को जांचने-परखने के लिए ऊंचे निकष और मानक तय किए जाते हैं जिन्हें दूसरे व्यवसाय के लोग आसानी से नहीं स्वीकारते। अध्यापकों से नैतिक गुणों की अपेक्षा होती है। उनसे आशा की जाती है कि वे अपने आचरण में उचित और अनुचित का विवेक करेंगे। योग्यता, कुशलता और गुणवत्ता उनके व्यवहारों से झलकेगी।

मानव सभ्यता के संदर्भ में अध्यापन-कार्य न केवल दूसरे व्यवसायों की तुलना में सदैव विशेष महत्व का रहा है बल्कि अन्य सभी व्यवसायों का आधार भी है । आज सामाजिक परिवर्तन विशेषतः प्रौदयोगिकी की तीव्र उपस्थिति ने शिक्षक और शिक्षार्थी के रिश्तों को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। साथ ही कक्षा, समाज और व्यापक विश्व के संदर्भ में शिक्षक की संस्था भी नए ढंग से जानी पहचानी जा रही है। इसके फलस्वरूप शिक्षक की औपचारिक भूमिका और व्याप्ति का क्षेत्र जरूर अतीत की तुलना में वर्तमान काल में नए नए आयाम प्राप्त कर रहा है। इन सबके बीच अभी भी अध्यापक अपने गुणों, कार्यों और व्यवहारों से छात्रों को प्रभावित कर रहा है और उसी के आधार पर भविष्य के समाज और देश के भाग्य को भी अनिवार्य रूप से रच रहा है। एक अध्यापक को समाज ने अधिकार दिया है कि वह अपने छात्र के जीवन में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हस्तक्षेप करे, विद्यार्थियों को भविष्य के सपने दिखाए और उनमें निहित क्षमता को समृद्ध कर उन सपनों को साकार करने के लिए तैयार करे । ऐसा करते हुए मूल्यों और मनोवृत्तियों को भी गढ़ता है। वशिष्ठ, बुद्ध, चाणक्य, टैगोर, रामकृष्ण परमहंस, विवेकानंद, राधाकृष्णन आदि के स्मरण से मन में गुरु की आदर्श और तेजस्वी छवि बनती है। शिक्षा के परिसर में अध्यापक के व्यवहार के जो नैतिक और आचारगत परिणाम होते हैं वे समाज की नैतिक परिपक्वता और विवेक को निश्चित करते हैं । इसीलिए अध्यापक को जांचने-परखने के लिए ऊंचे निकष और मानक तय किए जाते हैं जिन्हें दूसरे व्यवसाय के लोग आसानी से नहीं स्वीकारते। अध्यापकों से नैतिक गुणों की अपेक्षा होती है। उनसे आशा की जाती है कि वे अपने आचरण में उचित और अनुचित का विवेक करेंगे। योग्यता, कुशलता और गुणवत्ता उनके व्यवहारों से झलकेगी। वे प्रतिबद्धता, काम के प्रति समर्पण, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और पूर्वाग्रहमुक्त आचरण की मिसाल प्रस्तुत करेंगे। शिक्षक की गुणवत्ता विद्यार्थी की सफलता का सबसे प्रमुख आधार होता है ऐसा सोच कर अभिभावक अपने मन में अध्यापक और गुरु के प्रति सहज सम्मान का भाव रखता रहा है । एक गुरु मानसिक और व्यावहारिक रूप से दूसरों की भलाई करने वाले और भविष्य का नजरिया रखने वाले इंसान के रूप में प्रतिष्ठित था। वह माता-पिता से कम महत्व का न था। वह विद्यार्थी का प्रेरणास्रोत और ऐसा हितैषी था जो उसे सत्पथ पर जाने की राह दिखाता था। चरित्र-निर्माण करते हुए एक अच्छा मनुष्य और देश का अच्छा नागरिक बनाना उसका कर्तव्य था। समाज में गुरु की ऊंची साख इसलिए भी थी कि वह निर्भय हो कर बिना किसी लाग-लपेट के लोक-हित की बात कह सकता था । अब यह छवि बदल रही है और धीरे-धीरे खिसक कर हाशिए पर पहुंच रही है और थोड़े अध्यापक ही अपनी मूल छवि की रक्षा कर पा रहे हैं। ज्यादातर की दिशा बदल चुकी है या फिर बदलने की फिराक में हैं। अध्यापक का कार्य अब पूरी तरह से व्यवसाय बन चुका है यानी एक ज्ञान का व्यापार करने वाला एक शुद्ध आर्थिक कार्य हो रहा है। इक्कीसवीं सदी में पहुंच कर न केवल ज्ञान की विषय वस्तु में बदलाव आया है बल्कि पठन-पाठन के तौर-; तरीके भी बदले हैं। साथ ही संदर्भ भी तीव्र गति से लगातार बदल रहा है। समाज, आर्थिक कारोबार, संचार, प्रशासन, मूल्य, मानक, भूमिकाएं सभी नए ढांचे में ढल रहे हैं। समय के साथ शिक्षा का क्षेत्र विस्तृत हुआ है, अनेक नए विषय शुरू किए गए हैं। उसी के साथ नैतिक निर्णयों के क्षेत्र भी विस्तृत हुए हैं। व्यवसाय और शिक्षण-प्रक्रिया के नैतिक मानकों की उलझनें भी बढ़ी हैं। सैद्धांतिक रूप में मानव मूल्य और मानवीय गरिमा वे केंद्रीय सरोकार हैं जिनकी संपोषण शिक्षक-प्रशिक्षण का अहं हिस्सा होता है तथापि आज शिक्षक और विद्यार्थी के बीच का रिश्ता अलगाव और नासमझी का शिकार हो रहा है। आज अनुदानप्राप्त शिक्षा केंद्रों में वेतन तो बढ़ा है परंतु आम तौर पर शिक्षण कार्य के साथ लगाव और रुचि में कमी आई है। तल्लीन हो कर कार्य करना और उसे गंभीरता से लेना अध्यापकों की वरीयता में नीचे खिसक रहा है। यही नहीं यदि शिक्षा संस्थाओं में उठने वाले मामलों को देखा जाए तो अपने सहकर्मियों के साथ स्वस्थ और मानवीय रिश्ता और उनके अधिकारों का आदर, सामुदायिक भावना और भागीदारी, सामाजिक मूल्यों तथा मानकों तथा न्याय की रक्षा, आचरण की पवित्रता और सदाशयता, पक्षपातविहीन रहना, समानुभूति, और निष्ठा आदि के विषय में गिरावट उनके मुख्य कारण हैं। शिक्षक की नैतिक क्षमता और नैतिक योग्यता अब दुर्लभ हो रही है। अध्यापकों का विद्यार्थियों के साथ बर्ताव को लेकर गलत आचरण की शंका बढ़ रही है और भरोसा कम हो रहा है। आए दिन ऐसी घटनाओं की खबरें आती रहती हैं जिनमें आदर न देना, अनावश्यक आक्रोश, गप मारना, तटस्थ बने रहना, अपेक्षित सहायता न करना, कायदे-कानून की आड़ में अकर्मण्य बने रहना, सुविधाभोगी होना, नकारात्मक रिश्ता रखना, खराब आचरण, अपर्याप्त जानकारी, अनुशासन की कमी, अनैतिक भावनाएं, अपर्याप्त तैयारी और आत्म-नियंत्रण की कमी प्रमुख होती हैं। यह खेदजनक है कि विगत वर्षों में अनेक संस्थानों में छात्रों को प्रताड़ित करने के मामलों में वृद्धि हुई है। उनके संज्ञानात्मक और भावात्मक कल्याण को ले कर अकादमिक प्रशासन और नेतृत्व की संवेदनहीनता के सवाल बार-बार खड़े हुए हैं। उनके हितों की उपेक्षा करने और शिक्षण के प्रसंग में अनैतिक कार्यों के दायरे में डरावने अभ्यास, निर्णय लेने के गैरकानूनी तरीके, स्वीकृत नीतियों का उल्लंघन, विद्यार्थियों को उपलब्ध विकल्पों की अस्वीकृति और उपेक्षा, सार्वजनिक रूप से अवमानना और उपहास आदि के दुष्परिणाम शिक्षा के परिसरों में हिंसा, दुराचार, आत्म-हत्या, दुर्व्यवहार आदि के रूप में प्रकट हुए हैं। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य की बढ़ती समस्या की अनदेखी होती रही है। यू जी सी ने अब संज्ञान लिया है और इस हेतु नीति भी तैयार की है। नैतिक बोध और आचारपरक सोच को पारस्परिक विश्वास और समानुभूति के आधार पर अमली जामा देना बहुत आवश्यक हो गया है। इंटरनेट के चलते सोशल मीडिया की अनियंत्रित दखल ने स्वस्थ और सुरक्षित शैक्षिक परिवेश की राह में आज बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। नैतिकता और शिक्षा प्रक्रिया (पेडागोजी) के बीच के सम्बन्ध को न्याय और ईमानदारी की भावना से दायित्व के साथ स्थापित करना आवश्यक हो गया है। सामाजिक मूल्यों और मानकों का पालन, गुणवत्तापूर्ण सीखने-सिखाने की प्रक्रिया छात्रों की आवश्यकताओं को जान कर ईमानदार और न्यायपूर्ण समाधान आज की सबसे बड़ी चुनौती हो गई है। मानवीय गरिमा का आदर स्थापित हो इसके लिए प्रभावी संचार, सामूहिक दायित्व का निर्वाह और निजता की रक्षा जरूरी होगी। आज के संदर्भ में अध्यापन, मूल्यांकन और अभिव्यक्ति आदि शिक्षा के विभिन्न पक्षों में प्रौदयोगिकी का समुचित उपयोग करने की प्रभावी नीति तात्कालिक आश्वश्यकता है। प्राथमिक स्तर से ले कर उच्च शिक्षा तक का शिक्षा-संदर्भ निजी, सरकारी और अर्ध सरकारी संस्थाओं की श्रेणियों में बँटा हुआ है और इनमें भी भयानक स्तर भेद हैं। इनके कायदे-कानून, अध्यापकों को मिलने वाले अवसर, कार्यभार और वेतन आदि में बड़े भेद और विसंगतियां बनी हुई हैं । केंद्रीय महत्व का होने पर भी बहुत कम संस्थाओं में अध्यापक का स्वायत्त अस्तित्व होता है अन्यथा वह राजनीति, शासन, प्रशासन पर आश्रित रहता है। आज अधिकांश शिक्षा संस्थाएं तदर्थ (एडहाक) अध्यापकों के भरोसे चल रही हैं और खोखली हो रही हैं। शिक्षा नीतिझ2020 के महत्वाकांक्षी स्वप्न को आकार देने के लिए अध्यापकों की स्थायी व्यवस्था जरूरी होगी। पूरी शिक्षा व्यवस्था जिस तरह व्यवसायीकरण की चपेट में है उसका हिंसक परिणाम कोचिंग नगरी कोटा की कथा से उजागर होता है जहां विद्यार्थियों में आत्म हत्या की प्रवृत्ति फैल रही है या फिर अव्यवस्थित कोचिंग संस्थानों में लगी आग में विद्यार्थी झुलसते-मरते हैं।

लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।

शिक्षक का जीवन राष्ट्र के लिए अतुलनीय पाथेय

व्यक्ति जीवन भर शिक्षा ग्रहण करता है, तब भी शिक्षा का कोई न कोई अध्याय अधूरा ही रह जाता है। लेकिन भारत के राष्ट्र निमार्ता कहे जाने वाले शिक्षक अपने शिष्य में अपनी छवि का दर्शन देखना चाहते हैं। शिक्षक वही है, जो अपने अनुसार देश का चरित्र निर्माण कर सके। अपने देश के संस्कारों को देश की भावी पीढ़ी में उतार सके। शिक्षा वही सार्थक होती है, जो अपने देश के लिए चरित्रवान समाज और सकारात्मक सोच का निर्माण कर सके। भारत में अभी तक जो शिक्षा दी जा रही थी, उसमें भारत के मानबिन्दुओं का उपहास उड़ाया गया और विदेशियों का गुणगान किया गया। इसमें ऐसे भी विदेशी शामिल किए गए, जिन्होंने भारतीयता को नष्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ऐसे चरित्रों के पठन पाठन से ही आज की पीढ़ी भारत के संस्कारों से दूर होती जा रही है। लेकिन हमारे देश के शिक्षकों को भी यह समझना चाहिए कि छात्रों को क्या शिक्षा दी जाए। हमारे देश में शिक्षाविद् डॉ. राधाकृष्णन के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है, लेकिन आज के विद्यार्थियों को यह भी नहीं पता होगा कि डॉ. राधाकृष्णन जी के जीवन शिक्षकों के लिए एक आदर्श है, एक पाथेय है। जिस पर चलकर हम शिक्षक की वास्तविक भूमिका का सही ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। उनके जीवन पर एक नजर डालते हैं। सन 1962 में जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के राष्ट्रपति बने, तब उनके कुछ विद्यार्थी उनके पास उनका जन्मदिन मनाने की स्वीकृति लेने गए। उस समय राधाकृष्णन जी ने कहा मेरा जन्मदिन मनाने के बजाय 5 सितंबर शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए तो मुझे अति प्रसन्नता एवं गर्व महसूस होगा। डॉ. राधाकृष्णन का शिक्षकों के बारे में मत था कि शिक्षक वह नहीं जो छात्र के दिमाग में तथ्यों को जबरन ठूंसे। वास्तविक शिक्षक तो वह है जो छात्र को आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करे। आज की शिक्षा चुनौतियों को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि जीवन में पैसे कैसे कमाए जाते हैं, इसे ही ध्यान में रखकर दी जा रही है। कहा जा सकता कि जो शिक्षा दे रहे हैं, वे इसे व्यवसाय मान रहे हैं और जो ग्रहण कर रहे वे इसे आय प्राप्त करने का साधन। ऐसी शिक्षा चरित्र का निर्माण नहीं कर सकती। इसलिए शिक्षकों को चाहिए कि वे छात्रों को ऐसी शिक्षा भी दें, जो उनके जीवन को संवार सके। क्योंकि जिस शिक्षा से संस्कारों का निर्माण होता है, वही जीवन के काम आती है। शिक्षा वही सार्थक होती है, जो जीवन में नैतिक मूल्यों का विकास करे, इसके साथ ही सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति कर्तव्य पालन का बोध कराए। राष्ट्रीय दायित्व का बोध केवल इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों के अध्ययन और अध्यापन से ही हो सकता है। वर्तमान में यह देखने में आ रहा है कि हम शिक्षा तो ग्रहण कर रहे हैं, लेकिन पिछले पाठों को भूलते जा रहे हैं। इसका एक मूल कारण हमारे देश की शिक्षा नीति भी रही है। आज से 75 वर्ष पूर्व जब हमारा देश स्वतंत्र हुआ, तब हमारी शिक्षा नीति को भारतीय बनाने पर जितना जोर दिया जाना चाहिए, उतना नहीं दिया गया। शिक्षा के क्षेत्र में हम पूरी तरह से भटक गए। इसलिए आज की पीढ़ी में न तो भारतीय संस्कारों का बोध है और न ही नैतिकता के जीवन मूल्य ही हैं। हम भली भांति जानते हैं कि पुरातन काल में भारतीय गुरुकुलों में जो शिक्षा प्रदान की जाती थी, वह निश्चित रूप से बच्चों का समग्र विकास करने वाली ही थी। इतना ही नहीं वह शिक्षा विश्व स्तरीय ज्ञान का द्योतक भी थी, इसलिए विश्व के कई देश भारत के शिक्षालयों में ज्ञान और विज्ञान की उच्चस्तरीय शिक्षा ग्रहण करने आते थे। हमें अब उसी शिक्षा पद्धति की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। अभी भारत सरकार ने इस दिशा में सार्थक कदम बढ़ाया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इंडिया को भारत बनाने में सकारात्मक सिद्ध होगी, यह संकेत दिखाई देने लगे हैं। शिक्षकों को भी चाहिए कि वह इस नीति को आत्मसात कर बच्चों के भविष्य को वह दिशा प्रदान करें जो विश्व के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है। जिनकी याद में हम शिक्षक दिवस मनाते हैं, वे चाहते थे कि शिक्षा विद्यार्थियों को सही और गलत का बोध कराने वाली होना चाहिए। वास्तव में डॉ. राधाकृष्णन जी भारतीय संस्कृति के संवाहक थे। उन्होंने अपने लेखों और प्रबोधन के माध्यम से भारतीय संस्कृति की सुगंध को हमेशा ही प्रवाहित किया। एक बार शिकागो विश्वविद्यालय में उनको धर्म पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया। जहां उन्होंने भारत के ज्ञान के बारे में प्रेरणास्पद उद्बोधन दिया। इस उद्बोधन के बाद डॉक्टर राधाकृष्णन जी की ख्याति वैश्विक धरातल पर और भी बढ़ती चली गई और इसी कारण उन्हें भारत एवं अन्य देशों की प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया। उसके बाद विश्व में भारत का गौरव गान होने लगा। उनके भाषणों में सिर्फ भारत ही होता था। वह जब बोलते थे तब ऐसा लगता था कि यही भारत की वाणी है। वह वास्तव में भारत रत्न थे। इसलिए भारत सरकार ने सन 1954 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया। शिक्षा अत्यंत ही अनमोल एवं मूल्यवान है। जिससे विद्यार्थी अपने स्वयं के ज्ञान का विस्तार तो करता ही है, साथ ही देश को भी मजबूत करता है। डॉ. राधाकृष्णन ने अपनी पुस्तक आधुनिक भारत के राजनीतिक विचारक में भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में शिक्षकों और शिक्षा के महत्व को बताया है। डॉक्टर राधाकृष्णन के अनुसार शिक्षक देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इसी वजह से हुए अधिक सम्मान के योग्य होते हैं। भारत में सनातन काल से गुरु और शिष्य का संबंध समर्पण की भावना से परिपूर्ण रहा है। गुरु देश के भविष्य को संवारता है। वर्तमान पीढ़ी देश का भविष्य है। गुरु जैसे संस्कार युवा पीढ़ी को देंगे वैसा ही देश का चरित्र बनेगा।

राष्ट्र के प्रकाश स्तंभ होते हैं शिक्षक

शिक्षक हर व्यक्ति के जीवन की रीढ़ होते हैं। शिक्षक ही है जो विद्यार्थियों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। सही रास्ता दिखाता है। गलत करने से रोकता है। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। शिक्षकों का सम्मान नहीं करने वाले जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ सकते। शिक्षक बच्चों के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र निःस्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं। शिक्षक बच्चों के जीवन के वास्तविक निमार्ता होते हैं, जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं, बल्कि इस काबिल बनाते हैं कि वह पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश बिखेरते रहें। शिक्षक समाज में प्रकाश स्तंभ की तरह होता है, जो अपने शिष्यों को सही राह दिखाकर अंधेरे से प्रकाश की और ले जाता है। शिक्षकों के ज्ञान से फैलने वाली रोशनी दूर से ही नजर आने लगती है। इस वजह से हमारा राष्ट्र ढेर सारे प्रकाश स्तंभों से रोशन हो रहा है। इसलिए देश में शिक्षकों को सम्मान दिया जाता है। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच के रिश्तों को सुदृढ़ करने को शिक्षक दिवस एक बड़ा अवसर होता है। दुनिया के एक सौ से अधिक देशों में अलग-अलग समय पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। भारत में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिन पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह क्रम 1962 से चल रहा है। उन्होंने अपने छात्रों से अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा जताई थी। कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है। हमारे जीवन में सबसे पहली गुरु तो मां होती है जो हमें जन्म लेते ही हर बातों का ज्ञान कराती है। मगर विद्यार्थी काल में बालक के जीवन में शिक्षक एक ऐसा गुरु होता है जो उसे शिक्षित तो करता ही है साथ ही उसे अच्छे बुरे का ज्ञान भी कराता है। पहले के समय में तो छात्र गुरुकुल में शिक्षक के पास रहकर वर्षों विद्या अध्ययन करते थे। उस दौरान गुरु अपने शिष्यों को विद्या अध्ययन करवाने के साथ ही स्वावलंबी बनने का पाठ भी पढ़ाते थे। इसीलिए कहा गया है कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए। गुरु का स्थान ईश्वर से भी बड़ा माना गया है, क्योंकि गुरु के माध्यम से ही व्यक्ति ईश्वर को भी प्राप्त करता है। हमारे जीवन को संवारने में शिक्षक एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता प्राप्ति के लिए वो हमें कई प्रकार से मदद करते है। जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढालते है। कबीर दास ने शिक्षक के कार्य को इन पंक्तियो में समझाया हैः- ह्लगुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट, अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट ह्व कबीर दास कहते हैं कि शिक्षक एक कुम्हार की तरह है और छात्र पानी के घड़े की तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है। डॉ. राधाकृष्णन का जन्म पांच सितंबर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। उन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन में गुजारे।उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुआ था। राधाकृष्णन ने 1909 में चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन में प्रवेश करने के साथ ही दर्शनशास्त्र शिक्षक के रूप में अपने करियर की शुरूआत की थी। उन्होंने बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों और लंदन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र पढ़ाया था।

जी-20 पर मोर्चाबंदी

जहां एक तरफ नई दिल्ली में जी-20 शिखर बैठक की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर वैश्विक शक्तियों का समीकरण भी ठोस रूप लेता दिख रहा है। इस लिहाज से पिछले कुछ दिनों का घटनाक्रम अहम माना जा रहा है। पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में हुए ब्रिक्स देशों की शिखर बैठक के बाद कुछ संकेत ज्यादा स्पष्ट हुए हैं। उस शिखर बैठक से पहले भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव कम करने के लिए सहमति तलाशने की कोशिशें तेज होती नजर आई थीं। मकसद यह माना जा रहा था कि दोनों देशों के सर्वोच्च नेताओं की मुलाकात को ज्यादा से ज्यादा अर्थपूर्ण बनाया जाए। उन वाताओं के नाकाम होने के बाद जोहानिसबर्ग में दोनों नेता मिले जरूर, लेकिन उसे द्विपक्षीय बातचीत का दर्जा नहीं मिल सका। खैर, उम्मीद थी कि उसके बाद सितंबर में पहले जकार्ता में होने वाली आसियान देशों की शिखर बैठक में और फिर नई दिल्ली की जी-20 शिखर बैठक में जब दोनों नेता मिलेंगे तो वार्ता आगे बढ़ेगी। दिलचस्प है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो अपनी तमाम व्यस्तताओं के बीच भी इंडोनेशिया की आसियान शिखर बैठक में भागीदारी सुनिश्चित बनाए रखी, वह 6 सितंबर को जकार्ता रवाना होने वाले हैं, लेकिन चीन ने स्पष्ट कर दिया है कि शी चिनफिंग न तो जकार्ता जाएंगे और न ही नई दिल्ली के जी-20 शिखर सम्मेलन में शिरकत करेंगे। उधर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर हुई बातचीत में अफसोस जता चुके हैं कि वह जी-20 बैठक के लिए नई दिल्ली नहीं आ पाएंगे। इसके बाद पूतिन ने टीवी पर प्रसारित एक भाषण में कहा कि वह जल्दी ही पेइचिंग जाने की सोच रहे हैं। उसी भाषण में उन्होंने कहा कि शी उन्हें अपना दोस्त कहते हैं और वह भी उन्हें अपना दोस्त बताने में खुशी महसूस करते हैं। इस वक्तव्य की अहमियत का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि पूतिन का यह भाषण प्रसारित होने के कुछ घंटों के अंदर ही वाइट हाउस ने बयान जारी कर बताया कि राष्ट्रपति बाइडेन 7 सितंबर को ही दिल्ली पहुंचेंगे और 8 सितंबर को पीएम नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक में शिरकत करेंगे।

Social Media Corner

सच के हक में...

आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ध्यान मुद्रा में बैठी प्रतिमा के अनावरण और अलग-अलग मुद्राओं में उनकी मूर्तियों से युक्त गांधी वाटिका के उद्घाटन समारोह में शामिल होकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। इस अवसर पर मैं, शांतिदूत और पूरी मानवता के हित में आजीवन समर्पित रहने वाले, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को सादर नमन करती हूं।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ट्विटर अकाउंट से)

झारखण्ड देश का पहला राज्य बना है जहां अति संवेदनशील आदिवासी समाज (पीवीटीजी) के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु मुफ्त आवासीय कोचिंग उपलब्ध करायी जा रही है। मुख्यमंत्री पशुधन, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन, सावित्रीबाई किशोरी समृद्धि, मुख्यमंत्री सारथी जैसी विभिन्न योजनाओं से हम राज्यवासियों को जोड़ रहे हैं। यहां साहिबगंज में डेयरी प्लांट का भी हमने शुरूआत की है। आप सभी दुग्ध उत्पादकों को जो फेडरेशन से जुड़े हैं उन्हें 3 रुपये प्रति लीटर का अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि भी राज्य सरकार द्वारा दी जा रही है। आप आगे बढ़े यही हमारी कोशिश है।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

BRIEF NEWS

पुटिदा में टूटकर गिरा बिजली का तार

CHAIBASA : सदर प्रखंड अंतर्गत पुटिदा में एलटी लाइन का तार सोमवार सुबह टूटकर गिर गया। तार गिरने से स्थानीय लोगों में भय व्याप्त है। एलटी तार में करंट होगा तो यहां कभी भी कोई बड़ी घटना घट सकती है। इससे किसान खेत में जाने से डर रहे है। विद्युत विभाग की ओर से अभी तक संज्ञान में नहीं लिया गया है। तार जस का तस पड़ा हुआ है। यदि तार नहीं हटाया जाता है तो बड़ी घटना घट सकती है। मालूम हो कि इस क्षेत्र में पहली बार एलटी तार गिरा है। जिसके कारण लोगों में डर बन गया है। स्थानीय लोगों ने कहा कि जल्द से जल्द तार की मरम्मत कर दिया जाए नहीं तो बिजली काट कर तार को हटा दें।

पुलिस ने बाइक को मॉडिफाइड कर चलाने वालों से वसूला जुर्माना

CHAIBASA : चाईबासा शहरी क्षेत्र में मॉडिफाइड बाइक को रफ तरीके से चलाने वाले, रेकलेस ड्राइविंग करने वालों के विरुद्ध सदर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में सोमवार को सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। वाहन चेकिंग के दौरान दो बुलेट मोटरसाइकिल को जब्त कर थाना लाया गया है। जप्त बुलेट मोटरसाइकिल के चालक द्वारा मोटरसाइकिल के साइलेंसर को बदलकर अत्यधिक आवाज करने वाला साइलेंसर लगाया गया था। जो मोटरवाहन अधिनियम के अंतर्गत अवैध है। जब्त वाहन के विरुद्ध एमवी एक्ट के सुसंगत धाराओं के अंतर्गत विधिसम्मत कानूनी कार्यवाही करते हुए मोटरसाइकिल के मोडिफाइड साइलेंसर को भी बदलवाया गया। सदर थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार ने कहा कि शहरवासियों से चाईबासा पुलिस अपील करती है कि ट्रैफिक नियमो का अनुपालन करे। दो पहिया या चार पहिया वाहन को मोडिफाइड न करें। प्रेसर हॉर्न का प्रयोग न करें। लापरवाही पूर्ण वाहन न चलाए, चार पहिया वाहनों में ब्लैक फिल्म न लगाएं, अपने नाबालिग बच्चों को दो पहिया/ चार पहिया वाहन चलाने को न दें। अन्यथा नाबालिग के साथ-साथ उनके अभिभावकों के विरुद्ध भी विधिसम्मत कानूनी कार्यवायी की जाएगी।

बाईपास सड़क निर्माण के विरोध में चलाया गया जागरुकता अभियान

CHAIBASA : एनएच 75 ई के तहत चाईबासा बाईपास सड़क निर्माण से विस्थापित होने वाले पुटीदा गांव के आदिवासी मूलवासी ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए झारखंड पुनरूत्थान अभियान ने सोमवार से जागरुकता अभियान चलाया। ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए अभियान के मुख्य संयोजक सन्नी सिंकु ने कहा कि पश्चिम सिंहभूम जिला अनुसूचित जिला है। इस जिला में केंद्र प्रायोजित योजना हो या राज्य प्रायोजित पारंपरिक ग्रामसभा से लिखित सहमति लेने के बाद ही सर्वे और निर्माण का कार्य करना चाहिए। इसके पहले राज्यपाल और आदिवासी कल्याण मंत्री से सहमति लेना चाहिए। क्योंकि राज्यपाल अनुसूचित जिला के संरक्षक है। इस जिला में पदस्थापित अधिकारीगण सामान्य जिला के कानून व्यवस्था के अनुसार काम करते है। इसके लिए हमारे जिला के निर्वाचित जन प्रतिनिधि अत्यधिक दोषीदार है।

गुवा शहीद दिवस को लेकर विस क्षेत्र में लगातार बैठक कर रहे विधायक दीपक बिरूवा

सीएम हेमंत सोरेन देंगे शहीदों को श्रद्धांजलि, ऐतिहासिक होगा कार्यक्रम

PHOTON NEWS CHAIBASA : गुवा शहीद दिवस को ऐतिहासिक बनाने को लेकर सदर विधायक दीपक बिरूवा काफी जोरशोर में लगे हुए हैं। चूंकि शहीदों की याद में 8 सितंबर को शहीद दिवस मनाया जाना है। इसमें मुख्य रूप में झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उपस्थित होकर शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देंगे। इसका लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों को मिले इसके लिए विधायक दीपक बिरूवा लगातार अपने विस क्षेत्र में पार्टी के प्रखंड समितियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का दिशा-निर्देश दे रहे हैं। सोमवार को सदर प्रखंड अंतर्गत सरनाडीह स्थित अपने आवास पर पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के संग बैठक की। जहां शहीद दिवस को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरे दमखम के साथ अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आहवान किया।

बैठक में शामिल विधायक दीपक बिरूवा व अन्य। ● फोटोन न्यूज

इधर हाटगम्हारिया प्रखंड के हाटगम्हारिया में अपने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर इसकी तैयारी का जायजा लिया। इसके बाद टोंटो प्रखंड के लिसिया में प्रखंड अध्यक्ष रोबिन हांसदा की अध्यक्षता में बैठक कर तैयारी में जुट जाने का आहवान किया। मौके पर प्रखंड सचिव नारायण तुबिड, मंगल तुबिड के आलावा काफी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि गुवा गोली कांड के शहीदों की कुबार्नी भुलाई नहीं जाएगी। झारखंड अलग राज्य का निर्माण में उन शहीदों का अग्रणी योगदान रहा है। इस बार इसकी तैयारी व्यापक स्तर पर की जा रही है। इसके लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को तैयारी में जुट जाना है। ताकि सदर विधानसभा क्षेत्र से ज्यादा से ज्यादा संख्या में कार्यकर्ता अपनी उपस्थिति करा सके।

कार्यक्रम में इस बार ऐतिहासिक भीड़ होगी। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं के आने-जाने के लिए पर्याप्त मात्रा में वाहनों की व्यवस्था की गई। मौके पर हाटगम्हारिया के प्रखंड अध्यक्ष बलवंत गोप, जिप सदस्य प्रमिला पिंगुवा, कृष्णा कुम्हार, हरीश गागराई, देवेन देवगम, राजेश गागराई, प्रताप बिरूवा, हरिचरण बिरूवा, गुलाब सिंह चातोंबा, विनोद गोप, प्रदीप बिरूवा, विनोद पिंगुवा, विकास गुप्ता, जीवानी सिंकु, किशोर सिंकु, कुलदीप गागराई, बागुन सिंकु, सकलदीप गागराई, मुरलीधर कोड़ा, सूबेदार लागुरी, विमल सिंकु, राजेश्वर चातोंबा, टिकुन सिंकु, अर्जुन सिंकु समेत अन्य उपस्थित थे। सदर प्रखंड में प्रखंड अध्यक्ष सतीश सुंडी, जिस सदस्य राजश्री बानरा, मनोहर सुंडी, विजय बोयपाई, सेबोन बोयपाई, सुमी सिंकु, कैलाश देवगम, रंगेया सुंडी, जयधर बोयपाई, डुबलिया बारी, चंद्रमोहन देवगम, गुमदी पुरती, लेबोर सिंह आल्डा, बागुन सावैयां, गुरूचरण पुरती, मानकी कुदादा, बरेल तियु, प्रधान गोप समेत अन्य शामिल थे।

केयू के 350 शिक्षकेत्तर कर्मियों का सातवां वेतनमान लागू, कई सेवानिवृत्त

PHOTON NEWS CHAIBASA : कोल्हान विश्वविद्यालय (केयू) के शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का लंबे समय से वेतनमान लागू होने को लेकर इंतजार अब खत्म हो चुका है। लगभग 350 कर्मचारियों का सातवां वेतनमान लागू हो चुका है। अब शिक्षकों को सातवां वेतनमान के आधार पर विश्वविद्यालय की ओर से वेतन भुगतान किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से भेजे गए 350 कर्मचारियों का सातवां वेतनमान मामले पर एचआरडी ने भी स्वीकृति दे दी है। इसमें सबसे अधिक को-ऑपरेटिव कॉलेज के कर्मचारी शामिल हैं। को ऑपरेटिव कॉलेज के लगभग 60 से अधिक कर्मचारी का सातवां वेतनमान लागू हो गया है। इसमें कई कर्मचारी रिटायर भी हो चुके हैं। इसके अलावा टाटा कॉलेज चाईबासा एलबीएसएम कॉलेज

जमशेदपुर के कर्मचारी भी शामिल हैं। हालांकि इन कॉलेज के एक-दो कर्मचारियों का वेतनमान लागू नहीं हो पाया है। इसके अलावा कुछ कॉलेजों के कर्मचारियों के कागजात सही नहीं होने की वजह से रोक दिया गया है। हालांकि उनका भी वेतनमान एक माह के अंदर लागू हो जाएगा। इसमें जेएलएन कॉलेज चक्रधरपुर, वर्कर्स कॉलेज जमशेदपुर, महिला कॉलेज चाईबासा समेत अन्य कॉलेज शामिल हैं। विश्वविद्यालय के पदाधिकारी के मुताबिक लगभग सभी कर्मचारियों का सातवां वेतनमान मामला अब खत्म हो चुका है। सभी का एरियर जल्द ही विश्वविद्यालय की ओर से भुगतान कर दिया जाएगा।

लंबे समय से कर्मचारी कर रहे आंदोलन, अब मिली सफलता: कोल्हान विश्वविद्यालय से रिटायर होने वाले कर्मचारियों के अलावा वर्तमान में कार्यरत कर्मचारी पिछले कई वर्षों से अपना सातवां वेतनमान लागू करने के लिए आंदोलनरत थे। लंबे समय के बाद आखिरकार इन सभी का सातवां वेतनमान लागू हो गया। इसमें सबसे संघर्ष रिटायर्ड कर्मचार कर रहे थे। इसके अलावा कई कर्मचारी ऐसे हैं जो अब इस दुनिया में ही नहीं है। उन कर्मचारियों का भी वेतनमान विश्वविद्यालय की ओर से लागू कर दिया गया है। उनका भुगतान उनके परिजनों को मिल जाएगा। मालूम हो कि कोल्हान विश्वविद्यालय में कर्मचारी पिछले कई वर्षों से सही वेतनमान नहीं होने को लेकर पीड़ा झेल रहे थे। कुछ कर्मचारी ऐसे थे जिन्हें सिर्फ चौथा व पांचवां वेतनमान ही मिलता था। इसके कारण उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो चुकी थी। लगभग 90% कर्मचारियों का सातवां वेतनमान लागू हो चुका है। अब नियमित रूप से इन सबों का भुगतान सही तरीके से होगा।

जिले में हो रही यूरिया की खाद की कालाबाजारी दुकानदारों पर लगाया मनमानी का आरोप

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम में यूरिया खाद की कालाबाजारी शुरू हो गई है। किसान अधिक दाम पर यूरिया खरीदने को मजबूर है। यूरिया की कीमत प्रति बोरा 266.50 रुपए प्रिंट रेट है। लेकिन किसानों से 420 रुपया वसूला जा रहा है। जिला परिषद सदस्य जॉन मिरन मुंडा ने रविवार को एक खाद विक्रेता दुकान का औचक निरीक्षण किया जिसके बाद इस मामले का खुलासा हुआ। किसानों से जबरन अधिक पैसा वसूला जा रहा था।

इस पर जिप सदस्य ने कहा कि जिले में गरीब किसानों को लूटा जा रहा है। लेकिन जिला प्रशासन इस पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं कर रही है जो बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है। यदि प्रशासन की निगरानी सही होगी तो इस तरह की कालाबाजारी को रोका जा सकता है। मालूम हो कि इस मामले की शिकायत कई बार जिला कृषि कार्यालय के पास गई है लेकिन इस पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं हुई। जिसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

दुकानों का निरीक्षण करते जिप सदस्य। ● फोटोन न्यूज

अभिषेक भारती पर लगा कालाबाजारी का आरोप : खुदरा विक्रेताओं का कहना है कि चाईबासा का अभिषेक भारती यूरिया खाद का सप्लायर है। उसके द्वारा ही अधिक रेट पर यूरिया की सप्लाई की जाती है। जिसके कारण मजबूरन खुदरा विक्रेताओं को अपने दुकान से किसानों को अधिक दाम पर यूरिया बेचना पड़ रहा है। जिला परिषद सदस्य ने कहा कि अभिषेक भारती के खिलाफ जांच की मांग की है। इस मामले में जिला कृषि पदाधिकारी कालीपद महतो ने कहा कि यूरिया खाद की यदि कालाबाजारी हो रही है तो इसकी जांच की जानी चाहिए। प्रिंट रेट से ज्यादा पैसे वसूलना गलत है। इसकी जांच की जाएगी। यूरिया किसान को खेती में लाभकारी सिद्ध होती है।

भारतीय जनतंत्र मोर्चा ने महंगाई के खिलाफ किया धरना-प्रदर्शन

बढ़ती महंगाई का संबंध सीधे भ्रष्टाचार से जनता कर रही त्राहिमाम : शिव शंकर

PHOTON NEWS CHAIBASA : भारतीय जनतंत्र मोर्चा पश्चिम सिंहभूम के जिलाध्यक्ष शिव शंकर मुंडा की अध्यक्षता में सोमवार को एसडीओ कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन किया गया। धरना-प्रदर्शन में शामिल वक्ताओं ने दिनोंदिन बढ़ रही महंगाई को लेकर सरकार को जमकर कोसा। धरना को संबोधित करते हुए भारतीय जनतंत्र मोर्चा के जिलाध्यक्ष शिवशंकर मुंडा ने कहा कि झारखंड में महंगाई आम जन मानस को बेजार कर रही है। रोजमर्रा की वस्तुएं लगातार महंगी होता जा रही है। यहां के लोगो के लिए अपने परिवार का पालन पोषण करना भी दुभर होता जा रहा है। सब्जियों की कीमत हर रोज आसमान छू रही है। जनमानस की थाली में दाल और सब्जी करीब करीब गायब हो गई है। बहुत काम लोग ही चावल दल रोटी सब्जी खाने की स्थिति में है।

बैनर पोस्टर के साथ प्रदर्शन करते पार्टी के कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

मुंडा ने कहा कि झारखंड की ऐसी हालात होगी हमने परिकल्पना भी नही किया था। बढ़ती महंगाई का सीधा संबंध भ्रष्टाचार से है। राज्य में भ्रष्टाचार व्याप्त है। जिसका परिणाम स्वरूप अब डीलर और विक्रेता भी मुनाफा के लालच में जमाखोरी कर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे है। धरना प्रदर्शन के माध्यम से शिव शंकर मुंडा ने उपायुक्त के द्वारा झारखंड राज्यपाल को एक ज्ञापन देकर आग्रह किया है कि जमाखोरी करने वालों को रोका जाए। जिससे आम आदमी के जिंदगी में रोजमर्रा उपयोग होने वाली सामग्री का मूल्य नियंत्रण में रहे।

मौके पर अभय सिंह, खेत्रो खंडाइत, धीरज गोप, अरुण पाल, सुमित कुमार साहू, राजीव कुमार साहू, राकेश साहू, केंदु मुखी, अंकित कुमार गोप, अजीत कुमार साहू, गोपाल मोची, विकी गोप, मोहित पोद्दार, परमेश्वर पूर्ति समेत अन्य उपस्थित थे।

कांग्रेस जिला कमेटी ने अनुमंडल कार्यालय के समक्ष किया धरना-प्रदर्शन, कहा-

भाजपा आम जनता के साथ कर रही छल

PHOTON NEWS CHAIBASA : एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 200 रूपए की कटौती मोदी सरकार द्वारा आगामी दिनों में पांच राज्यों में होने वाले चुनाव व उसके बाद लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को लुभाने का एक राजनीतिक स्टंट है। मोदी सरकार के इस छद्म राजनीतिक स्टंट को आम जनता के बीच पदार्फाश करने के लिए सोमवार को कांग्रेस जिला कमेटी की ओर से अनुमंडल कार्यालय के समक्ष आयोजित धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला संगठन प्रभारी विजय खां ने कही।

जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास की अध्यक्षता में आयोजित धरना प्रदर्शन में मोदी सरकार के इस राजनीतिक स्टंट को आम जनता के बीच प्रभावशाली ढंग से पदार्फाश किया गया। विजय खां ने आगे कहा कि लूट भाजपा के डीएनए में मौजूद है। उनकी रॉबिनहुड की विपरीत हरकतें अमीरों को और अमीर एवं गरीबों को और गरीब बना रही है। एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 200 रूपए की कटौती मोदी सरकार द्वारा आगामी दिनों में पांच राज्यों में होने वाले चुनाव व उसके बाद लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को लुभाने का एक राजनीतिक स्टंट है।

कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसी। ● फोटोन न्यूज

मोदी सरकार के इस छद्म राजनीतिक स्टंट को आम जनता के बीच पदार्फाश करने के लिए सोमवार को कांग्रेस जिला कमेटी ने अनुमंडल कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया गया। क्या यह बात बहुत आश्चर्य की बात नहीं है, कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिन्होंने एलपीजी सिलेंडर सहित सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमत में अत्यधिक वृद्धि के कारण आमजनों की पीड़ा की कभी परवाह नहीं की और वर्षों बाद चुनाव के नजदीक आने पर रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 200 रूपए कम कर दी।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ चांपिया ने कहा कि रसोई गैस की कीमत 2014 से लगातार बढी है। पिछले 7 वर्षो में दोगुनी से ज्यादा हो गई है और 2020 से भाजपा सरकार ने सब्सिडी देने भी बंद कर दिया है। विधानसभा क्षेत्र के संगठन प्रभारी सनत चक्रवर्ती ने कहा कि पिछले साढ़े 9 वर्षो में मोदी सरकार ने रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ाकर 31.37 करोड़ लोगों को लूटा है। धरना प्रदर्शन का संचालन कांग्रेस जिला महासचिव त्रिशानु राय ने किया। वहीं धन्यवाद ज्ञापन प्रखंड अध्यक्ष चक्रधरपुर विजय सिंह सामड ने किया।

इस मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर दास, महासचिव नूतन बिरुवा, राज कुमार रजक, बालेमा कुई, सेवादल मुख्य संगठक लक्ष्मण हांसदा, युवा नेता रितेश तामसोय, प्रखंड अध्यक्ष दिकु सावैयां, शैलेश गोप, ललित दोराईबुरु, नगर अध्यक्ष मुकेश कुमार ने भी संबोधित किया।

धरना प्रदर्शन में ये थे शामिल

इस धरना- प्रदर्शन में कांग्रेस के रविन्द्र बिरुवा, लाली दास, जदुराय मुंडरी, सिकुर गोप, नारंगा देवगम, करण सिंह हेम्ब्रम, हरीश चन्द्र बोदरा, सिद्धेश्वर कालुंडिया, महेश साहू, राजेन्द्र कच्छप, विकास बिरुवा, जहांगीर आलम, विजय सिंह तुबिद, मो.साईद, शायमा तसनिम, विकास देवगम, गणेश कोड़ाह, मो.वसीम, राकेश सिंह, जयपाल बारी, रत्नाकर सुंडी, बीरेन्द्र बारी, अजय कुमार गोप, अमित बारी, पंकज शर्मा, सनातन देवगम, लागो लागुरी, हरिओम पुरती, रामचंद्र बारी, सुशील कुमार दास आदि उपस्थित थे।

मझगांव विधायक NIRAL PURTI ने की विधायक आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत

जनता के बीच पहुंचकर समस्या से रूबरू हुए विधायक, कई परेशानियों का किया समाधान

PHOTON NEWS CHAIBASA : झारखंड सरकार के सरकार आपके द्वार जैसे महत्वपूर्ण और सफल कार्यक्रम के बाद अब मझगांव विधानसभा के विधायक निरल पूर्ति ने भी विधायक आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत की है। जिसके तहत मझगांव विधानसभा के चारों प्रखंडों के सभी पंचायत के गांव टोला तक पहुंच कर लोगों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत कुमारडुंगी से की गई है। इसकी जानकारी देते हुए विधायक निरल पूर्ति ने कहा कि विधायक आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत मझगांव विधानसभा के कुमारडुंगी से की गई है। जिसके तहत अब विधानसभा के सभी प्रखंड के सभी पंचायत, वार्ड, गांव, टोला तक मैं खुद पहुंचकर लोगों की समस्या का समाधान करूंगा। जनता ने जिस विश्वास के साथ हमें प्यार और स्नेह दिया है। इस तरह एक संकल्प लेकर लोगों के सभी समस्या का समाधान करने का प्रयास करूंगा। इसी के तहत यह कार्यक्रम शुरू की गई है।

कार्यक्रम में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़ व संबोधित करते विधायक। ● फोटोन न्यूज

सोमवार को कुमारडुंगी प्रखंड के एक दर्जन गांव का दौरा कर जनता के बीच पहुंचकर उनके समस्या को जाना, जहां भी जरुरत हुई संबंधित विभाग से संपर्क कर लोगों के समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया गया। यह अभियान लगातार जारी रहेगा। जिससे प्रत्येक व्यक्ति से विधायक खुद मिलेंगे और उनकी समस्या का समाधान करेंगे। यह एक प्रकार का नया प्रयोग है। जिनके द्वारा लोगों को अपनी समस्या लेकर विधायक के घर नहीं आना पड़े, जनप्रतिनिधि होने के नाते विधायक खुद ही जनता के पास पहुंचकर उनकी समस्या का समाधान करेंगे। जिस प्रकार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच ने लाखों लोगों को सीधा लाभ पहुंचाया है। उसी के तर्ज पर विधायक आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जनता के बीच पहुंचकर उनके समस्या का समाधान करना और सरकार के द्वारा दी जा रही है लाभ को उन तक पहुंचाना हमारा मकसद है। जिप सदस्य रोशन पाट पिंगुआ, प्रमुख प्रियंका हेंब्रम, मथुरा कोडाकेल, सुशील गोप समेत अन्य मौजूद थे।

शिक्षक सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

PHOTON NEWS GAYA : गया के कटारी हिल रोड में स्थित नरोमा हॉस्पिटल की तरफ से सेरेमोनिया बैंक्विट हॉल में शिक्षक सम्मान समारोह का किया गया आयोजन किया गया। इस मौके पर मगध प्रमंडल के कई जाने-माने शिक्षाविद समेत गणमान्य शिक्षक शामिल हुए। इस मौके पर मौजूद नारोमा हॉस्पिटल के हड्डी रोग स्पेशलिस्ट डॉक्टर डॉक्टर संजय कुमार ने बताया कि शिक्षक दिवस की एक दिन पहले 300 से अधिक शिक्षकों को सम्मान देने का काम किया गया है उन्होंने बताया शिक्षकों का जो योगदान समाज के हित के लिए होता है वह अतुलनिय है। शिक्षक वह आईना होता है जो बच्चों को उसके भविष्य को दिखाकर उसे आगे बढ़ाते हुए उसके उज्जवल भविष्य को बनाता है। वही डॉक्टर संजय कुमार ने आगे कहा कि ऐसे शिक्षक जो गया जिले के साथ-साथ औरंगाबाद जिले में शिक्षा बाँट रहे हैं वैसे शिक्षकों को चिन्हित कर आज मोमेन्टो देकर शाल उड़ाकर किया गया सम्मानित । वही इस सम्मान समारोह के पहले गुरु गोष्ठी का भी आयोजन किया गया गुरु गोष्ठी के दौरान कई गणमान्य शिक्षकों ने आज के शिक्षा की हालत पर चर्चा करते हुए अपनी राय रखी शिक्षकों ने कहा आज जिस तरीके से शिक्षा विभाग के अपर सचिव का फरमान आ रहा है उससे कहीं ना कहीं शिक्षक मर्माहत है मगध कोचिंग एसोसिएशन से जुड़े पदाधिकारी ने भी अपनी बातों को रखते हुए कहा के के पाठक जो भी फैसला ले उससे पहले एक बार शिक्षकों की टोली से राय मांगनी चाहिए।

कार्यक्रम में सम्मानित करते अतिथि।

सीधे-सीधे फरमान जारी कर रहे हैं जिससे कि वैसे शिक्षक जो शिक्षा के बल पर ही अपने पूरे परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं उन शिक्षकों को खासा नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ लोकगीत की भी प्रस्तुति छात्राओं के द्वारा दी गई है। शिक्षक सम्मान समारोह को सफल बनाने में राजेश यादव, महावीर स्कूल के पूर्व प्राचार्य एसएन सिंह, सुरेंद्र स्वराज, शिक्षक उपेंद्र कुमार, पवन त्रिपाठी के साथ-साथ नारोमा हॉस्पिटल के सारे सदस्यों ने अहम भूमिका निभाई है। इस दौरान पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया।

निलेश मुखिया हत्याकांड: गोरख राय करेगा सरेंडर

राजनीतिक छवि खराब होने का है डर, कुर्की से बचने के लिए भी आत्मसमर्पण जरूरी

पटना। निलेश मुखिया हत्याकांड मामले में नामजद 3 भाइयों में गोरख राय आत्मसमर्पण करने की फिराक में है। इस मामले में गोरख राय के साथ पप्पू राय और धप्पू राय नामजद अभियुक्त हैं। फिलहाल पप्पू राय और धप्पू राय अंडर ग्राउंड हैं। गोरख राय के बेहद करीबी और प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी चलाने वाले ने बताया कि गोरख राय के आत्मसमर्पण के पीछे 2 कारण है। 1. इन तीनों भाइयों का मकसद है राजनीति करना। चुनाव लड़ना। निलेश मुखिया से भी चुनावी रंजिश थी। इस हत्याकांड के बाद जैसे ही इन तीनों भाइयों का नाम इसमें आया। ये तीनों अंडरग्राउंड हो गए। अब पुलिस ने पोस्टर भी चस्पा कर दिया है। अब इनको लगने लगा है कि लोगों को भी ऐसा ना लगने लगे कि हम ही गुनेहगार हैं और भाग रहे है। गोरख का पहले से कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। इसलिए गोरख को आत्मसमर्पण कराने की तैयारी हो गई है। ताकि लोगों में ये संदेश जाए कि ये तीनों भाई कानून के साथ खड़े हैं। फरार नहीं हैं। 2. अगस्त 31 को पुलिस ने इन तीनों के घर पर पोस्टर चस्पा कर दिया है। अब अगर इन भाइयों ने आत्मसमर्पण नहीं किया तो 7 दिन के बाद पुलिस कोर्ट से कुर्की जब्ती का वारंट निकाल कर इन तीनों भाइयों के घर की कुर्की करेगी। अब कुर्की से बचने के लिए आत्मसमर्पण करना जरूरी है। 31 जुलाई को बाइक सवार शूटरों ने निलेश मुखिया को उनके दफ्तर के ही पास गोली मार दी थी। पटना में इनका इलाज कराया जा रहा था। हालत बिगड़ने पर 7 अगस्त को उन्हें एयर एंबुलेंस से दिल्ली एम्स ले जाया गया। दिल्ली एम्स में इलाज के दौरान 23 अगस्त की सुबह उनकी मौत हो गई। हत्या के मामलों की जांच करते हुए पुलिस ने 14 अगस्त को उन्हें गोली मारने वाले 2 शूटरों मो. राजा और शाहनवाज को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जांच में पता चला कि इन्हें हत्या के लिए सुपारी दी गई थी। हत्या की सुपारी इमरान ने ली थी। इसके बाद इमरान, उसके भाई क्योस खान, अरवाज, अजहर, मो. मुन्ना और शाहनवाज ने घटना को अंजाम दिया था। इमरान को पप्पू, धप्पू और गोरख ने ही 10 लाख की सुपारी दी थी। एक महीने बाद भी सभी नामजद फरार हैं। हत्या की घटना के बाद से तीनों नामजद सहित सात आरोपी अब तक फरार चल रहे हैं। आरोपी को गिरफ्तार करने की कड़ी में हत्याकांड में नामजद आरोपी तीन भाइयों पप्पू राय, धप्पू राय और गोरख राय के घर पर गुरुवार 31 अगस्त को इश्तेहार चस्पा किया गया। दीघा थाना क्षेत्र के कुर्जी गेट नंबर 65 स्थित उनके घर पुलिस ढोल नगाड़ा बजाते हुए पहुंची। वहां कोर्ट से निर्गत नोटिस पढ़ा गया। इसके बाद इश्तेहार चस्पा कर दिया गया। पुलिस ने कुर्जी मोड़ पर भी ढोल नगाड़ा बजाकर नोटिस पढ़ा। पाटलिपुत्र थाना के थानाध्यक्ष एसके शाही ने कहा कि इसके बाद भी आरोपी अगर सरेंडर नहीं करते हैं तो कोर्ट से कुर्की जब्ती का वारंट लिया जाएगा। 1 अगस्त को निलेश मुखिया की पत्नी सुचित्रा सिंह ने हत्याकांड के खिलाफ कैंडल मार्च निकाला। पत्नी सुचित्रा देवी के साथ सैकड़ों की संख्या में उनके समर्थक कैंडल मार्च में शामिल रहे। इस मार्च में दीघा के बीजेपी विधायक संजीव चौरसिया भी मौजूद रहे थे।

संक्षिप्त डायरी

मोतिहारी में मारवाड़ी युवा मंच की बैठक

मोतिहारी । चकिया में समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लेकर शहर स्थित मारवाड़ी धर्मशाला में प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के बैनर तले एक बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता नमन कनोडिया ने की, जबकि संचालन श्रवण मोदी ने किया। प्रदेश स्तरीय मंच की दूसरी बैठक में कार्यकारिणी सदस्यों और मनोनीत अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप सिंधी सहित अन्य ने दीप प्रचलित कर की। प्रदेश अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि मारवाड़ी युवा मंच एक सशक्त सामाजिक संगठन है जो प्राकृतिक आपदाओं में रंग भेद व सामाजिक ताना-बाना से ऊपर उठकर पीड़ितों के सेवा के अलावा सामाजिक संरचना की दिशा में रक्त संग्रह, फ्री हेल्थ चेकअप शिविर, सहित अन्य सामाजिक उत्थान की दिशा के लिए कार्य करती है। यह संगठन स्वयं को दीपक की तरह जलकर समाज में रोशनी फैलाने का काम करता है। दूसरी तरफ प्रदेश स्तर पर आये कार्यकारिणी के सदस्यों व अन्य के साथ एक बैठक हुई, जिसमें मंच को और सशक्त बनाने के लिए बहुत सारे बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कई महत्वपूर्ण निर्णय भी सर्वसम्मति से लिया गया। जिससे संगठन को मजबूत करते हुए आगे बढ़ाया जा सके ताकि समाज का इस संगठन से और भला हो सके।

पूर्णिया में अपराधियों ने किराना दुकानदार को मारी गोली

पूर्णिया । रविवार की देर रात अपराधियों ने छिनतई के दौरान किराना दुकानदार को गोली मार दिया। घायल किराना दुकानदार का इलाज पूर्णिया जीएमसीएच में चल रहा हैं। घटना जानकीनगर थाना क्षेत्र के चकमका मार्केट के पास की है। घायल किराना दुकानदार जानकीनगर थाना क्षेत्र के मिचार्बाड़ी उत्तर टोला वार्ड नंबर 2 निवासी संत लाल यादव के पुत्र सुधांशु यादव (45) के रूप में की गई है। घटना के बारे में घायल सुधांशु यादव ने बताया कि चकमका में कई सालों से किराना दुकान चलाते हैं। रोज के तरह रविवार रात 09.30 बजे में किराना दुकान दुकान बंद कर भाई के साथ बाइक से घर जा रहे थे। इसी दौरान चकमका मार्केट से दूर पोखर के पास अपाची बाइक पर सवार तीन नकाबपोस अपराधियों ने बाइक रोक पैसे की मांग की। इसी दौरान शर्ट के पैकेट में रखा 250 रुपए दे दिया। इसके बाद भी अपराधी नहीं माने। झोले में रखे 70 हजार रुपए और दो मोबाइल छीन लिया और फायरिंग कर दिया। उसके बाद पूरब के तरफ बाइक सवार अपराधी भाग गए। गोली दाहिने जांघ में लगी है। गोली की आवाज की सुनकर स्थानीय लोग दौड़कर आए और इलाज के लिए बनमनखी अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए पूर्णिया जीएमसीएच में भर्ती कराया गया। वहीं घटना की जानकारी जानकीनगर थाने को दिया गया है। मामले को लेकर पूर्णिया जीएमसीएच इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर सिद्धार्थ सोहन ने बताया कि घायल सुधांशु यादव को छिनतई के दौरान बाइक सवार अपराधियों ने गोली मार दी है। गोली घायल के दाहिना जांघ फंसी हुई है। गोली आसानी से निकल जाएगा। घायल खतरे से बाहर है। फिलहाल पूर्णिया जीएमसीएच में ही घायल का इलाज चलेंगे।

पोखराम में जलजमाव की समस्या

दरभंगा । बिरौल प्रखंड स्थित पोखराम गांव में बारिश की वजह से जगह-जगह सड़क पर जलजमाव हो गया है। इससे गांव की स्थिति नारकीय हो गयी है। पोखराम चौक के समीप लदहो जाने वाली सड़क पर कई दिनों से जलजमाव के कारण अब उससे बदबू आने लगी है। मजबूरन लोग नाक मुंह बंद कर गंदे पानी से होकर आने-जाने को मजबूर हैं। सबसे समस्या छोटे-छोटे बच्चों को विद्यालय पढ़ने जाने व कोचिंग करने वालों को हो रही है। हल्की बारिश होने पर भी यहां घुटना भर सड़क पर पानी लग जाता है। पोखराम गांव में अन्य जगहों के सड़कों पर लगातार जलजमाव रहता है। मुख्य पथ सिसौनी- शंकर रोहार जाने वाली सड़क में भी पोखराम में यही स्थिति है। ग्रामीण राम चौधरी और गनदेव चौधरी ने बताया कि पोखराम चौक पर महीना भर से बारिश का पानी सड़क पर जमा है। लोग किसी तरह आवागमन कर रहे हैं। नाला का निर्माण होने से सड़क पर जलजमाव की स्थिति नहीं रहेगी। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि आमजन के साथ-साथ स्कूली बच्चों के लिए बड़ी जटिल समस्या बनी हुई है। सड़क पर अधिक दिनों से पानी जमा रहने से बदबू आने लगी है। इस समस्या पर जनप्रतिनिधियों को ध्यान देना चाहिए, इस संबंध में बीडीओ प्रेम सागर मिश्र ने बताया कि पोखराम गांव में सड़क पर जल जमाव से लोगों की परेशानी को देखते हुए इसके निदान के लिए पहल की जा रही है।

चौथे दिन भी ऑटो चालकों की हड़ताल जारी

पटना। जंक्शन स्थित टाटा पार्क ऑटो स्टैंड को हटाने ऑटो चालकों की हड़ताल सोमवार को भी जारी है। ऑटो चालक पटना जंक्शन के फुटपाथी दुकानदारों के साथ सीएम नीतीश के घेराव करने की बात कही है। सुबह से ही पूर्वी क्षेत्र में ऑटो चलाने वाले ड्राइवर पटना जंक्शन के पास पहुंच गए हैं। मोतिहारी से परीक्षा देने आए चंदन कुमार ओझा पटना जंक्शन उतरते ही काफी परेशान दिखे। उनका कहना है कि 12:00 बजे से परीक्षा शुरू हो जाएगी और 11:00 बजे तक एंट्री है।

समझ नहीं आ रहा परीक्षा हॉल तक कैसे पहुंचे। उनका परीक्षा सेंटर पटना के 70 फीट एरिया में पड़ा है। पूर्वी क्षेत्र में ऑटो चलाने वाले सभी ऑटो को रोका जा रहा है। फुटपाथी दुकानदारों को भी अपने साथ लाने की कोशिश की जा रही है। संघ के लोग माइक से अनाउंस कर रहे हैं। फिलहाल एक-दो ऑटो पटना के पूर्वी क्षेत्र से आ रही है, जिसे पटना जंक्शन पर रोका जा रहा है। अगले कुछ घंटों में पूरी तरह से बंद हो जाएगा।

बिहार के नवादा जिले से दंपती आईजीआईएमएस अस्पताल इलाज के लिए जाना चाहते हैं। लेकिन, पटना जंक्शन उतरते ही उन्हें एक भी ऑटो रिक्शा नहीं मिल रहा। इससे उनकी परेशानी बढ़ गई है। ऑटो रिक्शा चालक संघ के अध्यक्ष पप्पू यादव ने साफ कहा है कि वह पिछले 3 दिनों से हड़ताल पर हैं। लेकिन न तो प्रशासन और न ही सरकार उनकी सुध लेने आई। उन्होंने कहा कि वो लोग तीन दिन से भूखे प्यासे सड़क पर हैं और उनके बच्चे घर पर भूखे हैं। सरकार हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही।

सीएम हाउस के घेराव के दौरान लाठीचार्ज को लेकर पप्पू यादव ने कहा कि उनके पेट पर लात मारी जा रही है, अगर पीठ पर भी पड़ती है तो कोई फर्क नहीं पड़ता है। संघ अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा कि हमारा आंदोलन चलता रहेगा। इसके बाद भी अगर कोई सुनवाई नहीं होती तो 5 सितंबर को पटना बंद करेंगे। वहीं, पटना जंक्शन के पास बन रहे ढाई एकड़ जमीन पर पार्किंग को लेकर संघ अध्यक्ष पप्पू यादव ने बताया कि नगर निगम कहती है कि ढाई एकड़ में ऑटो स्टैंड की सुविधा मुहैया करवाई जाएगी। लेकिन वो जमीन रेलवे की है और रेलवे वहां पार्किंग बनवा रहा है।

नगर निगम इसमें थोड़ी सी जगह ऑटो चालकों के लिए रखेगा। जहां से जीपीओ से फुलवारी के लिए यात्री ऑटो ले सकेंगे। इसे लेकर जब हमने नगर निगम आयुक्त अनिमेष पाराशर को कहा कि आप हमें लिखित में दीजिए कि ढाई एकड़ में बनने वाला पार्किंग ऑटो चालकों के लिए होगी, तो वो नहीं माने।

पटना समेत बिहार के 8 जिलों में झमाझम

कई जगहों पर छाए बादल, आज 18 जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट

पटना। समेत बिहार के 8 जिलों में सोमवार सुबह से झमाझम बारिश हो रही है। पटना, सीतामढ़ी, जमुई, मोतिहारी, बक्सर, शेखपुरा, जहानाबाद और नालंदा में रात से ही रुक-रुक कर बारिश हो रही है। इसके साथ ही प्रदेश के कई जिलों में सुबह से बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने आज बिहार के 18 जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट जारी किया है। वैशाली, सीतामढ़ी, जमुई, मुंगेर, बांका, भागलपुर, खगड़िया, किशनगंज समेत 18 जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार-पांच दिनों तक राज्य के कई जिलों में बारिश होगी, लेकिन साथ ही उमस भी बनी रहेगी। रविवार को पटना समेत प्रदेश के कई जिलों में दिनभर उमस भरी गर्मी रहने के बाद रात होते-होते मौसम का मिजाज बदला। रात करीब 10 बजे से झमाझम बारिश होने लगी। बारिश के साथ तेज हवा, बादलों की गड़गड़ाहट और बिजली भी चमक रही थी। मौसम में हुए बदलाव से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार अभी मानसून टर्फ रेखा हिमालय की तलहटी से होकर गुजर रही है। इसके साथ ही बंगाल की खाड़ी की ओर से एक कम दबाव का क्षेत्र भी विकसित हो रहा है। इसके प्रभाव से राज्य में कई जगहों पर नमी जैसी स्थिति भी बन रही है। तापमान और नमी का प्रवाह बढ़ने से कुछ जगहों पर वज्रपात की घटनाएं संभावित है। हालांकि, फिलहाल राज्य में कहीं भी भारी बारिश की स्थिति बनती नहीं दिख रही है। बिहार में पिछले 24 घंटे के दौरान पश्चिम चंपारण में ज्यादा 102.4 एमएम बारिश हुई। पटना जिले में 26.4 एमएम बारिश दर्ज की गई। जबकि इस मानसून सीजन में अभी तक राज्य भर में 577.5 एमएम बारिश हुई है। यह सामान्य बारिश के लक्ष्य 795.9 एमएम के मुकाबले 27% कम है। मौसम विभाग की माने तो अगले 4-5 दिनों तक बिहार में बारिश होती रहेगी।

गड्ढे में तब्दील हुई सड़क: बांध रोड को चाहिए मेंटेनेंस

मुजफ्फरपुर। बारिश व जलजमाव की वजह से पहले से जर्जर अखाड़ाघाट-लकड़ीढाई बांध रोड की गिट्टियां अब सड़क छोड़ रही हैं। जगह-जगह सड़क पर गिट्टियां बिखर गई हैं। स्थिति यह है कि अब इस सड़क से चार पहिया तो दूर, दोपहिया वाहन लेकर गुजरना भी मुश्किल हो गया है। सड़क पर बिखरी गिट्टियों के कारण पैदल चलने वालों को भी काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। अखाड़ाघाट से सिकंदरपुर तक जाम रहने की स्थिति में लोगों के लिए यही वैकल्पिक मार्ग है। लेकिन, सड़क की वर्तमान हालत की वजह से सिकंदरपुर ओपी से लेकर लकड़ीढाई तक करीब डेढ़ किलोमीटर सड़क से गुजरना राहगीरों के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। इस बांध रोड पर 20 से 25 फीट तक में 10 इंच तक गहरे गड्ढे बन गए हैं। इससे खास कर चारपहिया वाहनों का गुजरना मुश्किल हो गया है। उत्तरी क्षेत्र से शहर में आने के लिए बूढ़ी गंडक नदी पर इकलौता अखाड़ाघाट पुल होने के कारण यहां प्रतिदिन जाम की समस्या बनी रहती है। ऐसी स्थिति में जाम से बचने तथा शहर से अखाड़ाघाट पुल पर सीधे पहुंचने के लिए लोग अबतक बनारस बैंक चौक व लकड़ीढाई से होते हुए अखाड़ाघाट पुल तक की बांध रोड का उपयोग करते थे। लेकिन, पूर्व से जर्जर इस बांध रोड का बारिश ने हाल बेहाल कर दिया है। इसके कारण अब जाम की स्थिति होने के बाद भी लोग इस रास्ते से गुजरने से परहेज करने लगे हैं। इसे देखते हुए शहर के अखाड़ाघाट से लकड़ीढाई होते हुए कोठिया तक बांध की स्थिति जर्जर होने के कारण जल संसाधन विभाग ने इसकी मरम्मत व निर्माण का प्रस्ताव विभाग को भेजा है। अब इस रोड में आने से भी परहेज : अखाड़ाघाट से सिकंदरपुर तक जाम रहने पर यही है वैकल्पिक मार्ग दूसरी तरफ, सिकंदरपुर ओपी से पश्चिम की ओर जाने वाले बांध रोड की स्थिति इतनी जर्जर है कि लोग इससे नहीं गुजरते हैं। ठीक ऐसी ही स्थिति इस वैकल्पिक मार्ग का भी हो जाने से लोग अब पुल तक पहुंचने तथा यहां से निकलने के लिए गलियों से नया रास्ता ढूंढ़ने को मजबूर हैं। इस सड़क के अत्यधिक जर्जर होने के कारण प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक सरैयागंज- अखाड़ाघाट रोड पर ट्रैफिक का भारी लोड होने तथा जाम की समस्या रहने के बाद भी लोग अब यहां से गुजरने से परहेज कर रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रपति एवं महान् शिक्षाविद् , दार्शनिक स्व.डॉ राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितम्बर को यादगार दिवस के रूप में इसे शिक्षकों को समर्पित किया गया हैं। दिनोदिन शिक्षक की गरिमा उसके योगदान, महत्व का हास होता जा रहा हैं जिसके लिये कुछ तो स्वयं शिक्षक जिम्मेदार हैं तथा सम्पूर्ण समाज तो जिम्मेदार हैं ही।

शिक्षक दिवस

मिट्टी के समान शिष्य को गुरु ही शिक्षा से मानव बनाता

5 सितम्बर शिक्षक दिवस के रूप में पूरे देश में मनाया जाता हैं। प्रतिवर्ष केवल एक बार ''शिक्षक'' का स्मरण मान सम्मान औपचारिक रूप से किया जाता हैं। केवल एक दिवस के मान-सम्मान से शिक्षक पूरे वर्ष संतुष्ट एवं खुश रहने में ही अपना बडप्पन महसूस कर जीता रहता हैं। पूर्व राष्ट्रपति एवं महान् शिक्षाविद् , दार्शनिक स्व.डॉ राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितम्बर को यादगार दिवस के रूप में इसे शिक्षकों को समर्पित किया गया हैं। दिनोदिन शिक्षक की गरिमा उसके योगदान, महत्व का हास होता जा रहा हैं जिसके लिये कुछ तो स्वयं शिक्षक जिम्मेदार हैं तथा सम्पूर्ण समाज तो जिम्मेदार हैं ही।

प्राचीन समय गुरू महिमा से मंडित था । उस युग में सच्चे अर्थो में गुरू समाज निर्माता के रूप में पूजनीय था। शिक्षा व्यवस्था उच्च कोटि की थी, और शिष्य गुरू के चरणों में, गुरू एवं गुरूमाता की सेवा में रहकर अपने आप को गौरवान्वित करता था। सच्चें अर्थो में केवल किताबी ज्ञान ही नही दिया जाता था, वरन् सम्पूर्ण जीवन की विद्याओं को विकसित किया जाता था जिससे जीवन के हर क्षैत्र में कही कोई कमी या कच्चापन न रह सकें। इसका गुरू पूरा ध्यान रखता था। गुरू के चरणों में ही रहकर भगवान के अवतार श्रीराम-कृष्ण ने सम्पूर्ण जीवन की शिक्षा पाई थी। यही कारण है कि आज भी उस समय के गुरू-शिष्य संबंधो को उच्च आदर्श के रूप में देखा जाता हैं। ऐसे शिष्यों के कारण आज गुरू विश्वामित्र, सांदिपनी, द्रोणाचार्य, चाणक्य आदि को अमरत्व का दर्जा मिला हुआ हैं।

आज भी गुरू-शिष्य के रूप में विश्वामित्र-राम, सांदिपनी-कृष्ण, द्रोणाचार्य-अर्जुन-चाणक्य , रामकृष्ण परमहंस-विवेकानंद इसी गुरू शिष्य परम्परा के आदर्श उदाहरण हैं।

अर्वाचीन भारत जगत गुरू के रूप में जाना जाता हैं। इन्ही गुरूओं ने हमें वेद, पुराण, उपनिषद्, रामायण, महाभारत, गीता, कुरान, बाईबिल, गुरूग्रंथ साहिब सरीखे अमूल्य उपहार - रत्न हमें दियें हैं, जों आज हमारी ही नही विश्व-शान्ति के रूप में अपना सर्वोच्च स्थान बनाये हुए हैं।

गुरू महिमा इसी से सिद्ध होती हैं कि

'' गुरू-गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागू पांय।
बलहारी गुरू आपकी , गोविन्द दियो बताय।। अर्थात

गुरू और गोविन्द (भगवान) दोनों पास-पास खडें हैं शिष्य के मन में यह दुविधा है कि पहले किसके पांव पड़ू। ऐसी दुविधा को गोविन्द(भगवान) ने सरलता से समाधान निकाल दिया है कि पहले गुरू के श्रीचरणों में नमन करो, बाद में मेरे (गोविन्द) चरणों में नमन करो।

आज भी गुरू-शिष्य के रूप में विश्वामित्र-राम, सांदिपनी-कृष्ण, द्रोणाचार्य-अर्जुन-चाणक्य , रामकृष्ण परमहंस-विवेकानंद इसी गुरू षिष्य परम्परा के आदर्श उदाहरण हैं।

इसे कहते है '' गुरू '' गुरू को इस रूप में भी महत्व प्राप्त हैं-

साधु ऐसा चाहिये, जैसे सुप सुभाय,
सार-सार गहि लहै, थोथा देय उडाय।।

गुरू को साधु रूप में महत्व प्रदान किया गया हैं, जो सार को ग्रहण कर थोथा यानि व्यर्थ और हल्की वस्तु को उड़ा देता हैं। अर्थात् शिष्य के मन मस्तिष्क में व्यर्थ और अज्ञान को पास में फटकने नही देता।

गुरू(शिक्षक) को इस तरह भी याद किया जाता हैं-

गुरू उस कुंभकार की तरह है जो अपनी कृति(मटकी) को बाहर से चोट मारता हैं और भीतर से संभालता सहलाता हैं। गुरू अनुशासन प्रिय होता हैं। बाहर से वह कितना ही कठोर क्यों न हो भीतर से वह कुंभकार की तरह ही होता हैं। आधुनिक युग में शिक्षक (गुरू) अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा हैं, जो मान सम्मान उसे अपने शिष्य एवं समाज से प्राप्त होना चाहिये , उसके लियें वह तरस रहा हैं। अपने अल्पवेतन के सहारे अपना जीवन व्यापन करने को मजबूर हो रहा हैं। अनुशासन की छड़ी उसके हाथ से छीन ली गई हैं, जिसके कारण वह प्रायः तिरस्कृत एवं अपमानित होता हैं। आज शिक्षा का स्वरूप बदलता जा रहा हैं। आज शिक्षा बेची जा रही हैं। जगह जगह षिक्षा के नाम पर पैसे कमाने वाली मशीन की तरह गली कूंचे में शिक्षा की दुकाने खुली हुई हैं। आज शिक्षा अर्थोपार्जन का आधार बनती जा रही हैं। यही कारण हैं कि जिसके पास पैसा है वही नीजी संस्थाओं मे उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा हैं, और जो श्रीहीन हैं वे उच्च शिक्षा से वंचित हो रहें हैं।

यदि शिक्षक समाज में उचित मान सम्मान मिले, प्रोत्साहन मिलें, परिवार-पोषण की चिंता से वह मुक्त हो जाय तो वह वास्तविक रूप में राष्ट्रनिर्माता बन सकता हैं। समाज और राष्ट्र को सही दिशा दे सकता हैं, जिसकी आज समाज एवं राष्ट्र को खास जरूरत हैं।

गुरू ब्रह्मा , गुरूं विष्णु, गुरूं देवो महेश्वरः।
गुरूं साक्षत् परब्रह्माः, तस्में श्री गुरूवे नमः।।

क्या ऐसा कभी हो सकेगा कि समाज और राष्ट्र इसका उत्तर खोजेगा?

शिक्षा के इस व्यवसायीकरण के युग मे शिक्षको को भी अपने दायित्व को भली-भॉंति निर्वहन करना होगा। अपनी चिर परिचित प्रतिष्ठा और गौरव की रक्षार्थ शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका के महत्व को समझना होगा।

जीवन के सभी कार्यकलाप धर्म से ओत-प्रोत थे, धर्म से नियंत्रित थे। धर्म द्वारा, धर्म के लिए और धर्ममय जीवन शैली प्राचीन भारत की विशेषता थी। वर्तमान जीवन में राजनीति का प्रभुत्व है। धर्म, समाज, अर्थ आदि सभी में राजनीति का प्रवेश है। सभी पर राजनीति हावी है। प्राचीन युग की प्रधानता होने से राजनीति में हिंसा और शत्रुता, द्वेष और ईर्ष्या, परिग्रह और स्वार्थ का बहुल्य न होकर, प्रेम, सदाचार त्याग और अपरिग्रह महत्वपूर्ण थे। उदात भावनायें बलवती थीं। दिव्य सिद्धान्त जीवन के मार्गदर्शक थे। सामाजिक व्यवस्था में व्यक्ति प्रधान नहीं था, अपितु वह परिवार और समाज के लिए व्यक्तिगत स्वार्थ का त्याग करने को तत्पर था। उदात वृत्ति की सीमा सम्पूर्ण वसुधा थी। जीवन का आदर्श 'वसुधैवकुटुम्बकम' था।

प्राचीन भारतीय शिक्षा दर्शन

जीवन-दर्शन और शिक्षा-दर्शन के मध्य वैषम्य की कोई कल्पना नहीं की जा सकती है। वे एक-दूसरे के पूरक हैं और एक-दूसरे को प्रभावित भी करते हैं। जीवन-दर्शन की दृष्टि से प्राचीन भारतीय दर्शन के विभिन्न कालों के बीच गहरी रेखायें नहीं खींची जा सकती हैं। प्राचीन भारत की संस्कृति शाश्वत और सतत् रही है, अविभाज्य रही है। विद्वानों ने वैदिक संस्कृति से महाकाव्य (रामायण और महाभारत) कालीन संस्कृति में प्राथक्य स्थापित करने के प्रयत्न किये हैं, किन्तु बाद वाले काल में भी वैदिक संस्कृति और जीवन शैली का स्पष्ट प्रभाव है; साम्य भी है। वैदिक जीवन शैली महाकाव्यकालीन जीवन शैली में प्राचुर्य है। यह सत्य है कि रामायण और महाभारत में वर्णित कुछ जीवन पद्धतियाँ वैदिक काल में नहीं हैं। अतः वेदकालीन जीवन-दर्शन का अस्तित्व पृथक से स्वीकार किया जा सकता है। इसी तारतम्य में यदि हम महाकाव्यकालीन युग का पृथक अस्तित्व भी स्वीकार करते हैं तब भी वैदिक संस्कारों का युग में भी विद्यमान होना स्वीकार करना ही होगा।

इस परिप्रेक्ष्य में प्राचीन भारत के इतिहास को एक इकाई के रूप में होना चाहिए। इसी तारतम्य में प्राचीन भारतीय शिक्षा-दर्शन को भी सर्वप्रथम एक इकाई के रूप में ही मान्य किया जाना चाहिए। यह हो सकता है कि सूक्ष्म दृष्टि से विचार करने के लिए उपर्युक्त दोनों युगों की सीमायें निर्धारित की जायें किन्तु विशेषकर बाद वाले युग में प्रथम युग की इतनी अधिक विशेषतायें विद्यमान हैं कि दोनों युगों के जीवन-दर्शन और शिक्षा-दर्शन पर एक साथ विचार करना भी उपयोगी होगा।

प्राचीन भारतीय जीवन-दर्शन धर्ममय था। जीवन के सभी कार्यकलाप धर्म से ओत-प्रोत थे, धर्म से नियंत्रित थे। धर्म द्वारा, धर्म के लिए और धर्ममय जीवन शैली प्राचीन भारत की विशेषता थी। वर्तमान जीवन में राजनीति का प्रभुत्व है। धर्म, समाज, अर्थ आदि सभी में राजनीति का प्रवेश है। सभी पर राजनीति हावी है। प्राचीन युग की प्रधानता होने से राजनीति में हिंसा और शत्रुता, द्वेष और ईर्ष्या, परिग्रह और स्वार्थ का बहुल्य न होकर, प्रेम, सदाचार त्याग और अपरिग्रह महत्वपूर्ण थे। उदात्त भावनायें बलवती थीं। दिव्य सिद्धान्त जीवन के मार्गदर्शक थे। सामाजिक व्यवस्था में व्यक्ति प्रधान नहीं था, अपितु वह परिवार और समाज के लिए व्यक्तिगत स्वार्थ का त्याग करने को तत्पर था। उदात्त वृत्ति की सीमा सम्पूर्ण वसुधा थी। जीवन का आदर्श 'वसुधैवकुटुम्बकम' था। जीवन का उद्देश्य धर्म था। धर्ममय जीवन भौतिक उपलब्धियों से श्रेष्ठ माना जाता था।

प्राचीन भारत का शिक्षा-दर्शन भी धर्म से ही प्रभावित था। शिक्षा का उद्देश्य धर्माचरण की वृत्ति जाग्रत करना था। शिक्षा, धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के लिए थी। इनका

क्रमिक विकास ही शिक्षा का एकमात्र लक्ष्य था। धर्म का सर्वप्रथम स्थान था। धर्म से विपरीत होकर अर्थ लाभ करना मोक्ष प्राप्ति का मार्ग अवरुद्ध करना था। मोक्ष जीवन का सर्वोपरि लक्ष्य था और यही शिक्षा का भी अन्तिम लक्ष्य था। प्राचीन काल में जीवन-दर्शन ने शिक्षा के उद्देश्यों को निर्धारित किया था। जीवन की आध्यात्मिक पृष्ठभूमि का प्रभाव शिक्षा दर्शन पर भी पड़ा था। उस काल के शिक्षकों, ऋषियों आदि ने चित्त-वृत्ति-निरोध को शिक्षा का उद्देश्य माना था। शिक्षा का लक्ष्य यह भी था कि आध्यात्मिक मूल्यों का विकास हो। उस समय भौतिक सुविधाओं के विकास की ओर ध्यान देना किंचित भी आवश्यक नहीं था क्योंकि भूमि धन-धान्य से पूर्ण थी, भूमि पर जनसंख्या का भार नहीं था। किन्तु इसका यह भी अर्थ नहीं था कि लोकोपयोगी शिक्षा का आभाव था। प्रथमतः लोकोपयोगी शिक्षा परिवार में, परिवार के मध्यम से ही सम्पन्न हो जाती थीं। वंश की परंपरायें थीं और ये परम्परायें पिता से पुत्र को हस्तान्तरित होती रहती थीं। व्यवसायों के क्षेत्र में प्रतियोगिता नहीं के बराबर थीं। सभी के लिए काम उपलब्ध था। सभी की आवश्यकताएँ पूर्ण हो जाती थीं।

चाहे वैदिक युग में हो अथवा महाकाव्य काल में हो, प्राचीन भारतीय जीवन पद्धति में ऋषिगण समाज के मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक थे। वे सभी शिक्षक के समधर्मी थे। वे सदा ही आध्यात्मिक सत्ता के गुण गाते थे। उनका जीवन भौतिकता से मुक्त और आध्यात्मिकता में लिप्त रहता था। समाज को भी वे यही शिक्षा और मार्गदर्शन देते थे। वैदिक काल से प्रारम्भ होकर, महाकाव्य काल में यह जीवन-दर्शन परवान चढ़ा। इस प्रकार प्राचीन काल में भारतीय जीवन-दर्शन पूर्णतः आध्यात्मिक रहा और शिक्षा को भी यही दिशा मिली। गुरु परंपरा अत्यंत ही महत्वपूर्ण रही। वेदों का प्रादुर्भाव भी गुरु परंपरा से ही हुआ। तत्पश्चात भी शिक्षा गुरु परम्परा के माध्यम से ही दी जाती रही।

यद्यपि व्यवसायों का शिक्षण अधिकतर गृह प्रांगण में ही होता था किन्तु गुरु-गृह भी गृहस्थी की शिक्षा के समुन्नत केन्द्र थे। भारत उस काल में भी कृषि प्रधान देश था। कृषि, वनोपज और पशुपालन का शिक्षण प्रायः गुरु-गृह में निवास कर प्राप्त होता था। मानव प्रकृति की गोद से दूर नहीं रहता था। गुरु-गृह अधिकतर बस्तियों से दूर रहते थे। उनमें रहने वाले विद्याभ्यामी प्रकृति के प्रांगण में निवास करते थे, विचरते थे, शिक्षा प्राप्त करते थे और अभ्यास एवं अनुप्रयोग करते थे। चाहे धनवान-पुत्र हो या निर्धन-पुत्र, कृषि कार्य एवं वनवास और वनविचरण के कार्यों एवं प्रवृत्तियों द्वारा शिक्षा प्राप्त करते थे। दोनों ही वर्ग के शिष्यों के लिए ऐसे कार्यों द्वारा श्रम का गौरव आत्मसात करना और व्यवहार में लाना उपयोगी माना जाता था। श्रम का गौरव समाज में पूर्णरूपेण प्रतिष्ठित और महिमा मण्डित था। इसके अतिरिक्त सेवा-कार्य को भी महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त था। गुरु-गृह में गुरु, गुरु-परिवार तथा सहपाठियों की सेवा को उत्कृष्ठ कार्य माना जाता था। गुरु की गायों की सेवा भी शिष्य का कर्त्तव्य था। गुरुकुल में मानवोपयोगी पशुओं की संख्या सैकड़ों और हजारों में होती थी।

सामूहिकता का अत्याधिक महत्व था। गुरु सैकड़ों की संख्या में गौपालन इसलिए नहीं करता था कि उसे निजी लाभ हो और उसका परिवार भौतिक सुविधायें भोग सके अपितु इस उद्यम का लाभ गुरुकुल में निवास करने वाले सभी शिष्य आदिवासियों को मिलता था। छान्दोग्य उपनिषद् में महासन्त सत्यकाम की कथा का वर्णन है। प्रारम्भ में तो वे गुरु की गौवों की रक्षा में रत रहते थे बाद में उनकी देख-रेख में सहस्त्र गायों का पालन करते थे। विभिन्न प्रकार के दानों में गौदान का सार्वाधिक महत्व था। गौदान को स्वर्णदान से भी अधिक महान माना जाता था। शिक्षा की आर्थिक व्यवस्था में गोधन सर्वोपरि था। गृहस्थाश्रम के लिए उपयुक्त इस शिक्षा की पृष्ठभूमि में वही सिद्धान्त था जिसको वर्तमान में हम 'क्रिया से शिक्षा' की संज्ञा देते हैं। उच्चतम शिक्षा में भी 'शारीरिक श्रम' और 'क्रिया' का अत्याधिक महत्व था। आध्यात्मिक उन्नति में संलग्न ऋषि एवं शिष्य भी शारीरिक श्रम से दूर नहीं रहते थे।

इसका यही अर्थ है कि शिक्षा केवल सैद्धान्तिक नहीं थी।

व्यवहार और वास्तविकता का भी शिक्षा से उतना ही गहन संबंध था जितना सैद्धांतिक अध्ययन-अध्यापन का। किसी भी कार्य को छोटा नहीं समझा जाता था। ऋग्वेद में ऐसे उदाहरण हैं कि ऋषि स्वयं कवि थे, उनके पिता चिकित्सक थे, उनकी माता उपल प्रक्षिणी अर्थात् आटा पीसने वाली थी और परिवार के तीनों ही सदस्य शिक्षा दान में कार्यरत थे।

क्रिया द्वारा शिक्षा के लिए जीवन एक प्रयोगशाला के समान था। ऋषि कुल में जीवनयापन के मध्य शिक्षा संबंधी प्रयोग और परीक्षण सम्पन्न होते थे।

एशिया कप में आज श्रीलंका और अफगानिस्तान होंगे आमने-सामने

लाहौर (ओमान) (एजेंसी)। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को अफगानिस्तान का मुकाबला श्रीलंका से होगा। अफगानिस्तान को अगर सुपर फोर में पहुंचना है तो उसे ये मैच हर हाल में जीतना होगा। वहीं इसमें हारने पर वह एशिया कप में सुपर फोर की रेस से बाहर हो जाएगा। पिछले मैच में बांग्लादेश से हारने के बाद अफगानिस्तान की राह कठिन हो गयी है और उसे अब ग्रुप बी से शीर्ष दो में जगह बनाने के लिए इस मैच को बड़े अंतर से जीतना होगा। बांग्लादेश के खिलाफ मिली हार के बाद अफगानिस्तान का रनरेट नेगेटिव में पहुंच गया है जबकि श्रीलंकाई टीम का रनरेट पॉजिटिव 0.951 है।

वहीं बांग्लादेश का रनरेट काफी बेहतर है और उसका सुपर फोर में जाना लगभग तय है। इस मैच में अफगानिस्तान की गेंदबाजी की कमान स्पिनर राशिद खान और मुजीब जदरान पर रहेगी क्योंकि अब तक उसके तेज गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे हैं।

अफगानिस्तान को इस मैच में जीत के लिए अपना क्षेत्ररक्षण भी बेहतर करना होगा। टीम को सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जदरान के फार्म में आने का लाभ मिलेगा। वहीं दूसरी ओर श्रीलंका को इस मैच से अपने शीर्ष क्रम के लय में आने की उम्मीद हैं। बांग्लादेश के खिलाफ श्रीलंका के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। गेंदबाजी की बात करें तो युवा स्पिनर मथीषा पथिराना इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करना चाहेंगे।

अफगान कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने कहा, 'हमें सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। क्योंकि बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में टीम पर क्षेत्र में चाहे वह बल्लेबाजी हो , गेंदबाजी हो या क्षेत्ररक्षण पिछड़ती नजर आयी थी।

टीमें

अफगानिस्तान : हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, करीम जनत, राशिद खान, मुजीब उर रहमान, फजलहक फारूकी

श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), दिमुथ करुणारत्ने, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका, धनंजय डी सिल्वा, दुशान हेमंथा या डुनिथ वेलालेज, महेश थीक्षाना, कसुन राजिथा, मथीशा पथिराना

नोवाक जोकोविच और कोको गॉ क्वार्टर फाइनल में, इगा स्वियातेक हारी

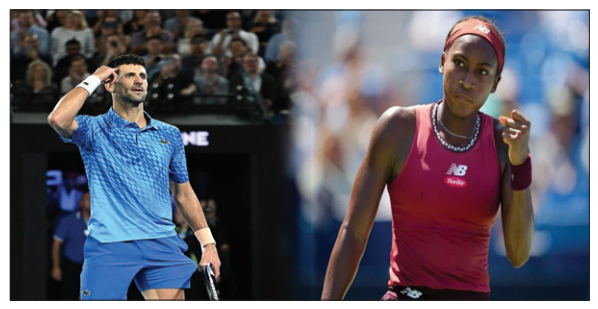

पाल्लेकल (श्रीलंका) (एजेंसी)। पिछले दो दशक से अधिक समय में सेरेना विलियम्स के बाद कोको गॉ लगातार दूसरी बार अमेरिकी ओपन क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली अपने देश की सबसे युवा खिलाड़ी बन गई जबकि पुरूष वर्ग में नोवाक जोकोविच ने भी अंतिम आठ में जगह बनाई।

उन्नीस वर्ष की गॉ ने पूर्व आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन 33 वर्ष की कैरोलिन वोज्नियाकी को 6 . 3, 3 . 6, 6 . 1 से हराया। अब उनका सामना 20वीं वरीयता प्राप्त 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन येलेना ओस्टापेंको से होगा जिसने गत चैम्पियन इगा स्वियातेक को 3 . 6, 6 . 3, 6 . 1 से हराया। इस हार के साथ ही स्वियातेक अपनी नंबर एक रैंकिंग भी गंवा देंगी और एरिना सबालेंका पहली बार दुनिया की चोटी की खिलाड़ी बनेंगी।

वहीं 23 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन जोकोविच ने क्वालीफायर बोरना गोजो को 6 . 2, 7 . 5, 6 . 4 से मात दी। अब उनका सामना अमेरिका के नौवीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज से होगा जिन्होंने स्विट्जरलैंड के क्वालीफायर डोमिनिक स्टिकर को 7 . 6, 6 . 4, 6 . 4 से हराया। यह जोकोविच का अमेरिकी ओपन में 13वां और फ्रिट्ज का पहला क्वार्टर फाइनल होगा। जोकोविच का उनके खिलाफ रिकॉर्ड 7 . 0 का है। जोकोविच का अगली एटीपी रैंकिंग में कार्लोस अल्काराज की जगह नंबर एक पर काबिज होना तय हो गया है।

रोजर बिन्नी और राजीव शुक्ला पहुंचे पाकिस्तान, साथ देखेंगे एशिया कप 2023 मैच

लाहौर (ओमान) (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष रोजर बिन्नी और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला पाकिस्तान पहुंचे हैं। जहां उनका स्वागत पीसीबी चीफ जका अशरफ ने किया। बीसीसीआई अधिकारियों को पीसीबी ने एशिया कप 2023 के ऑफिशियल डिनर के लिए इनवाइट किया था। हालांकि, एशियन क्रिकेट काउंसिल यानी एसीसी के अध्यश्र जय शाह इस दौरे पर नहीं गए हैं।

बता दें कि, दोनों देशों के बीच एक दशक से ज्यादा समय से द्विपक्षीय सीरीज नहीं हुई है। दोनों देशों के अधिकारी शायद इस मसले पर कोई हल निकाल सकते हैं। हालांकि, अभी तक दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड की तरफ से इस तरह की जानकारी सामने आई है। बीसीसीआई ने ऐसा इसलिए भी किया है, क्योंकि पाकिस्तान की टीम को भारत में वर्ल्ड कप खेलना है।

बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला पाकिस्तान में एक एशिया कप का मैच देखने वाले हैं। 5-6 सितंबर को लाहौर में खेले जाने वाले अफगानिस्तान बनाम श्रीलंका और दूसरा मैच पाकिस्तान बनाम श्रीलंका या पाकिस्तान बनाम श्रीलंका। इनमें से किसी एक मैच को देखने के लिए बीसीसीआई अधिकारी स्टेडियम पहुंच सकते हैं।

बीसीसीआई एसजीएम का आयोजन 25 सितंबर को, विश्व कप की तैयारियों पर दिया जाएगा जोर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सभी पदाधिकारी अपने पदों पर बने रहेंगे क्योंकि देश में क्रिकेट की संचालन संस्था एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप से पहले 25 सितंबर को गोवा में वार्षिक आम बैठक (एजीएम) का आयोजन करेगी। बीसीसीआई की पिछली एजीएम 22 अक्टूबर 2022 को हुई थी। इस साल 27 मई को विशेष आम सभा (एसजीएम) का आयोजन किया गया था। एजीएम के एजेंडा में पहला बिंदू बैठक में लिए फैसलों को अंतिम रूप देना है।

आगामी बैठक के एजेंडे में कुल 18 बिंदु हैं जिसमें लोकपाल और आचरण अधिकारी की नियुक्ति के साथ-साथ पांचअक्टूबर से शुरू होने वाले विश्व कप की तैयारियों को अंतिम रूप देना भी शामिल है। इसके अलावा एजेंडे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में बीसीसीआई के प्रतिनिधि की नियुक्ति, क्रिकेट समितियों, स्थायी समितियों और अंपायर समिति की नियुक्तियां भी शामिल हैं।

बीसीसीआई एजीएम में आम सभा के दो प्रतिनिधियों का चुनाव और उन्हें शामिल किया जाएगा। साथ ही आईपीएल की संचालन परिषद में भारतीय क्रिकेटर्स संघ (आईसीए) के एक प्रतिनिधि को शामिल किया जाएगा। इसके अलावा एजेंडे में 2022-23 के लिए कोषाध्यक्ष की रिपोर्ट और ऑडिट खातों तथा 2023-24 के लिए वार्षिक बजट को स्वीकार करना भी शामिल है।

रोहित और विराट अपने पैरों का बेहतर इस्तेमाल नहीं कर पाये : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप क्रिकेट मुकाबले में शीर्ष क्रम के रन बनाने में विफल रहने पर निराशा जतायी है। गावस्कर ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को तेज गेंदबाज शाहीन शाह आफरीदी के खिलाफ बल्लेबाजी के दौरान अपने पैरों का बेहतर इस्तेमाल करना चाहिये था। इस मैच में रोहित, विराट शुरुआत में ही आउट हो गये। ये दोनो ही शाहीन की गेंद पर बोल्ड हुए। गावस्कर ने कहा, दोनों बल्लेबाजों रोहित और विराट को अपने पैरों का बेहतर इस्तेमाल नहीं कर पाये ऐसे में बल्ले और पैड के बीच बड़ा गैप होने के कारण बोल्ड हुए। वहीं शुभमन गिल इस मैच में दबाव में नजर आये। गावस्कर ने कहा, वह अपना स्वाभाविक खेल नहीं खेल रहा था, ऐसा लग रहा था कि वह अपने आस-पास किसी तरह की अनिश्चितता में है। यही कारण है कि वह काफी देर तक रन नहीं बना पाया। गावस्कर ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी करने वाले ईशान किशन की सराहना की है। ईशान ने तेजी से खेलते हुए अर्धशतक लगाकर भारतीय पारी को संभाला।

स्विट्जरलैंड पर्यटन ने नीरज चोपड़ा को किया सम्मानित

ज्यूरिख-स्विट्जरलैंड पर्यटन ने अपने 'मित्रता दूत' ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया है। पिछले महीने बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप में 88.17 मीटर के प्रयास के साथ 25 साल के चोपड़ा ओलंपिक और विश्व खिताब दोनों अपने नाम करने वाले सिर्फ तीसरे भाला फेंक खिलाड़ी बने। स्विट्जरलैंड पर्यटन में वैश्विक सझेदारी प्रमुख पास्कल प्रिंज ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'भारत के दिग्गज खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के साथ जश्न मनाकर हम सम्मानित और खुश हैं। नीरज ने एक पूरी पीढ़ी को प्रेरित किया है। स्विट्जरलैंड पर्यटन में हम भारत में 'मित्रता दूत' के रूप में नीरज के साथ अपने जुड़ाव को लेकर बेहद खुश हैं।' उन्होंने कहा, 'हम विश्व चैंपियनशिप खिताब जीतने के लिए उन्हें तहेदिल से बधाई और भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं देते हैं।' चोपड़ा स्विट्जरलैंड में हैं और स्काइडाइविंग, जेट बोटिंग, पैराग्लाइडिंग और हेलीकॉप्टर टूर जैसे लोकप्रिय साहसिक खेलों का आनंद ले रहे हैं।

पाक में रखे जायें एशिया कप के बचे हुए मैच : अशरफ

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख जका अशरफ ने श्रीलंका में खराब मौसम का हवाला देते हुए एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष जय शाह से कहा है कि एशिया कप के बचे हुए मैचों का आयोजन पाक में होना चाहिये। अशरफ ने कहा कि श्रीलंका में खराब मौसम को देखते हुए एशिया कप 2023 के बचे हुए मैचों को पाकिस्तान में स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिये। अशरफ का ये बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि श्रीलंका के कैंडी में खराब मौसम के कारण भारत पाकिस्तान का मैच पूरा नहीं होने के कारण रद्द करना पड़ा था। अशरफ ने कहा कि मौसम की स्थिति को देखते हुए एशिया कप 2023 के शेष मैचों को श्रीलंका से पाकिस्तान में स्थानांतरित किया जाना चाहिये। अशरफ ने इस मामले में जय शाह से फोन पर बात की। जिसमें उन्होंने कहा कि श्रीलंका में बारिश के कारण मैच प्रभावित हो रहे हैं। वहीं पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष नजम सेठी ने एसीसी पर निशाना साधा और सोशल मीडिया पर लिखा, 'कितना निराशाजनक। बारिश ने क्रिकेट के सबसे बड़े मुकाबले में बाधा डाली जिसके बारे में पहले से ही कहा गया था। इसी कारण पीसीबी अध्यक्ष के अपने कार्यकाल में मैंने एसीसी से श्रीलंका की जगह यूएई में मैच रखने काह था पर इन्हें श्रीलंका में रख दिया गया। तब कहा गया था कि अभी दुबई में तेज गर्मी होगी पर ये तर्क इसलिए सही नहीं है क्योंकि पिछली बार वहां ये खेल हुए थे।

सपाट पिचों पर भारतीय गेंदबाजों से अधिक प्रभावी रहते हैं पाक तेज गेंदबाज : कार्तिक

पाल्लेकल (एजेंसी)। टीम इंडिया से बाहर चल रहे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि वर्तमान में भारत और पाकिस्तान का तेज गेंदबाजी आक्रमण एक ही स्तर का है पर इसके बाद भी सपाट पिचों पर पाक तेज गेंदबाज हावी हो जाते हैं। कार्तिक के अनुसार पाक के शाहीन अफरीदी, हारिस राउफ और नसीम शाह सपाट पिचों पर भारत के जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी से अधिक प्रभावी गेंदबाजी करते हैं क्योंकि इनकी गति अधिक है। पाक गेंदबाजों की तिकड़ी ने भारत के खिलाफ एशिया कप के शुरुआती मुकाबले में दस विकेट लिए थे और उन्होंने शीर्ष तीन बल्लेबाजों कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली को बोल्ड भी किया था। शाहीन ने इस मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 35 रन देकर चार विकेट लिए थे जबकि राउफ और नसीम ने तीन-तीन विकेट लिए थे।

कार्तिक ने कहा कि इन गेंदबाजों के सफल होने कारण पिच से उछाल हासिल करने के साथ ही आक्रमण में विविधता लाना भी रहा। कार्तिक ने कहा कि शाहीन, हारिस राउफ और नसीम लगातार 90 मील प्रति घंटा से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं और तीनों बहुत अलग हैं। शाहीन बाएं हाथ से कोण से गेंद को वापस अंदर लाते हैं जबकि नसीम शाह गेंद को दोनों तरफ घुमाते हैं। उन्होंने कहा कि राउफ इस समय पारी के अंत में प्रभावी प्रदर्शन करने वाले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं। कार्तिक के अनुसार बुमराह, सिराज और शमी शायद पाकिस्तानी गेंदबाजों की तुलना में कम उछाल हासिल कर पाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को तीसरे टी20 में हराकर 3-0 से सीरीज जीती

डरबन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को तीसरे टी20 मुकाबले में पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया है। मिचेल मार्श की कप्तानी में उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम ने दक्षिण अफ्रीका को उसी की धरती पर हराकर विश्वकप से पहले अपने अच्छे फार्म के संकेत दिये हैं। उनके घर पर टी 20 सीरीज में हरा दिया है। यहां खेले गए तीसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 190 रन बनाए थे। इसके बाद मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ये लक्ष्य 18 ओवर में ही आसानी से हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रेविस हेड और जोश इंग्लिश ने अच्छी पारियां खेलीं।

स्टोइनिस ने अंत में 21 गेंदों पर ही 37 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी शुरु की पर उसके शुरुआत अच्छी नहीं रही। बावुमा अपना खाता भी नहीं खोल पाये, वहीं ब्रीट्ज़ भी 5 रन ही बना पाये। हेंड्रिक्स ने कप्तान मार्करम के साथ स्कोर को आगे बढ़ाया। हेंड्रिक्स ने 30 गेंदों पर 42 जबकि मार्करम ने 23 गेंदों पर 41 रन बनाए। इसके बाद ट्रिस्टन ने 25 और डोनोवन फरेरा ने 48 रन बनाकर टीम को 190 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टोइनिस ने 2, तनवीर संघा ने एक विकेट लिया। सबसे ज्यादा चार विकेट सीन एबॉट ने लिए।।

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये। बाद मिचेल मार्श 15 रन बनाये। इसके बाद ट्रेविस हेड ने 47 गेंदों पर 91 रन बनाकर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। वहीं जोश इंग्लिश ने 42 जबकि मार्कोस स्टोइनिस ने 37 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी। मार्श ने अपनी कप्तानी में सीरीज जीतने पर खुशी जतायी है। साथ ही कहा कि अभी उनका लक्ष्य एकदिवसीय विश्वकप के लिए तैयारियां करना है।

मेस्सी ने दो गोल करने में मदद की, इंटर मियामी 3-1 से जीता

इंटर मियामी को जुलाई के मध्य में सुपरस्टार लियोनल मेस्सी के जुड़ने के बाद से हार का सामना नहीं करना पड़ा है और रविवार रात उसने सत्र का सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाते हुए गत लास एंजिलिस फुटबॉल क्लब को 3-1 से पराजित किया। मेस्सी ने इस मैच के दौरान दो गोल करने में मदद की। इंटर मियामी के लिए फाकुंडो फारियास, जोर्डी अल्बा और लियोनार्डो कैम्पाना ने गोल किये। इंटर मियामी को पिछले 11 मैचों (सभी प्रतियोगिताओं) में हार का सामना नहीं करना पड़ा है। लास एंजिलिस के लिए रेयान होलिंगशेड ने एकमात्र गोल दागा।

बुमराह पापा बने, पत्नी ने बेटे को जन्म दिया

नई दिल्ली । टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पिता बन गये हैं। उनकी पत्नी संजना ने एक बेटे को जन्म दिया है। बुमराह बेटे के जन्म के कारण ही एशिया कप छोड़कर बीच में ही स्वदेश लौट गये थे। उनकी वापसी के समय कहा गया था कि वह पिता बनने वाले हैं और ऐसे समय में परिवार के साथ रहने के लिए स्वेदश लौटे हैं। अब इस क्रिकेटर ने स्वयं ही अपने पापा बनने की खुशखबरी प्रशंसकों को दी है। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि आज सुबह उनकी पत्नी ने बेटे को जन्म दिया है। बुमराह ने इसके साथ ही अपनी पत्नी और अपने नवजात बेटे की तस्वीर भी साझा की है।

डेविस कप 16 और 17 सितंबर को खेला जाएगा

लखनऊ । डेविस कप टेनिस का आयोजन इसी माह लखनऊ में होगा। इसके लिए अभी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। यह चैम्पयनशिप 16 और 17 सितंबर को होगी। इसमें भारत और मोरक्को के खिलाड़ियों के बीच मुकाबले होंगे। इस मुकाबले के लिए इस बार भारतीय टेनिस टीम में कई बड़े खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है, जिसमें युगल वर्ग में रोहन बोपन्ना भी शामिल हैं। माना जा रहा है कि बोपन्ना का यह अंतिम मुकाबला होगा। डेविस कप मुकाबले के लिए 2000 से ज्यादा दर्शकों के बैठने का इंतजाम किया गया है। ये मैच लखनऊ के ही गोमती नगर स्थित स्टेडियम में खेले जाएंगे। यहां टेनिस के चार कोर्ट हैं। दिग्विजय प्रताप सिंह को विश्व ग्रुप-2 के मुकाबले के लिए भारत की 6 सदस्य टीम में जगह दी गयी है। दिग्विजय के अलावा डेविस कप मुकाबले के लिए भारतीय टीम में सुमित नागल, शशि कुमार मुकुंद, युकी भांबरी, राजकुमार रामनाथन और रोहन बोपन्ना को भी जगह दी गयी है। वहीं रोहित राजपाल गैर खिलाड़ी कप्तान होंगे।

यू.एस. ओपन में फैली बीमारी ! टॉप खिलाड़ी दिख रहे बीमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला रैंकिंग में नंबर 5 पर काबिज ओन्स जाबेउर बीते दिनों लिंडा नोसकोवा के खिलाफ मैच के दौरान कोर्ट पर थकी-थकी दिखीं। मैच के बाद बताया गया कि वह बीमार हैं। जाबेउर जोकि पिछले साल यू.एस. ओपन के फाइनल में पहुंची थी, उन कई खिलाड़ियों में से हैं जिन्हें इस साल के टूर्नामेंट में किसी प्रकार की बीमारी से जूझना पड़ा है। इससे पहले ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम अपने दूसरे दौर के मैच के दूसरे सेट में सेवानिवृत्त हो गए थे। एमिल रुसुवुओरी ने अज्ञात बीमारी का हवाला देते हुए अपने पहले दौर के मैच से पहले टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। टेनीस सैंडग्रेन, जो क्वालीफायर से आगे बढ़ने में असफल रहे, ने एक्स पर लिखा- मैं टूर्नामेंट से घर लौटने के बाद बीमार हो गया हूं। उन्होंने एक अलग पोस्ट में लिखा- मुझे यू.एस. ओपन बग मिला। एक तरह से अभी भी ऐसा लगता है कि मैं टूर्नामेंट में हूं लेकिन असल में मैं घर पर हूं।

बहरहाल, पहले दौर में जीत के बाद जाबेउर ने कहा कि उसे फ्लू है। अपने दूसरे दौर के मैच में, वह फिर से संघर्ष करती दिखीं, कोर्ट पर कई बार खांसती रहीं। उन्होंने मैच जीतने के बाद कहा कि वह लगभग एक सप्ताह से बीमार थीं। उन्होंने कहा- यू.एस. ओपन के डॉक्टरों के कहने पर मैंने बहुत सारी दवाएं ली हैं। जाबेउर बोलीं- टूर्नामेंट में अन्य खिलाड़ी पेट की समस्याओं से जूझ रहे हैं लेकिन मेरा पेट ठीक था। मुझे इस बात को लेकर असमंजस था कि यह फ्लू है या कुछ और। मुझे लगता है कि मुझे फ्लू या कुछ और हो गया है।

खिलाड़ी ही नहीं बल्कि ईएसपीएन कमैंटेटर जॉन मैकेनरो ने मंगलवार को कहा कि अस्वस्थ महसूस करने के बाद उनका कोरोना वायरस टेस्ट पॉजिटिव आया है। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या सभी खिलाड़ियों को एक जैसी बीमारी है, या क्या उनके मामले जुड़े हुए हैं, लेकिन यू.एस. ओपन को लेकर कुछ न कुछ चल रहा है। इसी तरह ह्यूबर्ट हर्काज को अपने दूसरे दौर के मैच के दौरान संघर्ष करते देखा गया। उन्हें ब्रिटेन के जैक ड्रेपर ने परेशान कर दिया। मैच के दौरान, मेडिकल स्टाफ हर्काज का इलाज करने के लिए भी आया। इस दौरान मैदान के चारों ओर सूंघने और खांसी की आवाजें सुनी गईं। कुछ खिलाड़ी अपने बैग से बार-बार टिश्यू निकाल रहे थे।

बता दें कि संयुक्त राज्य भर में गर्मियों के अंत में कोरोनोवायरस संक्रमण की लहर के रूप में बीमारियों की सीरीज सामने आई है, जिसमें पूर्वोत्तर और पश्चिम में मामलों में वृद्धि के संकेत मिले हैं। बीमारियां किसी भी टूर्नामेंट में फैल सकती हैं क्योंकि खिलाड़ी अक्सर नजदीक रहते हैं और सुविधाएं साझा करते हैं।

लेकिन चूंकि खिलाड़ियों को अब कोविड-19 का परीक्षण कराने की आवश्यकता नहीं है, इसलिए उनमें बीमारियों का कारण ढूंढना अभी मुश्किल है। 2020 में यूएस ओपन के दौरान स्वास्थ्य प्रोटोकॉल काफी सख्त था। दर्शकों को टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं थी। खिलाड़ी खाली कोर्ट में फेस मास्क पहनकर आते थे। 2021 में जब प्रशंसकों की दोबारा एंट्री हुई तो उनके लिए कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण का प्रमाण दिखाना आवश्यक था। इस साल से इस शर्त को हटा दिया गया है।

विश्वकप क्रिकेट ट्रॉफी के गुरुग्राम पहुंचने पर उमड़े लोग

गुडगांव (ईएमएस)। अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट की ट्रॉफी गुरुग्राम पहुंची। जिसके बाद इसे देखने खेल प्रशंसकों की भीड़ लग गयी। इस दौरान उत्साहित लोग बोले कि अपनी घरेलू धरती पर होने वाले इस विश्वकप में भारत ही जीतेगा। कार्यक्रम में भाजपा हरियाणा के प्रदेश पर्यावरण संरक्षण विभाग के प्रमुख नवीन गोयल भी पहुंचे। इस मौके पर गोयल ने कहा कि हरियाणा से कई दिग्गज खिलाड़ी निकल हैं। अभी तो यह ट्रॉफी टूर के दौरान गुरुग्राम पहुंची है पर जल्द ही खिलाड़ी इसे जीतकर भारत का गौरव बढ़ायेंगे। यह ट्रॉफी पॉलीकैब कंपनी की ओर से गुरुग्राम लाई गई है जिसे लोगों को देखने का अवसर मिला है। ट्रॉफी को देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गयी। इस दौरान लोगों में गजब का जोश देखा गया।

ताइवान टाइफून हाइकुई की चपेट में, 44 घायल

ताइपे । ताइवान में आए शक्तिशाली तूफान हाइकुई के कारण कम से कम 44 लोग घायल हो गए और हजारों घरों में बिजली गुल हो गई। हाइकुई लगभग र?विवार को 3-40 बजे ताइवान के दक्षिणपूर्वी तटीय शहर डोंगे से टकराया। बताया गया है कि रविवार को यह तूफान द्वीप को पार कर गया। आंतरिक मंत्रालय के अनुसार 11 शहरों और काउंटी से कम से कम 7,113 लोगों को निकाला गया। राज्य बिजली प्रदाता ताइपॉवर ने कहा कि रात 10 बजे तक 48,506 घरों में बिजली नहीं थी। केंद्रीय मौसम ब्यूरो ने कहा कि लैंडफॉल से पहले, तूफान में 155 किमी प्रति घंटे (96 मील प्रति घंटे) की रफ्तार से हवाएं चलीं, साथ ही राजधानी ताइपे में भारी बारिश हुई। यह भी कहा जा रहा है ?कि तूफान के कारण होने वाली भारी बारिश से बाढ़ और भूस्खलन हो सकता है।

रूस का यूक्रेन पर एक साथ 25 ड्रोन से हमला, 22 को एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराया

यूक्रेन की वायु सेना ने रविवार तड़के कहा कि उसने दक्षिणी ओडेसा क्षेत्र पर रात भर के हमले में 22 रूसी ड्रोनों को नष्ट कर दिया है। यूक्रेन की वायु सेना ने टेलीग्राम पर लिखा कि रूस ने दक्षिण और दक्षिण-पूर्व से 'शहीद-136/131' (मानव रहित हवाई वाहन) द्वारा कई हमले किए। इसमें कहा गया है कि कुल 25 ईरानी निर्मित हमले वाले ड्रोन लॉन्च किए गए थे और उनमें से 22 को वायु सेना ने यूक्रेन के रक्षा बलों के अन्य घटकों की वायु रक्षा के सहयोग से नष्ट कर दिया था। जुलाई में काला सागर से सुरक्षित शिपमेंट की अनुमति देने वाले संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता वाले समझौते के विफल होने के बाद, रूस ने यूक्रेन के दक्षिणी ओडेसा और मायकोलाइव क्षेत्रों पर हमले तेज कर दिए हैं, जहां बंदरगाह और बुनियादी ढांचे हैं जो अनाज के शिपमेंट के लिए महत्वपूर्ण हैं। पिछले महीने, रूसी नाकाबंदी की अवहेलना में यूक्रेन से काला सागर के माध्यम से रवाना होने वाला पहला नागरिक मालवाहक जहाज इस्तांबुल पहुंचा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि दो और जहाज देश के अस्थायी काला सागर अनाज गलियारे से गुज़रे हैं।

म्यांमार से पाकिस्तान ने की धोखेबाजी, भेज दिया अनफिट फाइटर जेट

नेपीडॉ। पाकिस्तान ने म्यामार के साथ फाइटर जेट सप्लाई में धोखेबाजी कर दी है। उसने म्यांमार को 'अनफिट' फाइटर जेट सप्लाई किया है। दरअसल पाकिस्तान द्वारा म्यांमार को आपूर्ति किए गए बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान, जेएफ-17 थंडर को अयोग्य घोषित कर दिया गया। साथ ही म्यांमार ने पाकिस्तान को इस गड़बड़ी के लिए कड़ा संदेश भेजा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान ने साल 2019 और 2021 के बीच म्यांमार को कई जेएफ-17 थंडर फाइटर जेट की आपूर्ति की। अब इन सभी को 'ऑपरेशन के लिए अयोग्य' घोषित कर दिया गया है। सप्लाई किए गए विमान उस सौदे का हिस्सा थे जिस पर बर्मी सैन्य शासन ने 2016 में पाकिस्तान एयरोनॉटिकल कॉम्प्लेक्स और चीन के चेंगदू एयरक्राफ्ट इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित जेएफ-17 खरीदने के लिए हस्ताक्षर किए थे। लेकिन विमान की डिलीवरी के तुरंत बाद, खराबी और संरचनात्मक खामियों का पता चलने पर बर्मी वायु सेना को इसके ऑपरेशन पर रोक लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा। ऐसा प्रतीत होता है कि जेएफ-17 की विफलता से पाकिस्तान और म्यांमार के बीच तनाव बढ़ गया है और किसी तरह चीन को हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। मिली जानकारी के अनुसार, म्यांमार के चीनी दूत की नेपीडॉ की हालिया यात्रा में सीसीपी के शीर्ष नेतृत्व से जनरल मिन आंग ह्लाइंग को एक संदेश दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान जेएफ-17 के नए संस्करणों के साथ सौदे पर दोबारा बातचीत करने की पुरजोर कोशिश कर रहा है। पूरी संभावना है कि इन नए वेरिएंट को पाकिस्तान एयरोनॉटिकल कॉम्प्लेक्स और चीन के चेंगदू एयरक्राफ्ट इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन के एक ही संयोजन द्वारा विकसित किया जाएगा।

एयर कनाडा के दो विमान अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर टकराए

वैंकूवर । वैंकूवर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर एयर कनाडा के दो विमान आपस में टकरा गए। इस घटना की स्थानीय मीडिया ने पुष्टि करते हुए बताया कि रविवार को गेट से पीछे धकेले जाने के दौरान एयर कनाडा रूज एयरबस ए319 का विंगटिप जैज एयर कनाडा एक्सप्रेस क्यू400 के विंग के संपर्क में आ गया। यह विमान नजदीकी गेट पर खड़ा था। हालांकि इस हादसे के चलते विमानों का परिचालन कुछ घंटे के लिए बाधित हुआ। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इस घटना के दौरान कोई भी यात्री या ग्राउंड स्टाफ घायल नहीं हुआ। गौरतलब है कि क्यू400 में 75 और एयरबस ए319 में 120 से अधिक यात्री बैठते हैं।

106 साल की दादी ने जीता जैकपॉट

-महिला को मिला 1000 यूएस डॉलर का जैकपॉट

न्यूर्याक । अमेरिका की निवासी महिला सराह पीटरसोंक 106 साल की हैं। उनकी लंबी उम्र का राज़ उनकी ज़िंदादिली है, जिसके तहत वे इस पड़ाव पर भी बर्थडे सेलिब्रेट करने के लिए कसीनो जाती हैं और पत्ते खेलने में भी उन्हें कोई गुरेज नहीं है। इस बार उनका बर्थडे काफी लकी रहा और उन्होंने जैकपॉट जीत लिया। अमेरिका के मिलवॉकी में पूरी ज़िंदगी बिताने वाली सराह पहले ही अपनी इतनी लंबी ज़िंदगी के लिए मशहूर हो चुकी हैं। फिलहाल वे रिटायरमेंट कम्युनिटी में रहती हैं और वे हर साल अपने जन्मदिन का सेलिब्रेशन करने के लिए पोटवाटोमी कसीनो में आती हैं। इस बार जब वे स्लॉट मशीन से खेल रही थीं, तो उनके हाथ जैकपॉट लग गया। उन्होंने गलती से 50 के बजाय 400 दबा दिया था और उन्हें 1000 यूएस डॉलर का जैकपॉट मिल गया। भारतीय मुद्रा में ये रकम करीब 83 हज़ार रुपये होगी। कसीनो की ओर से बताया गया कि सराह हर साल यहीं बर्थडे मनाती हैं, इस बार उनके जीतने की खबर से हमें भी अच्छा लगा। वहीं सराह का कहना है कि इतनी लंबी उम्र उन्हें अपनी हेल्दी आदतों से मिली है। वे न तो स्मोक करती हैं और नही शराब पीती हैं, जबकि खुद की अच्छी देखभाल रखती हैं।दिलचस्प ये भी रहा कि कसीनो की ओर से उन्हें इससे दोगुनी रकम दी गई।सराह के भांजे ने ये जानकारी दी कि उन्हें इतने पैसे मिले हैं। हालांकि वे कहती हैं कि वो नहीं समझ पा रही हैं कि वे इतने पैसों का क्या करें? फिर भी वे एक अच्छी च्वाइस ही करेंगी।

बर्गर किंग ने थमाया छोटा बर्गर, ग्राहक कोर्ट तक घसीटा

-अमेरिका की नामी फास्टफूड कंपनी बर्गर किंग

वाशिंगटन (ईएमएस)। वर्तमान समय में ग्राहकों को बुद्धू बनाना आसान नहीं रह गया है और जो कंपनियां ऐसा करने की कोशिश भी करती है, उन्हें गुस्सा और बदनामी झेलनी पड़ जाती है। कुछ ऐसा ही हुआ अमेरिका की नामी फास्टफूड कंपनी बर्गर किंग के साथ।

जानकारी के अनुसार, कंपनी अपने ग्राहकों के लिए बर्गर की कुछ खास रेंज लेकर आई है। इसमें एक बर्गर है हूपर बर्गर यानि महाबर्गर। कंपनी कम से कम ऐसा ही कहकर ग्राहकों से ज्यादा पैसे ले रही है लेकिन उसे अपनी इस चाल में फंसना पड़ गया है। बर्गर किंग की अमेरिका की एक ब्रांच में ग्राहकों की शिकायत है कि उन्हें वोपर बर्गर के नाम पर कंपनी छोटे बर्गर दे रही है। ये किसी एक ग्राहक की गई कई लोगों की शिकायत है कि उन्हें महाबर्गर के नाम पर जो पिक्चर दिखाई जा रही है उसमें मीट की बड़ी पैटी और दूसरे इंग्रीडिएंट्स बाहर निकलते हुए दिख रहे हैं। पहले भी इस बात पर बर्गर किंग ये कह चुका है कि बर्गर बिल्कुल तस्वीर जैसे नहीं दिख सकते हैं।

हालांकि मियामी डिस्ट्रिक्ट जज का रॉय ऑल्टमैन ने साफ कहा है कि फैसला ज्यूरी को लेने दिया जाए। आखिरकार उन्होंने माना कि ग्राहक कंपनी के टीवी और ऑनलाइन विज्ञापन से भ्रमित नहीं हुए हैं। बता दें कि आज के ज़माने में पैसे कमाना कोई आसान बात नहीं रह गई है। ऐसे में इंसान इसे सोच-समझकर ही खर्च करता है। अगर कहीं कुछ ऊंच-नीच हो जाए तो उसके लिए लड़ने में भी लोग संकोच नहीं करते हैं।

स्पेन में भारी बारिश के कारण पानी से लबालब नजर आयीं गलियां।

ट्रंप पर जासूसी अधिनियम से संबंधित आरोप गैर-अमेरिकी : रामास्वामी

वाशिंगटन । वर्ष 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन की ओर से खड़े होने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे भारतीय मूल के उद्यमी विवेक रामास्वामी ने कहा कि जासूसी अधिनियम के तहत पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर लगाया गया आरोप अमेरिका के इतिहास में सबसे गैर-अमेरिकी कानून है। 2024 में सत्ता में आने पर ट्रम्प को माफ करने की बात कहने वाले 38 वर्षीय रामास्वामी ने बताया कि बुरे फैसले और अपराध के बीच अंतर है। मुझे लगता है कि

जिस जासूसी अधिनियम के तहत ट्रंप पर आरोप लगाया गया था, वह हमारे इतिहास में सबसे गैर-अमेरिकी कानून है। ट्रम्प पर अमेरिकी जासूसी अधिनियम के 37 उल्लंघनों का आरोप लगाया गया है। इनमें से 31 गुप्त या अति गोपनीय वर्गीकृत दस्तावेजों से संबंधित हैं। उन पर न्याय में बाधा डालने, साजिश रचने, छुपाने और झूठे बयान देने का भी आरोप लगाया गया है, लेकिन उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है। हाल के कुछ राष्ट्रीय चुनावों में रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों में दूसरे स्थान पर रहने वाले रामास्वामी ने कहा कि वह इस बात के पक्ष में नहीं हैं कि रिपब्लिकन फ्रंट-रनर को उनके खिलाफ अभियोगों के कारण दौड़ से बाहर कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि देश को प्रतिशोध से प्रेरित अभियोजन चलाने के बजाय आगे बढ़ने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अपने पूरे अभियान में साथी रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी ट्रम्प की प्रशंसा करने वाले रामास्वामी ने कहा कि दोनों के बीच नीतिगत मतभेद हैं।

जेलेंस्की ने किया अमेरिका से एफ-16 दिलाने वाले रक्षा मंत्री को हटाने का ऐलान

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अपने रक्षा मत्री ओलेस्की रेजनिकोव को हटाने का ऐलान कर दिया है। इसे यूक्रेन की रक्षा व्यवस्था में सबसे बड़ा बदलाव कहा जा रहा है। कल रात को एक वीडियो जारी कर जेलेंस्की ने कहा कि ओलेक्सी रेजनिकोव को बर्खास्त करेंगे। इस हफ्ते संसद से अपील करेंगे कि उनकी जगह पर रूस्तम उमरोव को नया रक्षा मंत्री नियुक?त किया जाए। उमरोव मुख्य निजीकरण कोष के मुखिया हैं। बता दें कि रेजनिकोव, नवंबर 2021 से रक्षा मंत्री हैं। उन्होंने युद्ध दौरान अरबों डॉलर की पश्चिमी सैन्य सहायता हासिल करने में मदद की है। लेकिन उनके मंत्रालय के आसपास भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे हुए हैं, जिन्हें उन्होंने धब्बा बताया है। जेलेंस्की का फैसला भ्रष्टाचार पर नियंत्रण लगाने वाला माना जा रहा है जिस पर यूक्रेनी राष्ट्रपति ने काफी जोर दिया है। हालांकि यूक्रेन ने यूरोपियन यूनियन में शामिल होने के लिए आवेदन किया है। युद्ध जारी है और इसका कोई अंत नहीं दिख रहा है। ऐसे में देश की जनता भ्रष्टाचार के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो गई है।

जेलेंस्की ने कहा कि मैंने यूक्रेन के रक्षा मंत्री को बदलने का फैसला किया है। ओलेक्सी रेजनिकोव 550 से अधिक दिनों के पूर्ण पैमाने पर युद्ध से गुजरे

हैं। मुझे विश्वास है कि मंत्रालय को सेना और समाज के साथ पूरी तरह से बातचीत के लिए नए दृष्टिकोण और अन्य प्रारूपों की आवश्यकता है। जेलेंस्की ने उम्मीद जताई है कि संसद उमरोव की नियुक्ति को मंजूरी देगी। उन्होंने उमरोव को किसी अतिरिक्त परिचय की आवश्यकता नहीं है। जेलेंस्की को उमरोव के उम्मीदवार को समीक्षा के लिए संसद में प्रस्तुत करना होगा।

गौरतलब है कि रूस के साथ युद्ध के दौरान, रेजनिकोव की अगुवाई वाले रक्षा मंत्रालय ने पश्चिमी देशों पर शक्तिशाली सैन्य उपकरण की आपूर्ति पर आने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए दबाव डाला था। इसमें जर्मनी में बने बैटल टैंक से लेकर हिमर्स मल्टीपल-लॉन्च रॉकेट शामिल हैं। कीव अब जल्द ही अमेरिक से एफ-16 फाइटर जेट हासिल करने की तरफ बढ़ रहा है। रेजनिकोव को दोस्त देशों के रक्षा मंत्रियों और सैन्य अधिकारियों के साथ मजबूत आपसी संपर्क बनाने के लिए जाना जाता है। देश के एक सांसद ने उन्हें यूक्रेन के संभावित नए लंदन के राजदूत के रूप में नियुक?त करने की सलाह दी है।

पाकिस्तान में हिंदू युवती के साथ अस्पताल में गैंगरेप

- युवती किडनी का इलाज कराने गई थी अस्पताल, डॉक्टरों ने किया रेप

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर किए जा रहे हमले और अत्याचार लगातार बढ़ रहे हैं। ताजा मामला सिंध प्रांत के एक अस्पताल का सामने आया है जहां पर इलाज कराने आई एक हिंदू महिला के साथ डॉक्टरों ने गैंग रेप किया है। 23 वर्षीय मरीज अपनी किडनी का इलाज करवाने के लिए आई थी जिसकी दुष्कर्म के बाद तबीयत बिगड़ने लगी और उसको हैदराबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़िता की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद से आरोपी डॉक्टर और अन्य स्टाफ फरार हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वारदात पाकिस्तान के सिंध प्रांत के टंडो मुहम्मद खान सिटी स्थित इंडस हॉस्पिटल के किडनी वार्ड में हुई। पीड़िता का कहना है कि आरोपी डॉक्टरों ने नशे की दवा देने के बाद उसके साथ गैंग रेप किया। पीड़िता के परिजनों ने वारदात की रिपोर्ट दर्ज कराई है. इसके बाद अधिकारियों को कार्रवाई शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। घटना के बाद से आरोपी डॉक्टर और स्टाफ अस्पताल से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया है। गैंग रेप की घटना से गुस्साये पीड़िता के परिजनों ने प्रदर्शन किया। परिजनों का कहना है कि अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की बहू-बेटियां अस्पतालों में भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने सरकार से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। गैंग रेप का शिकार पीड़िता के बयान से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है। पाकिस्तान डिफेंस नामक वेबसाइट ने अपनी रिपोर्ट के साथ फराज परवेज की एक्स पोस्ट भी साझा की है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की दुर्दशा के खिलाफ आवाज उठाने वाले फराज ने अपनी एक्स पोस्ट में पीड़िता के बयान का वीडियो क्लिप साझा किया है, जिसमें वह स्थानीय भाषा में इस भयानक वारदात के बारे में जानकारी दे रही है।

जिनपिंग को नागवार गुजरी मोदी और बाइडन की खास मुलाकात, भारत आना कैंसिल

बीजिंग (एजेंसी)। जी-20 सम्मेलन से चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग नदारद रहेंगे। 09 और 10 सितंबर को शिखर बैठक के सिलसिले में चीन ने इस बात का आधिकारिक ऐलान कर दिया गया कि जिनपिंग की जगह प्रधानमंत्री ली कियांग, चीन का नेतृत्व करेंगे। जिनपिंग के सम्मेलन से गायब रहने की वजह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन हैं। जिनपिंग को दोनों नेताओं की एक मीटिंग नागवार गुजर रही है। कश?मीर यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर रहे केएन पंडित के अनुसार जिनपिंग के ऐलान से पहले व्हाइट हाउस की तरफ से यह कहा गया था कि राष्ट्रपति बाइडन को उम्मीद है कि उनके चीनी समकक्ष शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। दोनों नेताओं की एक मुलाकात सम्मेलन से अलग हो सकती है। जिनपिंग और बाइडन के बीच एक मीटिंग की जरूरत पिछले कुछ दिनों में हुई एक घटना की वजह से बढ़ गई थी। हाल के महीनों में अमेरिका के कुछ अधिकारियों ने बीजिंग का दौरा किया था। दौरे में वाणिज्य मंत्री जीना मोंडो का चीन दौरा भी शामिल था।

उनकी मानें तो जिनपिंग का सम्मेलन से गायब रहना साधारण बात नहीं है। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स बैठक से इतर दोनों नेताओं की एक दुर्लभ मीटिंग हुई थी। इसमें पीएम मोदी ने जिनपिंग को दो टूक कह दिया कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को बिना किसी देरी के सिर्फ बातचीत के जरिए ही हल किया जाना चाहिए। ब्रिक्स सम्मेलन के बाद चीन ने एक नक्शा जारी किया जिसमें अरुणाचल और पूर्वी लद्दाख के कुछ हिस्सों को चीनी क्षेत्रों के रूप में दिखाया गया है। भारत ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। पहली बार अमेरिका और कई और देशों ने चीन की अड़ियल नीति पर नाखुशी जाहिर की।

चीन के साथ संयुक्त नौसेना अभ्यास करेंगा नॉर्थ कोरिया रूस ने किम को दिया प्रस्ताव

(एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की योनहाप समाचार एजेंसी ने सोमवार को दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी का हवाला देते हुए बताया कि रूस के रक्षा मंत्री ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन को चीन के साथ मिलकर एक नौसैनिक अभ्यास का प्रस्ताव दिया है। रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने जुलाई में कोरियाई युद्ध की समाप्ति की 70वीं वर्षगांठ के लिए उत्तर कोरिया का दौरा किया, जिसे उत्तर कोरिया में विजय दिवस ??के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान उन्होंने किम से मुलाकात की। उन्होंने उत्तर कोरिया की प्रतिबंधित बैलिस्टिक मिसाइलों की एक रक्षा प्रदर्शनी में भाग लिया, जैसा कि उत्तर कोरियाई राज्य मीडिया ने उस समय बताया था।

योनहाप ने बताया कि शोइगु ने किम की यात्रा के दौरान उन्हें तीन-तरफ़ा नौसैनिक अभ्यास का प्रस्ताव

दिया था लेकिन इसमें कोई विवरण नहीं दिया गया। योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा ने नेशनल असेंबली को बताया कि शोइगु ने व्यापक सैन्य विस्तार पर सहमति के लिए किम के साथ एक निजी बैठक की थी। रूस और उत्तर कोरिया ने हाल ही में घनिष्ठ सैन्य संबंधों का आह्वान किया है लेकिन उत्तर कोरिया ने रूस के साथ किसी भी ÷हथियार सौदे÷ से इनकार किया है।

व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने पिछले महीने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा था कि शोइगु ने उत्तर कोरिया की अपनी यात्रा के दौरान रूस को तोपखाना गोला-बारूद बेचने की कोशिश की थी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने हाल ही में तीन संस्थाओं पर उत्तर कोरिया और रूस के बीच हथियार सौदे से जुड़े होने का आरोप लगाते हुए प्रतिबंध लगाए हैं। उत्तर कोरिया ने 2006 से छह परमाणु परीक्षण किए हैं और हाल के वर्षों में विभिन्न मिसाइलों का परीक्षण कर रहा है, लेकिन वह अपने पड़ोसियों के साथ शायद ही कभी सैन्य अभ्यास करता है।

प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भारत के साथ अर्ली हार्वेस्ट सौदे को किया खारिज

लंदन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भारत के साथ अर्ली हार्वेस्ट समझौते से इनकार कर दिया है, जिससे इस सप्ताह दिल्ली में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के लिए समय पर समझौता करना असंभव हो जाएगा। इससे अब शायद अगले साल होने वाले चुनाव तक भी समझौता नहीं हो पाएगा। समझौता वार्ता से जुड़े सूत्रों के हवाले से पता चला कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने अर्ली हार्वेस्ट सौदे के विचार को खारिज कर दिया है, जो व्हिस्की जैसे सामानों पर टैरिफ कम कर सकता था, लेकिन पेशेवर सेवाओं जैसे पेचीदा विषयों से निपट नहीं सकता था। इससे पहले कि प्रधानमंत्री इस सप्ताह के अंत में भारतीय राजधानी में अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी से मुलाकात करें, इस फैसले ने इस सप्ताह किसी समझौते पर पहुंचने की किसी भी संभावना को खत्म कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कई लोग अब मानते हैं कि 2024 में दोनों देशों में चुनाव होने से पहले कोई समझौता असंभव है, हालांकि सरकार में कुछ लोग अब भी मानते हैं कि इस साल के अंत में इस पर समझौता हो सकता है। इसका मतलब है कि ब्रिटेन-भारत मुक्त व्यापार समझौते की संभावना, जिसे लंबे समय से ब्रेक्सिट के बाद ब्रिटेन के लिए सबसे बड़े संभावित अवसरों में से एक माना जा रहा है, अभी भी दूर है। एक सरकारी सूत्र ने कहा - पिछले साल पिछली दिवाली तक एक सौदे की बात हुई थी, लेकिन यह केवल तभी होने वाला था, जब यह सीमित संख्या में सामानों पर आधारित एक उथला सौदा होता। ब्रिटेन के केमी बडेनोच (व्यापार सचिव) और ऋषि सुनक ने फैसला किया कि वे उस रास्ते पर नहीं जाना चाहते इसलिए उन्होंने समय सीमा तय कर दी है।

कोरोना फिर हुआ सक्रिय, अमेरिका में फिर से मचा कोहराम, 19 फीसदी मामले बढ़े

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में इन दिनों कोरोना ने कहर मचा रखा है। यहां पर एक सप्ताह में 19 फीसदी मामले बढ़ गए हैं। वहां गर्मियों के अंत में कोविड के मामलों में वृद्धि देखने को मिल रही है। कोविड अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, कोविड से मौतों के मामले में 21 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। एनपीआर की रिपोर्ट के अनुसार रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार एक सप्ताह में 10,000 लोगों को कोविड के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बढ़ते कोविड मामलों को देखते हुए कुछ स्कूलों, अस्पतालों और व्यवसायों के लोगों को फिर से मास्क पहनने के लिए कहा गया है। सीडीसी निदेशक मैंडी कोहेन ने आगाह किया कि जिन लोगों का टीकाकरण नहीं हुआ है उनके लिए कोविड जोखिम भरा बना हुआ है।

जोखिम विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए अधिक है, जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है। वहीं, जिन्हें पहले संक्रमण नहीं हुआ है और जो अधिक उम्र के हैं या स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित हैं, उनके लिए भी खतरा हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अस्पताल में भर्ती होने वाले लगभग 70 प्रतिशत लोग 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के हैं। स्वास्थ्य अधिकारी दो नए वेरिएंट पर नजर रख रहे हैं। ओमिक्रॉन वेरिएंट ईजी.5 (एरिस) अमेरिका में प्रमुख है और बीए.2.86 फैलना शुरू हो रहा है।

सीडीसी ने पिछले हफ्ते चेतावनी दी थी कि बीए.2.86 उन लोगों में संक्रमण पैदा करने में अधिक सक्षम हो सकता है, जिन्हें पहले कोविड संक्रमण या टीके लगे हों। अब देश भर में कुछ संस्थानों के लोगों को अस्थायी रूप से मास्क पहनने को कहा गया है। विश्व स्तर पर मामले बढ़ने के कारण डब्ल्यूएचओ ने ईजी.5 या एरिस को वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट के रूप में नामित किया है। हालांकि, डब्ल्यूएचओ का मानना है कि वैरिएंट कोई महत्वपूर्ण जोखिम पैदा नहीं करता है।

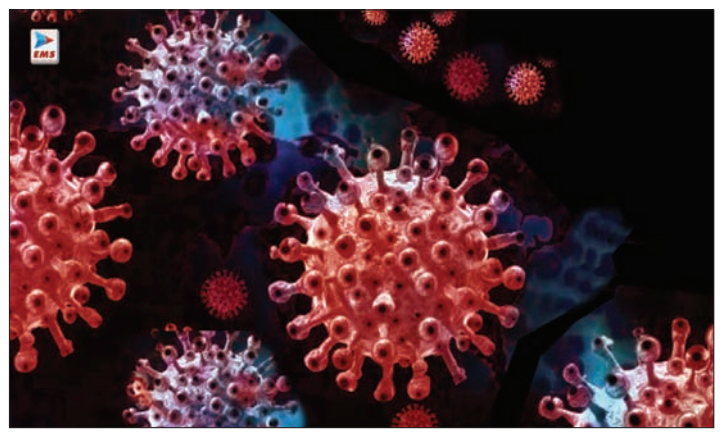

मेरी गिनती टॉप 10 में कभी नहीं हुई : शिल्पा शेट्टी

बालीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी का कहना है कि इतनी मेहनत करने के बाद भी उनका नाम फिल्म इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में नहीं लिया गया। मीडिया से बात करते हुए, शिल्पा ने यह भी कहा कि वे काम बहुत ज्यादा करती हैं लेकिन उन्हे पैसे कम दिए जाते हैं। एक इंटरव्यू में, एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में अपने सफर को याद किया और कहा कि उन्हें सभी का प्यार मिला। एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि अब वह अपने ब्रांड पर अच्छा काम कर रहीं हैं और उनका टीवी शो भी अच्छा चल रहा है। शिल्पा 1993 से फिल्मों में काम कर रहीं हैं। शिल्पा ने इंटरव्यू में बताया, मैं कभी भी टॉप 10 एक्ट्रेसेस की लिस्ट में नहीं थी। मुझे बहुत प्यार और प्रशंसा मिली, लेकिन कभी भी टॉप 10 में नहीं गिना गया। शायद कमी है अवसर, या क्या मैं नहीं जानती। आज मुझे देखो मैं सबसे बड़ी सीरीज कर रही हूं। मैंने अभी एक फिल्म की शूटिंग पूरी की है। मैं एक फिल्म कर रही हूं। मेरे पास आज शिकायत करने के लिए कुछ भी नहीं है। हम सभी की अपना सफर है, मैंने टीवी पर अपनी पहचान बनाई है और मेरा ब्रांड अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। शिल्पा ने यह भी शेयर किया कि वह दिनभर बहुत सी चीजों में फिट होने की पूरी कोशिश करती हैं। बच्चों के स्कूल शुरू करने के साथ, उनकी जिम्मेदारियां अब बढ़ गई हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि अपनी सभी ज़िम्मेदारियों को निभाने में बहुत काम लगता है। शिल्पा इस साल नवंबर में बॉलीवुड में अपने 30 साल पूरे कर लेंगी। 1993 में शाहरुख खान और काजोल अभिनीत फिल्म 'बाजीगर' से बॉलीवुड में शानदार शुरुआत करने के बाद, शिल्पा ने 90 के दशक में कई पॉपुलर फिल्मों में काम किया। इनमें मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, जानवर द गैम्बलर और हथकड़ी शामिल हैं। 2000 में, उन्होंने धड़कन में एक्ट किया, जिससे शिल्पा को खूब पॉपुलैरिटी मिली। हाल ही में, उन्हें सब्बीर खान की 'निकम्मा' में देखा गया था जो तेलुगु फिल्म मिडिल क्लास अब्बाई की रीमेक थी। फिल्म में शिल्पा अभिमन्यु दसानी, शर्ली सेतिया और समीर सोनी के साथ नजर आई थीं। इसके बाद, उनकी लिस्ट में एक कन्नड़ फिल्म, हिंदी फिल्म सुखी और रोहित शेट्टी की वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स है। बता दें कि एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रसेस में से एक हैं। एक्ट्रेस की फिल्में सुपरहिट रहीं हैं। शिल्पा आज भी इंडस्ट्री की न्यू एक्ट्रेसेस को कंपटीशन देती हैं।

नई फिल्म कुशी ने पहले दिन कमाए 52 करोड़

नई फिल्म कुशी ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की है। शुक्रवार को इस फिल्म ने प्रदर्शन के पहले दर्शकों को एक बार फिर से सिनेमाघरों की ओर खींचा। विजय देवरकोंडा और सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म ने पहले दिन 16 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की है। वहीं वैश्विक स्तर पर फिल्म ने 52 करोड़ की कमाई की है। सितारों की प्रशंसकों में सामंथा-विजय की जोड़ी को बड़े पर्दे पर देखने का जबरदस्त क्रेज था और पहले दिन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से यह बात साफ हो रही है। विजय और सामांथा की केमिस्ट्री ने आग लगा डाली और फैंस इस नई जोड़ी पर दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक 'कुशी' ने भारत में 16 करोड़ रुपए की ओपनिंग की है।फिल्म ड्रामा और रोमांस पर बेस्ड है। फिल्म को क्रिटिक और दर्शक दोनों की ओर से सकारात्मक रिव्यू मिले हैं। इसे तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज किया गया है। खद्यस बात ये है कि विजय और सामंथा दोनों की पिछली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। ऐसे में उन्हें कुशी से काफी उम्मीदें हैं। 'कुशी' के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो कहा जा रहा है कि फिल्म ने दुनियाभर में 52.5 करोड़ रुपए का कारोबार किया है। कुशी का निर्देशन शिवा निरवाना ने किया है।

'चंद्रमुखी 2' के ट्रेलर में कंगना खूबसूरत डांसर के रूप में आईं नजर

निर्देशक पी. वासु की आगामी तमिल कॉमेडी-हॉरर फिल्म 'चंद्रमुखी 2' का ट्रेलर जारी कर दिया है। इसमें कंगना रानौत ने चंद्रमुखी का किरदार निभाया है। कंगना राजा वेट्टियन राजा के दरबार की नर्तकी चंद्रमुखी की भूमिका निभाती हैं, और एक सुंदर मोहक और आकर्षक नर्तकी के अवतार के साथ-साथ अपने महान नृत्य कौशल का प्रदर्शन करती हैं। इस फिल्म के ट्रेलर में अभिनेता राघव लॉरेंस को धमाकेदार एक्शन करते देखा जा सकता है। साथ ही इसमें वडिवेलु ,मुरुगेसन के रूप में कॉमिक टाइमिंग के साथ स्क्रीन पर रोशनी डालेंगे। अतीत और वर्तमान की घटनाओं को लेकर इस फिल्म में 'भूल भुलैया' के कुछ तत्व हैं, जिसमें एक परिवार है जो एक प्रेतवाधित महल में जाता है, जिसे नाराज महिला भूत का सामना करना पड़ता है। लेकिन यह 'भूल भुलैया' के मनोवैज्ञानिक डर से कम है, क्योंकि फिल्म वास्तव में कुछ मजेदार कॉमेडी के साथ अलौकिक डर का प्रदर्शन कर रही है। कहानी थोड़ी रहस्यमय है। कंगना रनौत चंद्रमुखी के रुप में 'भूल भूलैया' की मोनजोलिका की तरह खूनी प्रतिशोध के लिए वर्षों से तैयार है। ट्रेलर में कुछ अद्भुत सेट डिज़ाइन, शानदार दृश्य और एम.एम. कीरावनी का शानदार स्कोर है, साथ ही कुछ बेहतरीन सीजीआई भी है, क्योंकि हम एक डिजिटल पैंथर देखते हैं जो असाधारण दिखता है। 'चंद्रमुखी 2' का ट्रेलर दिलचस्प लग रहा है, और इसमें कंगना रनौत अब तक के सबसे दिलचस्प अवतार में हैं। यह फिल्म 15 सितंबर 2023 को रिलीज होगी।

बेकअप के बाद फिर एक हुए सारा अली खान और कार्तिक आर्यन!

बॉलीवुड के युवा दिलों की धड़कन कार्तिक आर्यन अपनी फिल्म चंदू चैंपियन की शूटिंग में काफी व्यस्त हैं, जिसका निर्देशन कबीर खान कर रहे हैं। एक बार यह पूरा हो जाने के बाद, वह अनुराग बसु द्वारा निर्देशित आशिकी 3 की शूटिंग के लिए आगे बढ़ेंगे। दिलचस्प बात यह है कि हम अभी तक नहीं जानते कि आशिकी 3 में मुख्य अभिनेत्री कौन होगी। ऐसी अफवाहें थीं कि कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री आकांक्षा शर्मा मुख्य भूमिका निभाने के लिए फिल्म निर्माता महेश भट्ट और मुकेश भट्ट के साथ बातचीत कर रही हैं। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि सारा अली खान भी इस गेम में शामिल हो सकती हैं।

आशिकी 3 में सारा अली खान लीड रोल में होंगी

अनुराग बसु कार्तिक और सारा को दोबारा पर्दे पर एक करना चाहते हैं। आपको याद होगा कि वे अपने रिलेशनशिप को लेकर काफी सुर्खियों में रहे थे। अनुराग को सारा के टैलेंट पर भरोसा है, इसलिए फिल्म लव आज कल की तरह ही दोनों के दोबारा साथ आने की खबरें भी खूब चर्चा बटोर रही हैं। लेकिन यहां पेच यह है कि भट्ट परिवार चीजों को छिपाकर रख रहा है। उन्होंने अभी तक एक्ट्रेस के नाम का खुलासा नहीं किया है। हाल ही में कार्तिक और सारा को गदर 2 की सक्सेस पार्टी में साथ देखा गया था। अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, पूरी पार्टी के दौरान उनके बीच मेलजोल बना रहा।

पार्टी में कार्तिक और सारा एक दूसरे को गले लगाते नजर आ रहे हैं

गदर 2 की टीम ने सफलता का जश्न मनाने के लिए मुंबई में एक बड़ी पार्टी रखी। फिल्म की पूरी टीम और बॉलीवुड के कई बड़े सितारे वहां मौजूद थे. पार्टी के वीडियो वायरल हो रहे हैं. एक वीडियो में सारा अली खान और कार्तिक आर्यन को पार्टी से पहले और बाद में एक-दूसरे को गले लगाकर बधाई देते हुए दिखाया गया है, जिससे साबित होता है कि उनके कथित रिश्ते और ब्रेकअप के बावजूद, वे अभी भी मोटे हैं। सोशल मीडिया पर लोग अपने दोनों पसंदीदा लोगों के बीच की बॉन्डिंग को देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। खैर, बॉलीवुड में दोस्ती और प्रतिद्वंद्विता जल्दी आती और जाती रहती है। तो, यह देखना दिलचस्प होगा कि आशिकी 3 में कार्तिक को किससे प्यार हो जाता है।

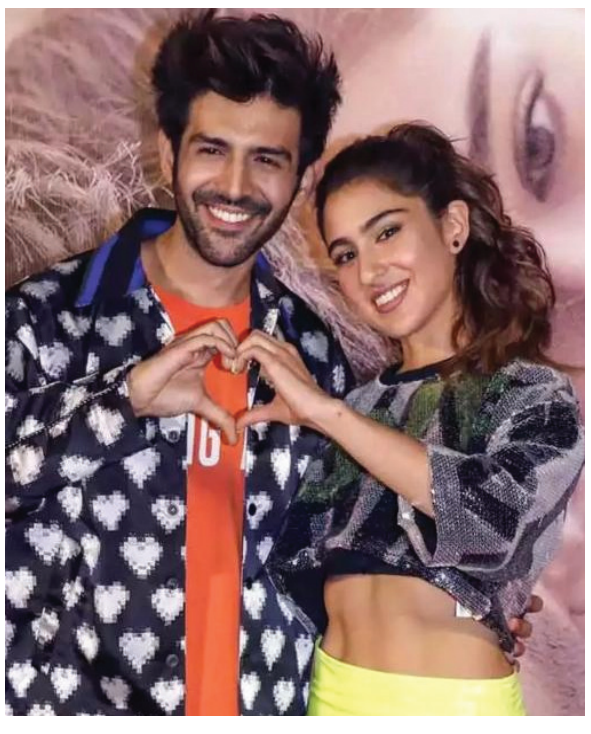

कृति सेनन ने कोविड-19 को किया याद

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने खुलासा किया है कि कैसे उन्हें दिसंबर 2020 में दोबारा कोविड हो गया था। कृति सेनन ने हाल ही में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है, जिसे उन्होंने आलिया भट्ट के साथ साझा किया था। एक्ट्रेस कृति सेनन ने बताया कि जो लोग उनके करीब हैं वह उनके साथ भोजन करने में सहज महसूस करती हैं, यही कारण की उन्हें कोरोना हो गया था। एक्ट्रेस ने कर्ली टेल्स को बताया कि वह भोजन साझा करने और एक ही कटलरी से खाने को लेकर बहुत नखरेबाज़ नहीं हैं। एक्ट्रेस ने हंसते हुए कहा, 'मैं उन लोगों के साथ जूठा खा सकती हूं, जिन्हें मैं जानती हूं और जिनके मैं बहुत करीब हूं। इसी तरह मुझे कोरोना हुआ था।' कृति को दिसंबर 2020 में कोविड-19 का पता चला था। उस समय, एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम के माध्यम से कोरोना संक्रमित होने की जानकारी साझा की थी। एक्ट्रेस कृति सेनन ने लिखा था, 'मैं सभी को बताना चाहती हूं कि मेरा कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि मैं ठीक महसूस कर रही हूं। बीएमसी और अपने डॉक्टर की सलाह के अनुसार मैंने खुद को क्वारंटाइन कर लिया है।मैं जल्दी ही कोरोना पर काबू पा लूंगी और फिर जल्द ही दोबारा काम शुरू कर सकूंगी।' कृति सेनन ने हाल ही में फिल्म 'मिमी' में अपने काम के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता, जो सरोगेसी के विषय पर आधारित थी। उन्होंने यह पुरस्कार आलिया भट्ट के साथ साझा किया, जिन्हें संजय लीला भंसाली की 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में उनके काम के लिए सम्मानित किया गया था।

फोटोग्राफरों के सवाल पर भडके विजय वर्मा

एक्टर विजय वर्मा ने हाल ही में मालदीव्स से छुट्टियां मनाकर वापस लौटे हैं। एक्टर वर्मा मुंबई एयरपोर्ट के अराइवल सेक्शन से अपनी कार की ओर मुस्कुराते हुए बढ़े इस दौरान फोटोग्राफरों में से एक ने उनसे पूछा, मालदीव से समंदर के मजे लेकर आए हो? सवाल सुनते ही विजय को गुस्सा आ गया और उन्होंने जवाब में कहा- आप ऐसे सवाल नहीं कर सकते। इससे पहले तमन्ना को भी एयरपोर्ट से बाहर निकलते हुए देखा गया था। एयरपोर्ट से एक्टर्स की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। 26 अगस्त को, तमन्ना और विजय को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया जब वे एक साथ छुट्टियां मनाने के लिए निकले थे। हालांकि, यह जोड़ी अलग-अलग पहुंची। तमन्ना ने अपने एक इंटरव्यू के दौरान विजय के साथ अपने रिश्ते की पुष्टि की और उन्हें अपना हैप्पी प्लेस बताया। दूसरी तरफ, विजय ने बाद में यह भी कहा कि हालांकि वह जनता से कुछ भी छिपाना नहीं चाहते हैं, लेकिन वह चाहते हैं कि दर्शक उनके काम के बारे में नोटिस करें और चर्चा करें, न कि उनके निजी जीवन के बारे में।

काइली ने टॉपलेस होकर करवाया फोटोशूट

हाल ही में एक्ट्रेस काइली जेनर ने टॉपलेस होकर और बदन पर कालख लपेटकर फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। काईली की ये तस्वीरें इंटरनेट पर आते ही सनसनी फैल गई है। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि काइली जेनर टॉपलेस होकर अपनी बैक फ्लॉन्ट किए कैमरे के सामने पोज दे रही हैं। बाकी तस्वीरों में एक्ट्रेस डेनिम पैंट के साथ मैचिंग जैकेट पहने नजर आ रही है। जैकेट को काइली ने ओपन कर रखा है और उनके क्लीवेज साफ नजर आ रहे है। तस्वीरों में काइली के बदन पर कालख लिपटी दिखाई दे रही है। कैमरे के सामने बोल्ड अंदाज दिखाते हुए वह कॉन्फिडेंस के साथ पोज दे रही हैं। बता दें, काइली जेनर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। उनकी इंस्टाग्राम पर 398 मिलियन फैन फॉलोइंग है, जो एक्ट्रेस की तस्वीरों पर खूब लाइक बरसाती है। एक्ट्रेस काइली जेनर अपने लुक्स से लोगों को इम्प्रेस करना अच्छे से जानती हैं।